MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । सोमवार, 27 अप्रैल, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 12 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-114

व्हाइट हाउस में शूटिंग

ट्रंप बाल-बाल बचे, पत्रकारों के साथ डिनर पार्टी में हमला

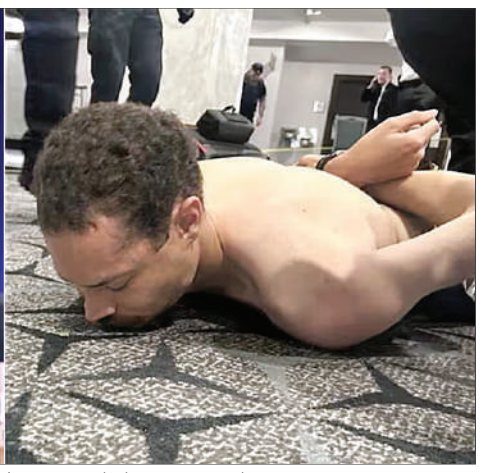

वॉशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमले की कोशिश हुई है। राजधानी वॉशिंगटन डीसी में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर (पत्रकारों के साथ) के दौरान कथित तौर पर गोली चलने की खबर सामने आई। इसके तुरंत बाद इस हाई-प्रोफाइल इवेंट के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अचानक मंच से हटाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, जैसे ही गोलियों की आवाज सुरक्षा एजेंसियों ने सुनी, वैसे ही अमेरिका सीक्रेट सर्विस तुरंत एक्टिव हो गई। एजेंट्स ने तेज आवाज में अलर्ट देते हुए ट्रंप को स्टेज से हटाया और बाहर ले गए। उनके साथ उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कैबिनेट के अन्य सदस्य भी मौजूद थे, जिन्हें भी तुरंत सुरक्षित जगह पहुंचाया गया।

एक प्रशासनिक अधिकारी ने बताया कि ट्रंप पूरी तरह सुरक्षित हैं और कैबिनेट के सदस्य भी ठीक हैं। वहीं, मौके पर मौजूद अधिकारियों के रेडियो मैसेज के अनुसार एक संदिग्ध शूटर को हिरासत में ले लिया गया है। इससे पहले एपी और एएफपी की रिपोर्ट में भी बताया गया था कि डिनर के दौरान तेज धमाकों जैसी आवाजें सुनाई दीं, जिससे कार्यक्रम में अफरा-तफरी मच गई। जैसे ही आवाजें सुनाई दीं, तुरंत सुरक्षा एजेंसियां भीड़ के बीच से रास्ता बनाकर तेजी से मंच तक पहुंचीं। कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें तेज आवाजों के बाद हॉल में हलचल देखी जा सकती है। हालांकि, इन वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है।

इस हमले के बाद ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर रिएक्शन दिया। उन्होंने लिखा, डी.सी.में आज की शाम काफी हलचल भरी रही। सीक्रेट सर्विस और कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने शानदार काम किया। उन्होंने तेजी और बहादुरी से कार्रवाई की। शूटर को पकड़ लिया गया है, और मैंने सुझाव दिया है कि हम शो जारी रखें, लेकिन मैं पूरी तरह से एजेंसियों के निर्देशों का पालन करूँगा। वे जल्द ही कोई फैसला लेंगे। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि एजेंसियों ने उन्हें यहां से निकलने को कहा है और वह आधे घंटे में प्रेस कॉन्फ्रेंस करेंगे।

ट्रेन से आया, होटल में घुसा और हमला...

अमेरिका के हाई प्रोफाइल कार्यक्रमों में से एक व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के डिनर के दौरान हुई गोलीबारी के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। कार्यवाहक अटॉर्नी जनरल टॉड ब्लैंच ने रविवार को बताया कि शनिवार रात वाशिंगटन हिल्टन होटल के बॉलरूम में घुसने की कोशिश करने वाले हमलावर के निशाने पर राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के सदस्य थे।

राष्ट्रपति ट्रंप के प्रशासन के सदस्य थे निशाने पर

एनबीसी के मीट द प्रेस कार्यक्रम में टॉड ब्लैंच ने बताया कि संदिग्ध की पहचान कोल थॉमस एलन के रूप में हुई है। वो कैलिफोर्निया के टॉरेंस का रहने वाला है। वो कैलिफोर्निया से ट्रेन के जरिए पहले शिकागो गया और फिर वहां से वॉशिंगटन पहुंचा। चौंकाने वाली बात यह है कि वो वॉशिंगटन हिल्टन होटल में एक गेस्ट के तौर पर चेक-इन करके रुका था। यहां डिनर का आयोजन था। सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने बताया कि एलन ने होटल के सुरक्षा घेरे को तोड़ने की कोशिश की थी। इस दौरान उसने एक एजेंट पर गोली चला दी। उसके पास एक शॉटगन, एक हैंडगन और कई चाकू बरामद हुए हैं। इस घटना के वक्त बॉलरूम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, कैबिनेट के कई वरिष्ठ सदस्य और अधिकारी मौजूद थे। गोलीबारी की आवाज सुनते ही बॉलरूम में अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने एलन को हिरासत में ले लिया।

उसकी पृष्ठभूमि ने जांचकर्ताओं को हैरान कर दिया है। वो कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी जैसा नामी संस्थान से ग्रेजुएट है। ▶8पर

बॉम्बे हाईकोर्ट ने किसान के पक्ष में सुनाया दिलचस्प फैसला

तोते खा गए अनार मुआवजा दे सरकार

मुंबई, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने एक अहम फैसले में कहा है कि तोते भी जंगली जानवर' की श्रेणी में आते हैं और यदि वे किसानों की फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं, तो सरकार को मुआवजा देना होगा। अदालत ने महाराष्ट्र सरकार को एक किसान को उसके अनार के पेड़ों के नुकसान के लिए भुगतान करने का आदेश दिया है।

यह मामला वर्धा जिले के हिंगी गांव के 70 वर्षीय किसान महादेव डेकाटे से जुड़ा है। उन्होंने अदालत में बताया कि मई 2016 में पास के वन्यजीव अभयारण्य से आए जंगली तोतों ने उनके अनार के बगीचे को भारी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने इसके लिए मुआवजे की मांग की थी।

40,000 रुपये मुआवजा देने का आदेश

किसान के अनुसार, उनके लगभग 200 अनार के पेड़ प्रभावित हुए। अदालत ने सरकार को प्रति पेड़ 200 रुपये के हिसाब से कुल 40,000 रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया।

क्या थी सरकार की दलील?

सरकार ने अदालत में कहा था कि पुराने सरकारी आदेशों के अनुसार केवल हाथी और बाइसन जैसे जंगली जानवरों द्वारा नुकसान पहुंचाने पर ही मुआवजा दिया जा सकता है। लेकिन अदालत ने इस दलील को खारिज कर दिया।

हाईकोर्ट ने कहा कि अगर कुछ ही जानवरों के कारण हुए नुकसान पर मुआवजा दिया जाए और बाकी को नजरअंदाज किया जाए, तो यह बराबरी के सिद्धांत के खिलाफ होगा। अदालत ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन बताया।

अदालत ने यह भी कहा कि वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 के तहत तोते और उनसे जुड़ी कई प्रजातियां संरक्षित हैं। इसलिए वे राज्य की संपत्ति माने जाते हैं। जब कानून नागरिकों से उम्मीद करता है कि वे वन्यजीवों की रक्षा करें, तो यह भी जरूरी है कि सरकार उनके कारण हुए नुकसान की भरपाई करे।

हाई कोर्ट ने क्या कहा?

कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर किसानों को मुआवजा नहीं मिलेगा, तो वे अपनी फसलों की रक्षा के लिए ऐसे कदम उठा सकते हैं, जिससे वन्यजीवों को नुकसान पहुंच सकता है। इससे कानून का उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा।

महादेव डेकाटे ने दावा किया था कि उन्हें करीब 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ। वन विभाग और कृषि विभाग के अधिकारियों ने भी निरीक्षण में माना था कि लगभग 50 प्रतिशत फल पक्षियों द्वारा खराब किए गए थे। यह फैसला किसानों और वन्यजीव संरक्षण दोनों के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मन की बात में नई ऊर्जा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात के 133वें एपिसोड में देश की वैज्ञानिक ताकत और अंतरिक्ष उपलब्धियों पर जोरदार संदेश दिया। चुनावी हलचल के बीच भी उन्होंने जनता की भागीदारी और उपलब्धियों को रेखांकित किया। पीएम मोदी ने साफ कहा कि भारत ने हमेशा विज्ञान को विकास का हथियार माना है और आज वैज्ञानिकों की मेहनत से देश का अंतरिक्ष कार्यक्रम नई ऊंचाइयों को छू रहा है, जो राष्ट्र निर्माण की रीढ़ बन चुका है। पीएम मोदी ने मन की बात के 133वें एपिसोड में स्कूल बच्चों की छुट्टियों को लेकर संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह समय बच्चों की छुट्टियों का है और सभी बच्चों को चाहिए कि वे अपनी छुट्टियों का पूरा आनंद लें। पीएम मोदी ने बच्चों से यह भी अपील की कि वे सिर्फ मनोरंजन ही न करें, बल्कि इस दौरान कुछ नया सीखने की कोशिश भी करें। उन्होंने कहा कि छुट्टियों का सही उपयोग बच्चों के विकास में मदद कर सकता है और उन्हें नई चीजें सीखने का अवसर देता है।

पीएम मोदी ने मन की बात के 133वें एपिसोड में भारत के डेयरी सेक्टर और पारंपरिक खाद्य संस्कृति पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि भारत में खाने-पीने की परंपरा सिर्फ स्वाद तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति और पहचान का हिस्सा भी है। इसी परंपरा का एक अहम हिस्सा भारतीय चीज भी है। पीएम मोदी ने बताया कि हाल ही में ब्राजील में आयोजित एक अंतरराष्ट्रीय चीज प्रतियोगिता में भारतीय चीज ब्रांड्स ने शानदार प्रदर्शन किया और प्रतिष्ठित पुरस्कार हासिल किए। इस उपलब्धि की सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि भारत के डेयरी सेक्टर में तेजी से बड़ा बदलाव हो रहा है। इस क्षेत्र में वैल्यू एडिशन यानी प्रोसेसिंग और नए उत्पादों के जरिए पारंपरिक स्वाद को नई पहचान मिल रही है। पीएम मोदी के अनुसार, आज भारतीय चीज दुनिया के कई देशों में अपनी जगह बना रही है और भारत का स्वाद अब वैश्विक प्लेटों तक पहुंच रहा है, जो देश के लिए गर्व की बात है। ▶8पर

मतुआ ठाकुर मंदिर में मोदी ने मत्था टेका

कोलकाता, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में चुनावी अभियान के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मतुआ ठाकुर मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस दौरान, उन्होंने श्री श्री हरिचंद ठाकुर और श्री श्री गुरुचंद ठाकुर को भी याद किया। पीएम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मतुआ मंदिर में दर्शन की तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, आज दिन में मैंने मतुआ ठाकुर मंदिर में पूजा-अर्चना की। श्री श्री हरिचंद ठाकुर जी और श्री श्री गुरुचंद ठाकुर जी के आदर्श हमारे समाज को निरंतर आलोकित कर रहे हैं। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के बनगांव में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

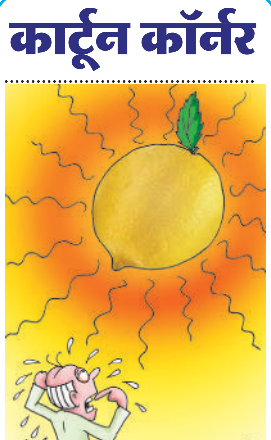

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 39^{0}

न्यूनतम : 27^{0}

ईरान के पास सिर्फ 3 दिन!

सनसनीखेज दावा : अपने आप ब्लास्ट होंगी तेल लाईनें

वाशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। ईरान से जारी सीजफायर के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर तेहरान को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने फॉक्स चैनल से अपनी खास बातचीत में कहा है कि ईरान के पास अब लगभग तीन दिन का समय बचा है। अगर ऐसे ही चलता रहा तो उसका ऑयल इंफ्रास्ट्रक्चर ठप पड़ जाएगा, जिसे ठीक करने में लंबा वक्त लगेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने आगे कहा है कि आप जिस बात का ज़िक्र कर रहे हैं, वह यह है कि जब आपके सिस्टम से भारी मात्रा में तेल की लाइनें गुज़र रही होती हैं, तो ऐसे में अगर किसी भी वजह से वह लाइन बंद हो जाए क्योंकि आप उसे कंटेनरों या जहाज़ों में डालना जारी नहीं रख सकते (जैसा कि ईरान के साथ हुआ है; नाकाबंदी की वजह से उनके पास कोई जहाज़ नहीं हैं), तो होता यह है कि वह लाइन अंदर से फट जाती है और बंद पड़ जाती है। उसके अंदर कुछ ऐसा होता है कि वह बस फट जाती है। जितना मुझे पता है, ऐसा होने में अब बस तीन दिन ही बचे हैं। अगर ऐसा हुआ तो ईरान उसे कभी भी आज की क्षमता के साथ फिर से शुरू नहीं कर पाएगा। मैं आपको अगर दूसरे शब्दों में कहूं तो, अगर आप उसे फिर से बनाते भी हैं (हालांकि उसे पूरी तरह से फिर से बनाना बहुत मुश्किल है), तो भी वह पहले जैसा नहीं होगा। वह अपनी कुल क्षमता से सिर्फ़ 50% ही काम कर पाएगा, तो यह एक बहुत ही ज़बरदस्त घटना है, जिसका कहीं न कहीं प्रकृति से भी लेना-देना है। लेकिन जब वह लाइन आखिर में जाम हो जाती है और जब आपको उसे बंद करना पड़ता है तो इसका नुकसान काफी बड़ा होता है, जिससे निपटने में ईरान को लंबा समय लग सकता है। ट्रंप के इस बयान से कुछ घंटे पहले ही ईरान ने भी अमेरिका से बातचीत को लेकर एक बयान दिया था। ▶8पर

॥ जय नंदी बाबा ॥ ॥ श्री करनला ॥ ॥ जय गोमाता ॥
॥ सेवा ॥ ॥ सुरक्षा ॥ ॥ सम्मान ॥
क्या हम गौ माता के लिए एक दिन निकाल सकते है।
भूले नहीं याद रखें आज 27 अप्रैल 2026 {गो सम्मान दिवस}
को प्रात: हम सभी भारतवासियों, गो प्रेमियों को अपने-अपने तहसील/ब्लॉक/अनुमंडल/जिला कार्यालय जाकर तहसीलदार, ब्लॉक अधिकारी/ अनुमंडल अधिकारी / जिला कलक्टर के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति, माननीय प्रधानमंत्री, महामहिम राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम का प्रार्थना पत्र तसीलदार अथवा उपखण्ड अधिकारी / जिला कलेक्टर को देना है।
आईए हम सब मिलकर अपनी गौ माता के सम्मान के लिए अपनी आवाज सरकार तक पहुचाएं।
गो सम्मान आह्वान अभियान

॥ गो सम्मान आह्वान अभियान के मुख्य उद्देश्य ॥
केंद्र सरकार और देश की सभी राज्य सरकारों से राष्ट्र और भारतीय संस्कृति के हित में संविधान के दायरे में रहकर अहिंसक तरीके से प्रार्थना कर गो माता को
(1) भारत में गौहत्या पर पूर्णत: प्रतिबंधित लगे/गौहत्या पूर्णत: समाप्त हो। (जिससे गो माता पूर्णत: सुरक्षित हो)
(2) गोमाता को राष्ट्र माता, राष्ट्र देव, राष्ट्र आराध्या, राष्ट्र धरोहर अथवा राष्ट्र आधार का सम्मानित पद प्रदान करें। (गोमाता को सम्मान मिले)
(3) गो सेवा हेतु केंद्रीय कानून लागू हो और केंद्रीय गौ सेवा मंत्रालय बने। (जिससे संपूर्ण भारतवर्ष में समान रूप से गो सेवा हो सके)
atlas.jagirdar
॥ गो महिमा ॥
(1) गोमाता 33 कोटि देवी देवताओं की सात्विक शक्ति अपने तन में समाहित रखती हैं।
(2) गोमाता का दूध, दही, घी सात्विक निरापद आहार होने के साथ-साथ दिव्य औषधि भी है।
(3) गोमय और गोमूत्र दिव्य औषधि होने के साथ-साथ विषमुक्त कृषि का मूल आधार है।
(4) भारतीय संस्कृति, परंपरा, संस्कार और जीवनशैली बिना गोमाता के अकल्पनीय है।
(5) राष्ट्र गौरव, राष्ट्र रक्षा, राष्ट्र शांति और राष्ट्र का वास्तविक विकास गोमाता की सेवा सुरक्षा और सम्मान के बिना संभव नहीं है।
यह आंदोलन नहीं, यह हमारी जिम्मेदारी है।
अभियान से जुड़ने के लिए मिस कॉल करे - 9067777323
Jasmat Patel 72880 47779 M M Palod 98494 67807

कस्टम जांच बढ़ाए जाने के बाद नेपाली जनता परेशान, बढ़े चीजों के दाम

काठमांडू

नेपाल में बालेन शाह सरकार के आदेश के बाद कस्टम जांच बढ़ाए जाने के बाद भारतीय सीमा से लगे एंट्री पाइंट असामान्य रूप से शांत हो गए हैं। इसके चलते रोजमर्रा की जरूरत का सामान खरीदने के लिए सीमा पार करने वाले नेपाली खरीदारों की संख्या में कमी आई है। बालेन सरकार की इस सख्ती का असर सीमा पर स्थित भारतीय बाजारों के साथ ही नेपाली जनता पर भी पड़ रहा है।

आवाजाही में 75 फीसदी की गिरावट आई, भारतीय व्यापारी नाराज

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेपाल ने 100 रुपए से ज्यादा का सामान खरीदे जाने पर सीमा शुल्क वसूली को अनिवार्य कर दिया है। नेपाल में इस शुल्क को भंसार कहा जाता है। नेपाली कस्टम अधिकारी अब सीमा से आने वाले हर सामान की कड़ी जांच कर रहे हैं। भैरहवा और आसपास के इलाके के लोगों का कहना है कि सीमा पर जांच कड़ी किए जाने के बाद से घर की जरूरी चीजों के दाम बढ़ गए हैं। वहीं, नेपाली खरीदारों से गुलजार रहने वाले सोनौली बाजार हाल के दिनों में धीमा पड़ गया है। नेपाली अधिकारियों का कहना है कि जांच का मकसद भारतीय सामानों पर रोक लगाना नहीं, बल्कि उस चलन को कमजोर करना है, जिसमें लोग घरेलू इस्तेमाल का बहाना बनाकर बिना ड्यूटी चुकाए बड़ी मात्रा में सामान लाते हैं। भैरहवा कस्टम आफिस के प्रमुख के हवाले से बताया कि कस्टम पाइंट के पार दिन में कई बार सामान ले जाकर की जाने वाली तस्करी में कमी आई है। आस-पास के भारतीय बाजारों से छोटे पैमाने पर की जाने वाली निजी खरीदारी पर कोई रोक नहीं है। कस्टम कर्मचारी और सुरक्षाकर्मी मुख्य रूप से उन बड़ी व्यावसायिक खेप पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, जिसे घरेलू खपत की आड़ में लाया जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि सोनौली में नेपाली ग्राहकों की आवाजाही में 75 फीसदी से भी ज्यादा की गिरावट आई है। भारतीय व्यापारी इस गिरावट से नाराज हैं। वहीं, नेपाली व्यापारिक संगठनों का कहना है कि सीमा नियंत्रण से वैध व्यापार को बढ़ावा मिलेगा। फेडरेशन आफ कस्टम एजेंट्स नेपाल के अध्यक्ष प्राचीन कुमार थाइबा ने कहा कि सीमा पर कड़ी निगरानी से अवैध व्यापार कमजोर होता है। थाइबा ने कहा कि सीमा चौकियों पर जांच से खुदरा कस्टम व्यापार को बढ़ावा मिला है और कस्टम गोदामों में सामान भर गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने वैकल्पिक रास्तों से तस्करी का आरोप लगाया और उन इलाकों में निगरानी की जरूरत बताई। जहां नेपाली व्यापारी सीमा नियंत्रण को सकारात्मक कदम बता रहे हैं। वहीं उपभोक्ताओं की शिकायत है कि किराना और खुदरा दुकानों में रोजमर्रा की जरूरत के सामानों की कीमतें बढ़ गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

मैं उसे तुरंत खत्म करना चाहता हूं, चाहे वह देश से जुड़ा मामला हो या मेरी जिंदगी से

यरूशलम। इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने अपनी सालाना मेडिकल रिपोर्ट सार्वजनिक कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है। हमेशा युद्ध और कूटनीति के केंद्र में रहने वाले नेतन्याहू ने खुलासा किया कि पिछले कुछ समय से वे एक गुप्त स्वास्थ्य चुनौती से जूझ रहे थे, लेकिन अब वे पूरी तरह स्वस्थ हैं। 76 साल की उम्र में भी उनकी फिटनेस और काम के प्रति जज्बे ने विशेषज्ञों को हैरान कर दिया है। मेडिकल रिपोर्ट के मुताबिक कुछ समय पहले उनके प्रोस्टेट में एक छोटा सा स्पाट था। डाक्टरों ने जांच के बाद पुष्टि की कि यह शुरुआती स्टेज का एक कैंसरयुक्त ट्यूमर था। डाक्टरों का कहना था कि नेतन्याहू की उम्र में इस तरह के स्पाट मिलना एक आम बात है। उनके पास दो रास्ते थे। इसे समय-समय पर मानिटर किया जाए और कुछ न किया जाए यानी तुरंत इलाज करके उसे जड़ से खत्म कर दिया जाए। नेतन्याहू ने अपनी हेल्थ अपडेट शेयर करते हुए कहा कि जब मुझे किसी खतरे की जानकारी समय पर मिलती है तो मैं उसे तुरंत खत्म करना चाहता हूं, चाहे वह देश से जुड़ा मामला हो या मेरी निजी जिंदगी से। मैंने अपनी बीमारी के साथ भी वही किया। नेतन्याहू को जब इसका पता चला तो उन्होंने बिना देरी किए टारगेटेड ट्रीटमेंट शुरू कर दिया। अब वह ट्यूमर पूरी तरह खत्म हो चुका है और वे पूरी तरह से कैंसर मुक्त हैं। नेतन्याहू ने इजराइल के नागरिकों से भावुक अपील भी की। उन्होंने कहा कि समय पर जांच ही जान बचा सकती है। उन्होंने लोगों से डाक्टरों की सलाह मानने और अपनी सेहत को प्राथमिकता देने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने जंग में घायल हुए इजराइली सैनिकों और नागरिकों के जल्द ठीक होने की दुआ भी मांगी।

अमेरिका के निशाने पर आए ईरान के शक्तिशाली जनरल अहमद वाहिदी

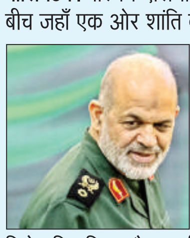

वाशिंगटन। पश्चिम एशिया में हफ्तों से जारी संघर्ष के बीच जहाँ एक ओर शांति बहाली के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज हो गए हैं, वहीं दूसरी ओर अमेरिका की एक गुप्त और आक्रामक सैन्य रणनीति ने दुनिया को चौंका दिया है। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने एक विशेष हिट लिस्ट तैयार की है। जिसमें सबसे ऊपर ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कार्प्स के कमांडर- इन-चीफ जनरल अहमद वाहिदी का नाम शामिल है। अमेरिकी रक्षा विभाग का मानना है कि वाहिदी वह प्रमुख व्यक्ति हैं जो अपनी कट्टरपंथी विचारधारा के कारण शांति वार्ता की राह में सबसे बड़ा अवरोध बने हुए हैं। वाशिंगटन की ओर से यह स्पष्ट संकेत दिया गया है कि यदि वर्तमान दौर की पीस टाक विफल रहती है, तो अमेरिका अपने प्लान-बी के तहत सीधे सैन्य कार्रवाई कर सकता है। जनरल अहमद वाहिदी को 1 मार्च, 2026 को आईआरजीसी की कमान सौंपी गई थी, जब उनके पूर्ववर्ती मोहम्मद पाकपुर एक हमले में मारे गए थे। वाहिदी को ईरान के भीतर कट्टरपंथियों का भी गुरु माना जाता है। वे 1988 से 1997 तक कुद्स फोर्स के प्रमुख रह चुके हैं और उनका प्रभाव ईरान की विदेश नीति पर इस कदर हावी है कि विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी उनकी सहमति के बिना कोई बड़ा फैसला नहीं ले पाते। इसका उदाहरण हाल ही में तब देखने को मिला जब अराघची ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने की बात कही, लेकिन वाहिदी ने 24 घंटे के भीतर उस फैसले को पलटते हुए रास्ता फिर से बंद करवा दिया।

120000 टन का महाविनाशक: परमाणु ऊर्जा से लैस होगा चीन का चौथा एयरक्राफ्ट कैरियर

बीजिंग। चीन अपनी नौसैनिक शक्ति को अभूतपूर्व गति से बढ़ाने में जुटा है। हाल ही में पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी के 77वें स्थापना दिवस पर जारी एक प्रोमोशनल वीडियो ने वैश्विक रक्षा विशेषज्ञों के बीच हलचल मचा दी है। टाइप 004 कहा जाने वाला यह सुपरकैरियर डालियान शिपयार्ड में निर्माणाधीन है। लगभग 1,10,000 से 1,20,000 टन वजन वाले इस जहाज पर 100 से अधिक लड़ाकू विमान तैनात किए जा सकेंगे। इस वीडियो में चीन ने अपने चौथे एयरक्राफ्ट कैरियर के संबंध में कुछ ऐसे संकेत दिए हैं, जिससे कयास लगाए जा रहे हैं कि यह चीन का पहला न्यूक्लियर पावर्ड (परमाणु ऊर्जा से चलने वाला) युद्धपोत होगा। चीन अपनी समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने और वैश्विक संसाधनों पर दबदबा बनाने के लिए इस विशालकाय जहाज को तैयार कर रहा है। इसमें लगे ट्विन रिएक्टर्स इसे असीमित रेंज प्रदान करेंगे, जिससे यह बिना ईंधन भरे सालों तक समुद्र में रह सकेगा। अमेरिकी गेराल्ड आर फोर्ड क्लास की तर्ज पर इसमें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक कैटापोल्ट्स सिस्टम भी होगा।

अमेरिकी गणतंत्र पर हमला नया नहीं, देशवासी लें मतभेदों को शांतिपूर्वक सुलझाने का संकल्प : ट्रंप

वाशिंगटन

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी गणतंत्र पर हमला नया नहीं है। इससे पहले भी राष्ट्र को लहूलुहान किया गया है। उन्होंने देशवासियों से आपसी मतभेदों को शांतिपूर्वक सुलझाने का आह्वान भी किया । वाशिंगटन डीसी में शनिवार शाम अभेद्य किलेबंदी के बीच चल रहे व्हाइट हाउस कारेस्पोंडेंट्स डिनर के दौरान पर कार्यक्रम स्थल के बाहर हुई गोलीबारी में पूरी तरह सुरक्षित ट्रंप ने इस घटना पर चिंता जताते हुए संघीय एजेंट्स और कानून प्रवर्तन एजेंसियों की तारीफ की।

रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस घटना करीब 30 मिनट बाद व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम से संवाददाता सम्मेलन में कहा कि वार्षिक डिनर का आयोजन वाशिंगटन हिल्टन होटल के बालरूम में किया गया था। इस दौरान कई तरह के हथियारों से लैस एक व्यक्ति सुरक्षा घेरे की तरफ बढ़ा। एजेंट्स और अन्य सुरक्षा कर्मचारियों ने संदिग्ध को आगे बढ़ने से रोका और उसे हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि संदिग्ध ने एक एजेंट को बहुत करीब से गोली मारी। इस अधिकारी के बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने कारण अनहोनी टल गई। अधिकारी पूरी तरह ठीक है।

व्हाइट हाउस के ब्रीफिंग रूम में ट्रंप के संवाददाता सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कई पत्रकार तो सीधे हिल्टन होटल से पहुंचे। ट्रंप ने संवाददाता सम्मेलन से पहले संदिग्ध की तस्वीरें और वीडियो ट्रुथ सोशल पर पोस्ट किए। ट्रंप ने इस घटना को कार्यक्रम के मूल उद्देश्य पर सीधा हमला भी बताया। उन्होंने कहा, यह कार्यक्रम अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समर्पित था। इसका मकसद दोनों पार्टियों के सदस्यों और प्रेस के सदस्यों को एक साथ लाना था।

ट्रंप ने कहा कि इस घटना से साफ है कि सुरक्षा व्यवस्था को और भी कड़ा करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि वाशिंगटन हिल्टन होटल सुरक्षित इमारत नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे अच्छा तो व्हाइट हाउस का निर्णाधीन बालरूम है। यहां ड्रोन प्रूफ सुरक्षा और कांच की बुलेट प्रूफ दीवारें होंगी।

उन्होंने इस गोलीबारी से पैदा हुए डर को अमेरिका पर मंडरा रहे खतरों के एक बड़े सिलसिले से भी जोड़ा। उन्होंने कहा, पिछले कुछ सालों में यह पहली बार नहीं है जब हमारे गणतंत्र पर किसी ऐसे हमलावर ने हमला किया हो, जो किसी की जान लेने के इरादे से आया हो।

उन्होंने अमेरिकियों से आग्रह किया, दिल से यह संकल्प लें कि आपसी मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएंगे। ट्रंप ने कहा, यह डिनर अगले 30 दिनों के भीतर फिर से आयोजित किया जाएगा। यह और बेहतर और ज्यादा शानदार होगा।

अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध की पहचान 31 वर्षीय कोल एलन के रूप में हुई है। कानून प्रवर्तन के अनुसार, एलन संभवत: वाशिंगटन हिल्टन होटल में एक मेहमान के तौर पर मौजूद था। इस संबंध में डिस्ट्रिक्ट आफ कोलंबिया की यूएस अटार्नी जीनिन पिरो ने कहा कि एलन पर पहले से कई मामले दर्ज हैं। वह पहले भी बंदूक हिंसा कर चुका है।

काठमांडू में अवैध बस्ती को सुरक्षाकर्मियों ने घेरा, अतिक्रमण विरोधी अभियान शुरू

काठमांडू। नेपाल की राजधानी काठमांडू में बागमती नदी किनारे सरकारी जमीन को अतिक्रमणकारियों से मुक्त कराने के लिए अवैध बस्ती के आसपास भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। सरकार दो दिन से लगातार अवैध बस्ती में रह रहे लोगों को इस जगह को खाली करने की चेतावनी दे रही है। सरकार ने कहा कि भूमिहीनों की पहचान कर उनके लिए अस्थाई आवास की व्यवस्था की गई है। आज सुबह यहां डोजर के साथ सुरक्षाकर्मी पहुंचे। कल स्थानीय लोगों ने विरोध करते हुए पत्थरबाजी की थी। पथराव में कई सुरक्षाकर्मी घायल हो गए थे। काठमांडू महानगरपालिका ने थापाथली और गैह्रीगाउँ की अवैध बस्तियों में डोजर चलाया था। आज मनोहरा की बस्ती हटाने की योजना है। बागमती नदी किनारे अवैध बस्ती खाली कराने के साथ ही वास्तविक सुकुमवासियों की पहचान के लिए 'स्क्रीनिंग' (विवरण संकलन) प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। सरकार ने पिछले आंकड़ों और वर्तमान 'स्क्रीनिंग' प्रक्रिया के बाद वास्तविक सुकुमवासियों की पहचान कर उन्हें दीर्घकालीन आवास उपलब्ध कराने की योजना बनाई है। शहरी विकास मंत्रालय के प्रवक्ता नारायणप्रसाद मैनाली ने बताया कि पहले चरण में वास्तविक भूमिहीनों की पहचान की जाएगी और उसके बाद उनके दीर्घकालीन आवास की व्यवस्था तय की जाएगी। भूमिहीनों के लिए काठमांडू या उनके लिए सुविधाजनक संबंधित जिलों में स्थायी आवास और जमीन की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा, 'पिछले आंकड़ों और वर्तमान में होने वाली 'स्क्रीनिंग' के आधार पर हम भूमिहीनों की पहचान करेंगे। उनका तीन पीढ़ियों तक का विवरण एकत्र कर वास्तविक स्थिति का पता लगाएंगे।

रूसी एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को खरीदने में इच्छुक वियतनाम

हनोई

वियतनाम के रक्षा मंत्रालय ने 2030 के दशक की शुरुआत में रूसी एसयू-57 पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमानों को खरीदने में गहरी रुचि दिखाई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक संभावना है कि इन विमानों का उपयोग उसकी अग्रिम पंक्ति में तैनात 12 एसयू-27 और 30 एसयू-22 चौथी पीढ़ी लड़ाकू विमानों को बदलने में किया जाएगा। सबसे पहले 2017 के मध्य में वियतनामी मीडिया में खबरें सामने आई थीं कि मंत्रालय 2030 के आसपास से 12-24 एसयू-57 विमानों को खरीदने की योजना बना रहा है। इसके बाद जनवरी 2019 की शुरुआत में भी इस बारे में खबरें सामने आईं।

वियतनाम के पास आज लड़ाकू विमानों का जो बेड़ा है वह पूरी तरह से रूसी विमानों से बना है। इसी तरह उसकी थल सेना, नौसेना और वायु रक्षा नेटवर्क भी आपूर्तिकर्ता के रूप में रूस पर ही अत्यधिक निर्भर हैं। एसयू-57 को वियतनाम के अपने हवाई बेड़े को आधुनिक बनाने के लिए अब तक का सबसे संभावित विकल्प माना जाता है। इस विमान की खास तौर पर लंबी रेंज देश के ठिकानों से दक्षिण चीन सागर के विवादित जलक्षेत्रों में गश्त करने में सक्षम बनाती है।

एसयू-57 की लंबी रेंज और शक्तिशाली सेंसर चौथी और पांचवीं पीढ़ी के खतरों के खिलाफ बड़े क्षेत्र की सुरक्षा के लिए सबसे उपयुक्त हैं। साथ ही यह वियतनाम की जमीन-आधारित एयर डिफेंस सिस्टम, दूसरे जहाजों और अन्य विमानों के साथ पूरी तरह से तालमेल बिठा सकता है और डेटा लिंक के जरिए जानकारी साझा कर सकता है।

अप्रैल के मध्य में रूसी रक्षा निर्यात समूह रोसोबोरोनएक्सपोर्ट ने इसकी की पुष्टि की है कि कई देशों ने पहले ही इस विमान के लिए अपने आर्डर दे दिए हैं। ईरान, भारत और उत्तर कोरिया के साथ-साथ वियतनाम को भी विमान के सबसे संभावित ग्राहकों में से एक माना जा रहा है। एसयू-57 लड़ाकू विमान के साथ सबसे खास बात ये है कि इसकी कीमत काफी कम है और इसका मेटिनेंस खर्च भी काफी है। इसीलिए वियतनाम के लिए ये एक बेहतरीन सौदा माना जा रहा है। दिल्ली में रूसी राजदूत डेनिस अलीपोव ने भारत को एसयू 57 लड़ाकू विमान सौदे पर नया प्रस्ताव दिया है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी चीन के दौरे पर, आधीरात बाद पहुंचे जांग्शा

बीजिंग। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी शनिवार आधी रात बाद चीन की आधिकारिक यात्रा पर चांग्शा पहुंचे। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के अनुसार राष्ट्रपति व्यापार और अर्थव्यवस्था पर प्रांतीय नेतृत्व के साथ बातचीत के लिए चांग्शा और सान्या का दौरा करेंगे। इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य आर्थिक और व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने के साथ चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) पर विशेष ध्यान देना है। जियो न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार,राष्ट्रपति सचिवालय के बयान के अनुसार, जरदारी का चांग्शा में हुनान प्रांतीय पीपुल्स कांग्रेस की स्थायी समिति के उपाध्यक्ष हु जुशेंग ने स्वागत किया। इस अवसर पर पाकिस्तान में चीन के और चीन में पाकिस्तान के राजदूत भी उपस्थित रहे। सरकारी ब्राडकास्टर पाकिस्तान टेलीविजन कार्पोरेशन के अनुसार, पंजाब के गवर्नर सरदार सलीम हैदर ने अल्लामा इकबाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राष्ट्रपति जरदारी को विदाई दी। विदेश मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रपति जरदारी 25 से 27 अप्रैल तक हुनान प्रांत के चांग्शा और 28 अप्रैल से 1 मई तक हैनान प्रांत के सान्या का दौरा करेंगे। जरदारी इस दौरान प्रांतीय नेतृत्व के साथ बैठकें करेंगे।

कुछ लोग 4-6 घंटे सोकर भी रहते हैं पूरी तरह सक्रिय

लंदन। दुनिया की लगभग एक-तिहाई वयस्क आबादी हर रात पर्याप्त नींद नहीं ले पाती, लेकिन एक छोटा सा हिस्सा ऐसा है जिसके लिए यह समस्या है ही नहीं। दुनिया की आबादी के केवल 1 से × प्रतिशत लोगों को सामान्य लोगों की तरह 8 घंटे की नींद की आवश्यकता नहीं होती। इन्हें कम सोने वाले के रूप में जाना जाता है। ये लोग लगातार चार से छह घंटे की नींद लेकर भी हममें से बाकी लोगों की तरह ही अछा काम कर सकते हैं और पूरी तरह से सक्रिय रहते हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि वैज्ञानिक अब इसके पीछे के असली कारण को समझने लगे हैं। विज्ञान यह मानता है कि एक दिन ऐसा आ सकता है जब दुनिया के यादातर लोग ऐसा कर सकें। प्राकृतिक रूप से कम नींद आना कोई मानसिक स्थिति, आदत या इछाशक्ति का परिणाम नहीं है, बल्कि यह एक जैविक भिन्नता है। पिछले दो दशकों में शोधकर्ताओं ने जीन के एक छोटे समूह की पहचान की है जो इन कम सोने वाले व्यक्तियों में पाया जाता है और उन्हें स्वस्थ रहने में मदद करता है। शुरुआती सुरागों में एक डीईसी2 नामक जीन से मिला, जो आरेक्सिन नामक एक मस्तिष्क रसायन के स्तर को विनियमित करने में मदद करता है। आरेक्सिन वह रसायन है जो मस्तिष्क की चेतनता या जागृति को बढ़ाता है। आरेक्सिन की बहुत कम मात्रा से नार्कोलेप्सी जैसी गंभीर नींद संबंधी समस्या हो

सकती है, लेकिन जो लोग कम सोते हैं, वे इसका अधिक उत्पादन करते हैं, जिससे वे बहुत कम आराम में भी सतर्क और ऊर्जावान रहते हैं। आरेक्सिन का निर्माण मस्तिष्क के हाइपोथैलेमस में होता है, और यह सतर्कता, एकाग्रता तथा नियमित नींद चक्र को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों ने चूहों पर इस पर प्रयोग किया। जब शोधकर्ताओं ने चूहों में आरेक्सिन इंजेक्ट किया, तो पाया गया कि इससे वे चूहे कम सोने लगे, लेकिन उनकी फुर्ती या सतर्कता में कोई बदलाव नहीं आया। उनमें कोई थकावट या दूसरी दिक्कत नजर नहीं आई, जो आमतौर पर नींद की कमी के कारण होती है। जब भी वैज्ञानिकों ने आरेक्सिन को चूहों में इंजेक्ट किया, परिणाम यही मिला: उनके नींद के चक्र छोटे हो गए, और इसका कोई गलत असर उन पर नहीं दिखा। सलाहकार न्यूरोलाजिस्ट और नींद विशेषज्ञ प्रोफेसर गाय लेस्चज़िनर के अनुसार, अब तक जो जानकारी है, उससे पता चलता है कि प्राकृतिक रूप से कम नींद आना पूरी तरह से आनुवंशिक है, इसमें कोई गड़बड़ वाली बात नहीं। ऐसे लोग अपनी कम नींद से होने वाली मुश्किलों के कारण शायद ही कभी डाक्टर के पास जाते हैं, क्योंकि उन्हें कम नींद से कोई विकार होता ही नहीं। जिन लोगों में यह होता है, उन्हें अक्सर एहसास नहीं होता कि वे असामान्य हैं, बल्कि कई बार तो पूरा परिवार कई पीढ़ियों से ऐसा कर रहा होता है, जिसके लिए यह सामान्य सी बात होती है। यह सत्य है कि ऐसे लोग दुनिया में दुर्लभ हैं, अनुमानित रूप से एक से चार लाख लोग ही ऐसे हैं जो चार घंटे में दुरुस्त रहते हैं। लेकिन विज्ञान अब उनके बारे में तेजी से समझ रहा है और इस जानकारी का उपयोग नींद संबंधी विकारों से ग्रस्त सामान्य लोगों के लिए नई दवाएं विकसित करने में कर रहा है। साइंस हालांकि यह भी कहती है कि ऐसे दुर्लभ लोगों में डीईसी2, एडीआरबी1, एनपीएसआर1 या एसआईके× (एसआईके×) में जीन म्यूटेशन होते हैं। ये म्यूटेशन नींद-जागृति चक्र को प्रभावित करते हैं, जिससे शरीर सोते समय यादा कुशलता से काम करता है और जागने वाले न्यूरान्स यादा सक्रिय रहते हैं।

पाकिस्तान भारत से दोस्ती कर व्यापार करें बहाल, होर्मुज का टेंशन होगा खत्म: तौकीर

दोनों देश ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइपलाइन और तापी परियोजना पर मिलकर करें काम

इस्लामाबाद

होर्मुज स्ट्रेट संकट ने दक्षिण एशियाई देशों पर गंभीर असर डाला है और भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश समेत कई देश प्रभावित हुए हैं। ऐसे में पाकिस्तान के एक्सपर्ट ने चीन-भारत संघर्ष के बावजूद कारोबार जारी रखने का हवाला देकर पाकिस्तान सरकार से अपील की है कि वह अपने पड़ोसी देश से व्यापार बहाल करे। बता दें अली तौकीर शेख जो एक क्लाइमेट चेंज और डेवलपमेंट एक्सपर्ट हैं उन्होंने शहबाज सरकार को सलाह दी है कि होर्मुज संकट से साबित हो गया है कि भारत से दोस्ती करने में ही भलाई है। उन्होंने

लिखा-पाकिस्तान पहले से ही भारत से व्यापार नहीं करने की कीमत चुका रहा है और होर्मुज संकट ने स्थिति को खराब कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तौकीर शेख ने लिखा-पाकिस्तान के तेल आयात का 81 फीसदी हिस्सा होर्मुज से होकर गुजरता है। भारत अपने 40 फीसदी तेल और 80 फीसदी गैस के लिए खाड़ी देशों पर निर्भर है। ऐसे में दो पाइपलाइन प्रोजेक्ट हैं जिनपर अगर भारत और पाकिस्तान एक साथ आ जाए तो दोनों देश अपनी ऊर्जा समस्या का समधान कर सकते हैं।

पहला-ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइपलाइन और दूसरा-तापी परियोजना। तौकीर ने शहबाज शरीफ की सरकार को ईरान-पाकिस्तान-भारत गैस पाइपलाइन पर बड़ी सलाह दी है। उन्होंने दलील दी है कि ईरान-पाकिस्तान पाइपलाइन का ईरान वाला हिस्सा पहले ही बन चुका है। पाकिस्तान को अपने 780 किलोमीटर लंबे हिस्से में से सिर्फ 80 किलोमीटर का काम पूरा करना है लेकिन अमेरिका की वजह से वह ऐसा नहीं कर पा रहा है और ईरान ने उसपर 18 अरब डालर का जुर्माना ठोक दिया है। अगर अमेरिका के प्रतिबंध हट जाते हैं तो इस पाइपलाइन को पूरा करने से पाकिस्तान के उद्योगों को ऊर्जा मिलेगी, बिजली की लागत कम होगी और आर्थिक गतिविधियां पैदा होंगी। ईरान का साउथ पार्स गैस क्षेत्र दुनिया का सबसे बड़ा गैस क्षेत्र है और यह फारस की खाड़ी, कैस्पियन सागर और मध्य एशिया के मिलन बिंदु पर स्थित है। अगर ईरान-पाकिस्तान-भारत पाइपलाइन पूरी हो जाती है तो यह मध्य-पूर्व के सबसे बड़े गैस भंडारों को दक्षिण एशिया के सबसे बड़े ऊर्जा बाजारों से जोड़ देगी। इससे पाकिस्तान को ट्रांजिट शुल्क के रूप में कमाई होगी। भारत की खाड़ी देशों पर निर्भरता कम होगी और ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था में फिर से शामिल होने का मौका मिलेगा। तापी परियोजना एक महत्वाकांक्षी प्राकृतिक गैस पाइपलाइन परियोजना है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज भगवती की उपासना करके दिन का आरंभ करें दिन अच्छा रहेगा ऑफिस में आपको सहकर्मियों का सहयोग मिल सकता है. आपके काम समय पर पूरे होंगे. आपके सकारात्मक विचार किसी व्यक्ति को प्रभावित कर सकते हैं. आपकी मदद दूसरों के लिये फायदेमंद हो सकती है. अपने कठिन विषयों को समझने के लिये किसी की मदद ले सकते हैं. घर के किसी काम में जीवनसाथी की मदद भी ले सकते हैं. रिश्ते बेहतर रहेंगे. छात्रों के लिए समय फेरबदल करने वाला हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज फिजूलखर्ची से बचें पुराना निवेश आकस्मिक लाभ देगा. इसके परिणामवश आप अपने व्यवसाय सम्बंधित समस्याओं को हल करने में पहल और अधिक रुचि ले सकते हैं. साझेदारी से आपके लिए कुछ बेहतरीन प्रोत्साहन मिल सकते हैं, जो आपकी वित्तीय स्थिति को काफी मजबूत कर सकते हैं. बच्चे जो भी कार्य करेंगे, चाहे पढ़ाई हो अथवा कोई भी अतिरिक्त गतिविधि वे हर जगह प्रशंसा अर्जित कर पाएंगे. परिवार के सदस्य का स्वास्थ्य आपको परेशान कर सकता हैं

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप का व्यक्तित्व लोगों के लिए प्रेरणादायक रहेगा व्यापारी वर्ग और नौकरी वालों के लिए आज का दिन लाभदायी रहेगा. दिनचर्या में थोड़ा सा बदलाव भी आपको करना होगा. इससे आपकी समस्याएं सुलझ सकती हैं. कोई रचनात्मक काम भी आपके दिमाग आएगा या आपको दिया जा सकता है. उच्च अधिकारियों की मधुर सम्बन्ध रखे पदोन्नति होगी

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज भविष्य के लिए परिवार के साथ अहम समझौता करेंगे . आपको अपने करियर का कोई बड़ा फैसला लेना पड़ सकता है. ध्यान रहे जो भी करें, सोच-समझ कर करें. अगर आप नौकरी कर रहे हैं, तो अचानक से आपको किसी काम के लिये बाहर भेजा जा सकता है. काम की वजह से आप परिवार को पूरा समय नहीं दे पायेंगे, लेकिन परिवार का साथ बना रहेगा. आपको अपना काम समय पर पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए. किसी नये बिजनेस की शुरुआत के लिये पैसा उधार लेना पड़ सकता है.कन्या को मिष्ठान का सेवन कराए कार्य सिद्धि होगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप आप को पुण्य कर्म करना चाहिए जिसके लिए आपकी सामाजिक लोकप्रियता बढ़ेगी. आपका पारिवारिक-जीवन आनंदित रहेगा और आप मानसिक रूप से शांत रहेंगे. आप दूसरों के लिए मददगार होंगे और लोग इसके लिए आपका बहुत सम्मान करेंगे. आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और आपको सहकर्मियों से पूर्ण सहयोग और समर्थन प्राप्त होगा. आप नया कारखाना चालू कर सकते हैं आर्थिक लाभ होगा ।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज भविष्य के लिए आप निवेश की योजना बनाएंगे आपकी आर्थिक योजना को बल मिलेगा. पारिवारिक प्रतिष्ठा व मान-सम्मान में वृद्धि होगी. अचानक मिली कोई अच्छी ख़बर आपका उत्साह बढ़ा देगी. परिवार के लोगों के साथ इसे बांटना आपको उल्लास से भर देगा. एक-दूसरे का नजरिया समझकर व्यक्तिगत समस्याएँ सुलझाएँ. काम का दबाव रहेगा. लेकिन जीवनसाथी की सहयोग से आप हर तनाव से दूर होंगे. अपने व्यवहार मे खुलापन रखें रिश्तों मे टकराव से बचेंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

सबसे पहले परिवार की जरुरतों को पूरा करना चाहिए जिससे घर का वातावरण खुशनुमा बना रहेगा. छोटे बच्चों को कोई बड़ा सरप्राइज भी मिल सकता है. कुछ लोग आपके किसी काम में मदद के लिये आगे आ सकते हैं. पैसों को लेकर आपकी चिंता दूर हो सकती है. आप किसी काम को नये सिरे से शुरू करने के बारे में विचार कर सकते हैं. सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान रखने की जरूरत है. जरूरत से ज्यादा खाना आपको परेशानी में डाल सकता है. बच्चों को शाम के समय मंदिर लेकर जाए अच्छे संस्कार आंएगे।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कोई पुरानी सरकारी लेनदेन की फाईल वापस बाहर निकल सकती हैं आप मुश्किल मे आ सकते हैं वरिष्ठ नागरिकों को किसी भी प्रकार की भावनात्मक भागीदारी और लंबी यात्रा से बचना चाहिए. परिवार के सदस्यों के मध्य अशांति आप के लिए चिंता का विषय हो सकती है. सरकार या उच्च अधिकारियों से अच्छे समर्थन की उम्मीद न करें. शरीर के जोडों मे तकलीफ बनेगी ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप को दिया हुआ टारगेट जल्दी ही पूरा करेंगे आज आपको चिंतामुक्त होकर अपने क़रीबी दोस्तों और परिवार के बीच ख़ुशी के लम्हे तलाशने की जरूरत है. जीवनसाथी के साथ उलझे किसी मामले को प्यार से सुलझा लिए जाने की संभावना है. उच्च अधिकारी आपसे प्रसन्न रहेंगे. किसी प्रिय व्यक्ति से मिलने का सुख मिलेगा. आज बच्चों को सावधानी से रखें मौसमी बीमारियां परेशान कर सकती हैं. सर्दी जुकाम जैसी समस्याए बनेगी

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आप शिक्षा के क्षेत्र से जुडे हुए हैं तो प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय से आप को आफर आ सकता हैं किसी जरूरी चीज को खरीदने में आपके पैसे खर्च हो सकते हैं. इस राशि के जो लेखक हैं, आपको किसी संस्था के द्वारा सम्मानित भी किया जा सकता है. माता-पिता का आशीर्वाद आपको मंजिल तक पहुंचाने में मदद कर सकता है. आपको किसी काम में पड़ोसियां का भी सहयोग मिल सकता है. बच्चे आपसे अपनी कोई बात शेयर कर सकते हैं. आपको उनकी बात ध्यान से सुननी चाहिए. लक्ष्मी जी का कनेर के पुष्प से पूजन करें आध्यात्मिक लाभ होगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी मित्र का सहयोग मिल सकता हैं आप को सफलता पानी हो तो व्यावसायिक मोर्चे पर कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है. वरिष्ठों को खुश करना मुश्किल हो सकता है. इस अवधि के दौरान कड़ी मेहनत और विनम्र सफलता की कुंजी है. कयासों के लिए समय ठीक नहीं है. आपको पारिवारिक जीवन मे अशांति का सामना करना पड सकता है. आप को संयमित रहने की जरूरत हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज सामाजिक सेवा से आप को . यश और कीर्ति भी मिलेगी परिवार का वातावरण आनंदपूर्ण रहेगा. व्यर्थ की भागदौड़ से पारिवार में अशांति छा सकती है. किसी सौदे का सामना करने जा रहे लोग अपने डर पर काबू करने में सफल होंगे. मित्रों का काम में सहयोग मिलेगा. पीठ मे तकलीफ बन सकती हैं सेहत का ख्याल रखें. अधिक महनत करने से बचना चाहिए।

आज का पंचांग

दिनांक : 27 अप्रैल 2026 , सोमवार
विक्रम संवत : 2083
मास : वैशाख , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी सायं 06:18 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी रात्रि 09:19 तक
योग : ध्रुव रात्रि 09:34 तक
करण : वणिज प्रातः 06:10 तक
चन्द्रराशि : सिंह रात्रि 03:36 तक
सूर्योदय : 05:52,सूर्यास्त 06:35 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:00, सूर्यास्त 06:34 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:52, सूर्यास्त 06:27 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:44, सूर्यास्त 06:25 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मोहिनी एकादशी व्रत , भरणी में रवि रात्रि 12:32 से , भद्रा प्रातः 06:10 से सायं 06:19 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

ईरान युद्ध में चीन और अमेरिका खूब छाप रहे पैसे, क्या छीन लेंगे मिडिल ईस्ट देशों की ताकत?

वाशिंगटन, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। शेल क्रांति के बाद अमेरिका को शुद्ध ऊर्जा निर्यातक और दुनिया का सबसे बड़ा तेल और गैस उत्पादक बने पांच साल से कुछ अधिक समय हो चुका है। अब व्हाइट हाउस मिडिल ईस्ट के दशकों पुराने प्रभुत्व को समाप्त कर वैश्विक तेल बाजार में अपनी हिस्सेदारी को और मजबूत करने के लिए तैयार है। ईरान युद्ध शुरू होने से पहले की तुलना में अमेरिकी जलक्षेत्र में आने वाले जहाजों की संख्या हर महीने लगभग छह गुना ज्यादा हो गई है। वहीं अमेरिकी कच्चे तेल की आपूर्ति एक तिहाई बढ़कर रिकार्ड 5.2 मिलियन बैरल प्रतिदिन हो गई है।

यूरोप को अमेरिका से जेट ईंधन का साप्ताहिक निर्यात दोगुना होकर सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया है। इससे ये साबित होता है कि यह युद्ध वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था को नया रूप दे रहा है। मिडिल ईस्ट से आपूर्ति पर निर्भरता दुनिया को डराने लगी है और हरित ऊर्जा की ओर एक कदम को गति दे रहा है, जिससे नई ऊर्जा महाशक्तियों का उदय हो रहा है। दुनिया का पश्चिम की ओर मुड़ना वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के संभावित बदलाव और मिडिल ईस्ट के भविष्य के ऊर्जा प्रभुत्व के लिए सबसे बड़े खतरे का संकेत है।

दशकों तक, सऊदी अरब के विशाल तेल भंडार ने इसे दुनिया का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आपूर्तिकर्ता और पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) का वास्तविक नेता बना रखा था। कुछ ही हफ्तों के ईरान युद्ध ने सऊदी अरब के कच्चे तेल उत्पादन का एक तिहाई हिस्सा खत्म कर दिया है। परामर्श फर्म रायस्टैड एनर्जी के विश्लेषकों के अनुसार, क्षेत्र के बंद पड़े तेल और गैस क्षेत्रों और ड्रोन हमलों से क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे को फिर से शुरू करने में 34 अरब डॉलर (25 अरब पाउंड) से 58 अरब डॉलर तक का खर्च आने की उम्मीद है। उत्पादन को उसके पूर्व स्तर पर बहाल करने की प्रक्रिया में वर्षों लग सकते हैं, यदि यह संभव हो भी पाता है। एक गैर-लाभकारी संगठन पैसिफिक काउंसिल ऑफ इंटरनेशनल पॉलिसी के प्रमुख डंकन वुड ने कहा, मिडिल ईस्ट में हम जो देख रहे हैं वह केवल तेल और गैस आपूर्ति में व्यवधान नहीं है। कोई भी समझदार सरकार जोखिम को कम करने, स्वायत्तता बढ़ाने और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने के तरीके खोज रही है।

रायस्टैड एनर्जी की वरिष्ठ शोधकर्ता राधिका बंसल ने कहा, मिडिल ईस्ट संघर्ष ने तेल की कीमतों में उछाल से कहीं अधिक प्रभाव डाला है। दक्षिण अमेरिका अब विश्व के लिए अतिरिक्त आपूर्ति का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत बनकर उभरा है... ठीक उसी समय जब दुनिया वैकल्पिक स्रोतों की तलाश कर रही है। ईरान युद्ध से पहले भी, रायस्टैड के विश्लेषकों ने ब्राजील, गुयाना और सूरीनाम के अपतटीय क्षेत्रों से तेल उत्पादन, साथ ही अर्जेंटीना के न्यूक्वेन बेसिन में स्थित वैक मुर्टा शेल संरचना को विश्व के जीवाश्म ईंधन उत्पादन में वृद्धि के प्रमुख स्रोत बताया था। अनुमान था कि ये देश मिलकर दशक के अंत तक लगभग 2.5 मिलियन बैरल प्रतिदिन का अतिरिक्त उत्पादन करेंगे, जो वैश्विक स्तर पर अनुमानित 5.6 मिलियन बैरल की वृद्धि का हिस्सा होगा। लेकिन रायस्टैड का कहना है कि अगर तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी रहती हैं, तो 2030 के दशक के मध्य तक दक्षिण अमेरिका में अतिरिक्त 2.1 मिलियन बैरल प्रतिदिन का कच्चा तेल उत्पादन संभव हो सकता है।

अनुमान के अनुसार, वेनेजुएला 2035 तक अपने उत्पादन में 1 मिलियन बैरल प्रतिदिन की वृद्धि करने की राह पर है, लेकिन अगर एक्सॉनमोबिल, शेवरॉन और शेल जैसी बड़ी पश्चिमी तेल कंपनियां ट्रंप की देश के विशाल तेल भंडारों के दोहन की अपील को मान लेती हैं, तो यह वृद्धि वकाफी अधिक हो सकती है। अमेरिकी निवेश बैंक गोल्डमैन सैक्स ने भविष्यवाणी की है कि यह वृद्धि प्रतिदिन 2 मिलियन बैरल तक हो सकती है। लैटिन अमेरिकी अर्थव्यवस्था में हो रही वृद्धि से अमेरिकी रिफाइनरियों को पहले से ही आर्थिक लाभ मिल रहा है। यूरोप को भेजे जाने वाले लाभदायक अमेरिकी जेट ईंधन के शिपमेंट में आई तीव्र वृद्धि वेनेजुएला से आयातित तेल के कारण हुई है, जिसके पास दुनिया का सबसे बड़ा कच्चे तेल का भंडार है। दशकों की उपेक्षा के बाद, वेनेजुएला का तेल निर्यात निकोलस मादुरो के शासनकाल में 860,000 बैरल प्रतिदिन से बढ़कर जनवरी में उनकी सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए अमेरिकी सैन्य कार्रवाई के बाद से चार महीने से भी कम समय में 1.1 मिलियन बैरल से थोड़ा अधिक हो गया है।

हालांकि, अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य के उम्मीद से पहले खुलने से अमेरिका के तेल उत्पादन में आई तेजी पर असर पड़ सकता है।

आईडीओसी पेद्दापल्ली में वासावी माता जयंती धूमधाम से मनाई गई: प्रकाश

पेद्दापल्ली, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कलेक्टरेट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर प्रकाश ने कहा कि आईडीओसी पेद्दापल्ली में वासावी माता जयंती समारोह बड़ी धूमधाम से मनाया गया। रविवार को यूथ और टूरिज्म डिपार्टमेंट की देखरेख में आईडीओसी पेद्दापल्ली में वासावी माता जयंती समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर कलेक्टरेट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर प्रकाश ने वासावी माता की तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कलेक्टरेट एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर प्रकाश ने कहा कि वासावी माता की शिक्षाएं समाज में समानता, सेवा की भावना और भाईचारे को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी लोगों से इंसानी मूल्यों का पालन करने और समाज के समग्र विकास में योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार महान व्यक्तित्वों को स्मरण करने और उनकी प्रेरणा से समाज को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से जयंती समारोहों का आधिकारिक आयोजन कर रही है। ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक ऊर्जा और जागरूकता का संचार करते हैं।

इस कार्यक्रम में यूथ और टूरिज्म डिपार्टमेंट के अधिकारियों के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी, स्टाफ सदस्य और कम्युनिटी के प्रतिनिधियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने वासावी माता के आदर्शों को अपनाने का संकल्प लिया।

सरकारी स्कूलों का लक्ष्य – कॉर्पोरेट स्कूलों के बराबर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा : राठौड़ रविंदर

आसिफाबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिले के बालिका आश्रम स्कूल कॉम्प्लेक्स, फरिदी के अंतर्गत कई गाँवों में रविवार को 'बड़ी बाटा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम तेलंगाना राज्य सरकार की 'प्रजा पालना 99 दिन' पहल का हिस्सा है। इस दौरान घर-घर जाकर बच्चों के अभिभावकों को समझाया गया कि वे अपने बच्चों का स्कूल में प्रवेश कराएं। कार्यक्रम में स्कूल कॉम्प्लेक्स रिसोर्स पर्सन राठौड़ रविंदर ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकारी स्कूलों में अब अंग्रेज़ी माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जा रही है। छात्रों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, दो जोड़ी यूनिफॉर्म, मध्याह्न भोजन (सन्नबिय्यं) तथा विभिन्न सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों के साथ शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए सरकार हर संभव कदम उठा रही है। राठौड़ रविंदर ने आगे कहा कि गिरिजन आश्रम स्कूलों में भी अंग्रेज़ी माध्यम से शिक्षा दी जा रही है, जिससे आदिवासी छात्रों का भविष्य उज्ज्वल होगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन स्कूलों से निकलने वाले विद्यार्थी समाज में बेहतर स्थान बनाएँगे और देश के विकास में योगदान देंगे।

कार्यक्रम में मोवाड एससीआरपी कुदेत अनंत, स्कूल प्रधानाध्यापक कुमरम माधवराव, शिक्षक आत्रम तिरुपति, मार्सुकोला रंजीत, वड्डिवागु, ग्राम पटेल एवं पूर्व एमपीटीसी उयिक शंकर, कोटनाक सागर, कैलाश पाडिबंड, यपालपल्ली, चंदुगुड़, पाडिबंड सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, छात्र और अभिभावक उपस्थित रहे।

आसिफाबाद में आध्यात्मिकता का नया आयाम:

106 फीट ऊँची आदियोगी परम शिव प्रतिमा का अनावरण

आसिफाबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिला केंद्र के बड़े वागु उत्तरी नदी तट पर 106 फीट ऊँची आदियोगी ध्यान परम शिव की प्रतिमा का अनावरण एक ऐतिहासिक क्षण साबित हुआ। नगर के रावुल परिवार के नेतृत्व में सम्पन्न इस आयोजन ने न केवल धार्मिक श्रद्धा को प्रकट किया, बल्कि क्षेत्रीय संस्कृति और आध्यात्मिक धरोहर को भी नई पहचान दी। हैदराबाद से आए संस्कृत-आंध्र पंडित एवं अष्टावधानी मुथ्यम पलक कंकर कर्म के मार्गदर्शन में, आर्चक चंदाबाद शीधर और बालेश्वर की देखरेख में रावुल परिवार द्वारा प्रतिमा का अनावरण किया गया। सुबह मंदिर से बाजेश्वर मंदिर तक निकली परम शिव की चित्र यात्रा ने नगरवासियों को भक्ति और उत्साह से भर दिया। नदी से लाए गए पवित्र जल से वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा और अभिषेक सम्पन्न हुए। इसके पश्चात आयोजित अन्नदान कार्यक्रम ने आयोजन को और अधिक पवित्र बना दिया। पंडित गौरी शंकर शर्मा ने कहा कि उत्तरी वाहिनी तट पर स्थापित परम शिव की प्रतिमा से मंदिर का वातावरण और अधिक आध्यात्मिक हो गया है। यह प्रतिमा क्षेत्रीय संस्कृति और पुरातात्विक धरोहर का सशक्त प्रतीक बनेगी। रावुल परिवार के एक सदस्य ने इसे नगर को एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

कार्यक्रम में नगर के भक्तों के साथ-साथ आर्यवैश्य समाज के प्रमुख, रावुल परिवार के सदस्य और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। यह आयोजन केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज में एकता, संस्कृति और आध्यात्मिकता को सुदृढ़ करने का प्रयास भी है।

स्व-गणना से जनगणना होगी तेज़: डेविड

आसिफाबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) डेविड ने कहा कि जन-गणना-2027 के अंतर्गत स्वीय गणना प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रविवार को जिला मुख्यालय स्थित समेकित कलेक्टरेट भवन में आयोजित बैठक में उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

उन्होंने बताया कि जनगणना दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में 11 मई से 9 जून तक घरों की गणना की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनगणना का मुख्य कार्य संपन्न होगा। डिजिटल तकनीक के माध्यम से सटीक और स्पष्ट सूची तैयार की जाएगी। इसके लिए एन्यूमरेटर और सुपरवाइजरों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

डेविड ने कहा कि स्वीय गणना कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, सरकारी कर्मचारियों, प्रमुख व्यक्तियों, गणना अधिकारियों, युवाओं और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाएगा। 26 अप्रैल से 10 मई तक स्वीय गणना पोर्टल उपलब्ध रहेगा और जिला स्तर पर अधिकारी प्रतिदिन इसके आँकड़े अपडेट करेंगे।

उन्होंने निर्देश दिया कि सभी मंडलों, ग्राम पंचायतों और नगरपालिकाओं में स्वीय गणना के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए।

जिला अधिकारी एवं नगर आयुक्त इस कार्यक्रम को प्रभावी रूप से लागू करें। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाएँ एवं विकास कार्यक्रम जनसंख्या के आधार पर ही संचालित होते हैं, इसलिए सटीक जानकारी देना आवश्यक है।

वेबसाइट पर स्वीय गणना कर सकती है। जब अधिकारी घर पर आएँगे, तब लोग अपना स्वीय गणना आईडी प्रस्तुत कर सकते हैं।

उन्होंने आमजन से अपील की कि जन-गणना के दौरान सही और वास्तविक जानकारी प्रदान करें।

इस बैठक में मुख्य योजना अधिकारी कार्यालय के कर्मचारी, मास्टर ट्रेनर, फील्ड ट्रेनर तथा तकनीकी सहायक उपस्थित रहे।

जिले में श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई गई श्री वासवी माता जयंती

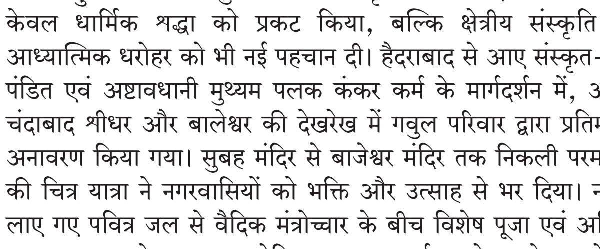

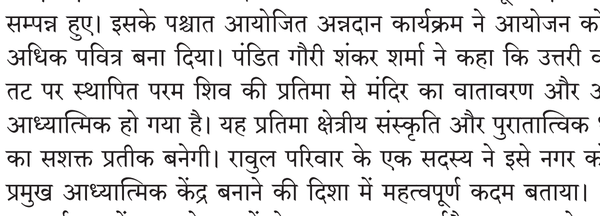

मंचेरियाल, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। 26 अप्रैल 2026 को जिले में श्री वासवी माता जयंती उत्सव बड़े ही श्रद्धा और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर कुमार दीपक अपनी पत्नी के साथ जिला मुख्यालय स्थित विश्वनाथ मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और विशेष पूजा-अर्चना की।

कलेक्टर कुमार दीपक ने इस मौके पर कहा कि आर्यवैश्य समाज की कुलदेवी श्री वासवी माता की जयंती को सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सुबह कुमकुम पूजा, शाम को शोभायात्रा और पवळिम्पु सेवा जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अधिक संख्या में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की।

मंदिर पहुंचने पर कलेक्टर दंपति का देवदाय विभाग के अधिकारियों, मंदिर के पुजारियों और आर्यवैश्य समाज के प्रमुखों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में भक्ति और उत्साह का माहौल देखने को मिला।

इसके अलावा नस्पूर स्थित समेकित जिला कार्यालय परिसर के सभागार में भी जयंती समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों और आर्यवैश्य समाज के प्रमुखों ने भाग लिया तथा श्री वासवी माता के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में संबंधित अधिकारी, आर्यवैश्य समाज के गणमान्य व्यक्ति एवं वासवी क्लब के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने एकजुट होकर माता के आदर्शों को अपनाने और समाज में सेवा व सद्भाव को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

अग्रिम जमानत के लिए फिर एससी पहुंचे पवन खेड़ा

नई दिल्ली, 27 अप्रैल (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा की पत्नी रिनिकी भूयान शर्मा को लेकर लगाए गए आरोपों के मामले में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने गुवाहाटी हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की केस स्थिति के अनुसार, यह मामला अभी किसी पीठ को आवंटित नहीं किया गया है। ऐसे में आने वाले दिनों में इस पर सुनवाई की तारीख तय होने की संभावना है।

दरअसल, 24 अप्रैल को गुवाहाटी हाईकोर्ट के जज पार्थिव ज्योति सैकिया ने पवन खेड़ा की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया था। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें सलाह दी थी कि वह इस मामले में गुवाहाटी हाईकोर्ट का रुख करें। यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब पवन खेड़ा ने आरोप लगाया था कि असम के मुख्यमंत्री की पत्नी के पास कई पासपोर्ट हैं और विदेशों में ऐसी संपत्तियां हैं जिनकी जानकारी सार्वजनिक नहीं की गई। इन आरोपों के बाद मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भूयान शर्मा ने पवन खेड़ा और अन्य लोगों के खिलाफ गुवाहाटी क्राइम ब्रांच पुलिस स्टेशन में आपराधिक मामला दर्ज कराया। यह मामला भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किया गया है।

तेलंगाना हाईकोर्ट की अग्रिम जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि पवन खेड़ा के बयान से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है और यह झूठे व भ्रामक दावे हैं। इससे पहले तेलंगाना हाईकोर्ट ने पवन खेड़ा को सात दिनों की ट्रांजिट अग्रिम जमानत दी थी, ताकि वह कानूनी प्रक्रिया के तहत राहत के लिए आगे बढ़ सकें। लेकिन असम पुलिस ने इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश जारी करते हुए ट्रांजिट अग्रिम जमानत पर रोक लगा दी थी और पवन खेड़ा को गुवाहाटी हाईकोर्ट जाने को कहा था। उसी निर्देश के तहत उन्होंने हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी, जिसे खारिज कर दिया गया।

अब पवन खेड़ा ने फिर से सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। यह मामला राजनीतिक और कानूनी दोनों स्तरों पर चर्चा का विषय बन गया है, क्योंकि इसमें एक बड़े राजनीतिक नेता और मुख्यमंत्री के परिवार से जुड़े गंभीर आरोप शामिल हैं। आने वाले दिनों में सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई इस मामले की दिशा तय करेगी।

सलाह

इस कारण से रात में रोता है आपका बच्चा

बच्चे अकसर रोते हैं, हर उम्र में बच्चों का रोना आम बात है। छोटे बच्चों के रोने का कारण हैं कि वे अपनी बात को सही तरह से कह नहीं पाते, जिससे अपनी बात को कहने के लिए रोने का सहारा लेते हैं। बच्चों के रोने का कम्यूनिकेशन से गहरा तल्लुक है। वैसे बच्चे के रोने के और भी कई कारण हो सकते हैं जिसे आपको समझना चाहिए। लेकिन सवाल ये उठता है कि बच्चे रात में क्यों रोते हैं। अचानक बच्चे नींद में उठकर रोना क्यों शुरू कर देते हैं। आपके साथ भी कभी ऐसा अनुभव हुआ होगा आपका बच्चा अचानक नींद से जागकर रोना शुरू कर देता है। आपको बच्चों के सोने के पैटर्न को समझना चाहिए। इतना ही नहीं जैसे-जैसे बच्चे बड़े होते जाएं आपको उन कारणों को भी जानना चाहिए कि आपके बच्चे के साथ ऐसा क्यों होता है। इतना ही नहीं बच्चे के स्वास्थ्य संबंधी सवालों के जवाब आपको पता होने चाहिए। ज्यादातर बच्चों के साथ ऐसा होता है कि वे नींद से जागकर रोने लगते हैं। ऐसा कई बच्चों के साथ बहुत ज्यादा होता है तो कईयों के साथ बहुत कम। आइए जानें बच्चे रात को क्यों रोते हैं।

बच्चे नींद में क्यों रोते हैं

- जब बच्चा इस दुनिया में जन्म लेता है तो वह अपने अनुभवों से दुनिया को महसूस करने लगता है। नया सीखने की प्रक्रिया में बच्चा चीजों को महसूस करने लगता है जिससे कई बार बच्चे को असहज भी महसूस होता है, नतीजन, बच्चा शुरूआती महीनों में अकसर नींद में असहज महसूस करता है। कई बार नवजात शिशुओं में छिकनें की समस्या होती है तो कई बच्चों के नींद में जगने की।
- कई बार बच्चे के रोने का कारण शारीरिक परेशानियां होती है। इतना ही नहीं कई बार बच्चे के आसपास का तापमान बहुत गर्म या फिर बहुत ठंडा होता है जिससे बच्चे की नींद में खलल पड़ने लगता है और बच्चा नींद से जगकर रोने लगता है।
- कई बार बच्चे के सोने की जगह ठीक नहीं होती यानी बच्चा सोते हुए सहज नहीं होता तो भी बच्चा नींद से जगकर रोने लगता है।
- थोड़े बड़े बच्चे बहुत लंबे समय तक नहीं सो पाते जिससे बच्चों को जल्दी ही भूख भी लग जाती है इसीलिए आधी रात को बच्चों को भूख लग सकती है और बच्चे भूख के कारण रोने लगते हैं। हालांकि कई बार मां के दूध पीने के बाद बच्चा फिर से आराम से सो जाता है, ऐसा स्थिति में ये भी हो सकता है कि बच्चा तुरंत दोबारा ना सोएं।
- कई बार बच्चा बिस्तर गीला कर देता है तो भी बच्चा रोने लगता है तो कई बार ऐसी स्थिति आ जाती है कि बच्चे को नींद में ही पेशाब आता है जिससे वह असहज हो जाता है और नींद में ही जोर-जोर से रोने लगता है। हालांकि ऐसी स्थिति में आप बच्चे के लिए डाइपर का इस्तेमाल कर सकते हैं।
- बहुत लंबे समय तक या नींद में बच्चे को गीला डाइपर परेशान कर सकता है जिससे बच्चा नींद से उठकर रोने लगता है।
- कई बार बच्चे असुरक्षित या फिर अकेला महसूस करते हैं जिससे अपने आसपास मां को ना पाकर अचानक नींद में रोने लगते हैं।
- कई बार बच्चे को डरावने सपने दिखाई देते हैं जिससे बच्चा अचानक डर जाता है और एकदम नींद से उठकर रोने लगता है।
- इसी तरह के और भी कई कारण है जिससे बच्चा नींद में उठकर अचानक रोने लगता है।

ये छोटे-छोटे टिप्स आपके शरीर से पसीने की बदबू को कर देंगे छूमंतर

गर्मियां आने वाली हैं और हर कोई इस दौरान पसीने की बदबू से परेशान रहता हैं। सिर्फ इतना ही नही कभी-कभी इस पसीने की वजह से हमें कई बार महफिल या ऑफिस में काफी शर्मिंदा भी होना पड़ता हैं। जिस वजह से हम कई तरह के परफ्यूम या डियोड्रेंट का सहारा लेते है लेकिन ये भी ज्यादा समय तक साथ नही देते.ऐसे में ये छोटे-छोटे टिप्स आपके शरीर से पसीने की बदबू को छूमंतर कर देंगे नारियल के तेल में लौरिक एसिड होता हैं जो कि बैक्टिरिया को मारने में बेहद मददगार होता हैं तो वहीं इसके इस्तेमाल से आपकी शरीर से बदबू नहीं आएगी।

दस घरेलू उपाय जो लीवर डिजीज से बचायें

लीवर शुगर, फैट और आयरन के चयापचय में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। साथ ही यह पित्तरस उत्पन्न करके शरीर में चर्बी को घटाता है। लीवर प्रोटीन तथा रक्त के थक्कों के उत्पादन में भी मदद करता है। इसलिए लीवर का स्वस्थ होना बहुत जरूरी होता है।

लीवर के लिए घरेलू उपाय

मानव पाचन तंत्र में लीवर एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। विभिन्न अंगों के कार्यों जिसमें भोजन चयापचय, ऊर्जा भंडारण, विषाक्त पदार्थों को बाहर निकलना, डिटॉक्सीफिकेशन, प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन और रसायनों का उत्पादन शामिल हैं। लेकिन कई चीजें जैसे वायरस, दवाएं, आनुवांशिक रोग और शराब लिवर को नुकसान पहुंचाने लगती है। लेकिन यहां दिये उपायों को अपनाकर आप अपने लीवर को मजबूत और बीमारियों से दूर रख सकते हैं।

हल्दी

हल्दी लीवर के स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए अत्यंत उपयोगी होती है। इसमें एंटीसेप्टिक गुण मौजूद होते है और एंटीऑक्सीडेंट के रूप में कार्य करती है। हल्दी की रोगनिरोधन क्षमता हैपेटाइटिस बी व सी का कारण बनने वाले वायरस को बढ़ने से रोकती है। इसलिए हल्दी को अपने खाने में शामिल करें या रात को सोने से पहले एक गिलास दूध में थोड़ी सी हल्दी मिलाकर पिएं।

पपीता

पपीता लीवर की बीमारियों के लिए सबसे सुरक्षित प्राकृतिक उपचार में से एक है, विशेष रूप से लीवर सिरोसिस के लिए। हर रोज दो चम्मच पपीता के रस में आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर पिएं। इस बीमारी से पूरी तरह निजात पाने के लिए इस मिश्रण का सेवन तीन से चार सप्ताहों के लिए करें।

आंवला

आंवला विटामिन सी के सबसे संपन्न स्रोतों में से एक है और इसका सेवन लीवर की कार्यशीलता को बनाये रखने में मदद करता है। अध्ययनों ने साबित किया है कि आंवला में लीवर को सुरक्षित रखने वाले सभी तत्व मौजूद हैं। लीवर के स्वास्थ्य के लिए आपको दिन में 4-5 कच्चे आंवले खाने चाहिए।

मुलेठी

लीवर की बीमारियों के इलाज के लिए मुलेठी का इस्तेमाल कई आयुर्वेदिक औषधियों में किया जाता है। इसके इस्तेमाल के लिए मुलेठी की जड़ का पाउडर बनाकर इसे उबलते पानी में डालें। फिर ठंडा होने पर छान लें। इस चाय रुपी पानी को दिन में एक या दो बार पिएं।

पालक और गाजर का रस

पालक और गाजर का रस का मिश्रण लीवर सिरोसिस के लिए काफी लाभदायक घरेलू उपाय है। पालक का रस और गाजर के रस को बराबर भाग में मिलाकर पिएं। लीवर की मरम्मत के लिए इस प्राकृतिक रस को रोजाना कम से कम एक बार जरूर पिएं।

सेब का सिरका

सेब का सिरका, लीवर में मौजूद विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है। भोजन से पहले सेब के सिरके को पीने से शरीर की चर्बी घटती है। सेब के सिरके को आप कई तरीके से इस्तेमाल कर सकते हैं- एक गिलास पानी में एक चम्मच सेब का सिरका मिलाएं, या इस मिश्रण में एक चम्मच शहद मिलाएं। इस मिश्रिण को दिन में दो से तीन बार लें।

सिंहपर्णी जड़ की चाय

सिंहपर्णी जड़ की चाय लीवर के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने वाले उपचारों में से एक है। अधिक लाभ पाने के लिए इस चाय को दिन में दो बार पिएं। आप चाहें तो जड़ को पानी में उबाल कर, पानी को छान कर पी सकते हैं। सिंहपर्णी की जड़ का पाउडर बड़ी आसानी से मिल जाएगा।

अलसी के बीज

फीटकोंस्टीटूएंट्स की उपस्थिति के कारण, अलसी के बीज हार्मोन को ब्लड में घूमने से रोकता है और लीवर के तनाव को कम करता है। टोस्ट पर, सलाद में या अनाज के साथ अलसी के बीज को पीसकर इस्तेमाल करने से लिवर के रोगों को दूर रखने में मदद करता है।

सलाह

दांतों को शेप में लाये ब्रेसेस के विकल्प

टेढ़े-मेढ़े दांतों को सीधा करने के लिए या इनके बीच के खाली जगहों को भरने के लिए अगर आप ब्रेसेस पसंद नहीं करते हैं तो कई दूसरे विकल्प भी मौजूद हैं।

ब्रेसेस के विकल्प

बुरा दिखना किसी को पसंद नहीं होता और अच्छे दिखने के लिए हर कोई बहुत से एफर्ट्स लगाता है। अच्छे दिखने में सबसे ज्यादा भूमिका निभाते हैं हमारे दांत, क्योंकि जब हम मुस्कुराते हैं तब पॉजिटिविटी दिखती है। लेकिन जिसके दांत अच्छे न हो तो वह मुस्कुराने में हिचकेगा। ऐसे में उनको सुंदर बनाने किए कई लोग ब्रेसेस का उपयोग करते हैं। लेकिन मैटल के ब्रेसेस का उपयोग करने से कई लोग घबराते हैं। ऐसे में वो लोग ब्रेसेस के अलावा अन्य उपाय भी अपना सकते हैं। इसके दूसरे विकल्पों के बारे में यहां जानें।

रिटेनर्स: इसे किसी भी वक्त दांतों में लगाया जा सकता है और दांतों से निकाला जा सकता है। ये दांतों को सही पोजिशन में लाने के लिए उपयोग में लाया जाता है। एसिक्स रिटेनर्स पूरी तरह से ट्रांसपैरेंट होता है जो दांतों के ऊपर लगाया जाता है। लेकिन इसका इस्तेमाल तभी संतोषदायक है जब दांत ज्यादा टेढ़े-मेढ़ न हो। ये ज्यादा महंगे नहीं होते और इन्हें पहनना बहुत आसान होता है।

हेडगियर या कैप: अगर आपके दांत ज्यादा खराब हैं और दिखने में बिल्कुल भी अच्छे नहीं लगते तब हेडगियर या कैप का उपयोग किया जाता है। इसका इस्तेमाल दांतों को सही शेप में लाने के लिए किया जाता है। इस क्रिया में ऊपर वाले दातों और मसूड़ों पर प्रेशर दिया जाता है। इसकी सबसे अच्छी बात है कि इसे दिन में कुछ घंटों के लिए ही पहना जाता है। अधिकतर लोग इसे रात में सोते वक्त पहनते हैं। लेकिन एक बात का हमेशा ध्यान रखें की इसे खेलते समय, खाते समय और ब्रश करते समय जरूर उतार दें।

क्लीयर अलाइनर: इनविज़अलाइन जो क्लीयर अलाइनर्स के तौर पर अधिक उपयोग में लाया जाता है। यह ब्रेसेस के विकल्प के तौर पर इस्तेमाल किया जाने वाला सबसे लोकप्रिय विकल्प है। इससे किसी भी प्रकार के दांतों को सही किया जा सकता है। इस क्रिया में डेंटिस्ट दांतों के अनुसार एक क्लीयर अलाइनर ट्रे सिरीज़ देते हैं जिसे दांतों के ऊपर लगाया जाता है। प्रत्येक अलाइनर को दिन में बीस घंटे दो हफ्ते तक के लिए पहनना जरूरी है। दो हफ्ते के बाद दूसरी ट्रे उपोयग में लाई जाती है। यह क्रिया सिरीज़ के खत्म होने तक अपनाई जाती है।

विनियर: विनियर पोर्सिलिन की पानी जैसी पतली परत होती है, जो दांतो के ऊपर लगा दी जाती है। दांत का नाप लेकर लैब में पोर्सिलिन या सिरेमिक की परत तैयार की जाती है। इसको दांतों में फिट करने से पहले दांतों के ऊपर से एनामल की एक परत हटा दी जाती है। दांतों के बीच की खाली जगह को भरने के लिए उपयोग में लाया जाता है और ये पांच साल तक कारगर होते हैं। पांच साल के बाद आपको इसे दोबारा लेने की जरूरत होगी।

बॉन्डिंग: अगर दांत पीछे हैं तो उन्हें आगे लाने के लिए, अगर दांत बाहर निकले हैं तो उन्हें पीछे ले जाने के लिए या टूटे-फूटे दांतो को शेप में लाने के लिए दांतों की बॉन्डिंग का इस्तेमाल भी किया जाता है। अगर कोई दांत पीछे है तो उसकी बॉन्डिंग कर एक लाइन में लाया जाता है। टूटे-फूटे दांतों को शेप में लाने के लिए दांत के रंग की कंपोजिट फीलिंग को दांत के ऊपर लगाया जाता है। यह सब विकल्पों में सबसे आसान और सस्ता विकल्प है।

किचन की बदबू को इस तरह करें दूर

रसोई की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना पड़ता है। अगर किचन ही साफ नहीं होगी तो घर के सदस्यों की सेहत पर भी इसका बुरा असर पड़ेगा। खाना बनाने के बाद रसोई में कुछ चीजों की महक रह जाती है,जिससे कुछ देर बाद बदबू आनी शुरू हो जाती है। इस बदबू से जी भी मचलाने लगता है। इस तरह की गंध को दूर भगाने के लिए आप कुछ घरेलू नुस्खों की भी मदद ले सकते हैं।

1. संतरे के छिलके का इस्तेमाल : सब्जी बनाने के बाद अगर रसोई से गंध आ रही है तो एक बाउल में 1 कप पानी डालकर इसमें संतरे के छिलके,1 इलायची और थोड़ी सी दालचीनी डालकर उबाल दें। इसके बाद इस पानी को 2 मिनट के लिए उबाल लें। इससे बदबू दूर हो जाएगी।
2. शूगर सोप : रसोई में सी फूड बनाने के बाद इसकी बदबू हाथों और किचन से जल्दी नहीं जाती। सी फूड बनाने के बाद किचन में शूगर सोप रख दें और हाथ भी इसी से धोएं।
3. सिरका : सिरका घर में हर तरह की बदबू को दूर करता है। रोजाना पानी में थोडा सा सिरका मिलाकर इससे पोछा लगाने से बदबू दूर भाग जाती है।
4. बेकिंग सोड़ा : जलने की दुर्गंध आने लगे तो इसके लिए बेकिंग सोड़े का इस्तेमाल कर सकते हैं। खाना बनाने वाली जगह पर थोड़ा-सा बेकिंग सोड़ा छिड़क दें।
5. नींबू पानी : फ्रिज की बदबू को दूर करने के लिए नींबू पानी से भरा कटोरा रख दें। इसे किचन में रखने से भी बदबू भाग जाती है।

परिवार को जोड़ती है डाइनिंग टेबल, साथ बैठ कर तो देखें

परिवार चाहे संयुक्त हो या एकल, परिवार के सभी सदस्यों का डाइनिंग टेबल पर मिल बैठ कर भोजन करने का अलग ही आनंद होता है। डाइनिंग टेबल आज पारिवारिक जीवन में आवश्यक व उपयोगी वस्तु बन गई है। आज के भागदौड़ भरे जीवन में सुख-दुख, प्यार-मुहब्बत या फिर शिकवे-शिकायत करने का स्थल डाइनिंग टेबल ही रह गई है।

सहभोज से परिजनों के बीच खुल कर बातें होने व हल्का-फुल्का हंसी-मजाक करने से मन हलका होता है। आपसी विश्वास बढ़ता है। एक दूसरे से सलाह-मशविरा करने से उलझनें व समस्याएं दूर होती हैं। इतना ही नहीं तनाव, मनमुटाव और अंसतोष की स्थिति भी उत्पन्न नहीं होती।

डाइनिंग टेबल पारिवारिक जीवन को जोड़ने का माध्यम है। अलग-अलग बैठकर खाने से संबंधों में दूरी पैदा होती है। इससे परिवार बंटता है जबकि साथ खाने से एक दूसरे की रूचि का पता चलता है। भोजन के बाद सबको खाने की संतुष्टि प्राप्त होती है उस सुखानुभूति का प्रभाव पाचन क्रिया पर पड़ता है जिससे भोजन सुपाच्य बन जाता है।

डाइनिंग टेबल व्यवस्थित व सुविधाजनक स्थान पर होनी चाहिए। रसोई के पास हो तो ज्यादा ठीक होगा इससे ऊर्जा, शक्ति व ताजगी बनी रहेगी। सजावट ऐसी होनी चाहिए कि खाने वालों की भूख को और बढ़ा दे। अगर परोसने वाले बरतन कलात्मक, चमकदार और करीने से सजाए गए हों, फूलदान पास रखा हो तो फिर कहना ही क्या। इससे मन-मस्तिष्क को कितना सुकून मिलेगा इसका अनुमान लगाया जा सकता है। सहभोज का परिवार के सदस्यों पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव पड़ता है। एक दूसरे की अच्छाइयां, कमजोरियां बातों ही बातों में उजागर हो जाती हैं तथा मन की पीड़ा व्यक्त करने से निराशा, कुंठा, अवसाद, एकाकीपन जैसी मानसिक समस्याओं की गुंजाइश पैदा नहीं हो पाती है क्योंकि मनमस्तिष्क से खुलेपन में बातचीत होती है। दूरियों को नजदीकियों में बदलने से वैचारिक स्वतंत्रता का एहसास होता है। डाइनिंग टेबल को मात्र काठ, प्लास्टिक, लोहे, बेंत का मूकाकार नहीं मानना चाहिए। इसमें तो पारिवारिक जीवन की धड़कन बसी होती है। परस्पर विश्वास, स्नेह, ममता, सहयोग, समानता आदि के मोती डाइनिंग टेबल पर जड़े होते हैं।

वर्कआउट से पहले और बाद में कैसा हो आपका डाइट प्लान!

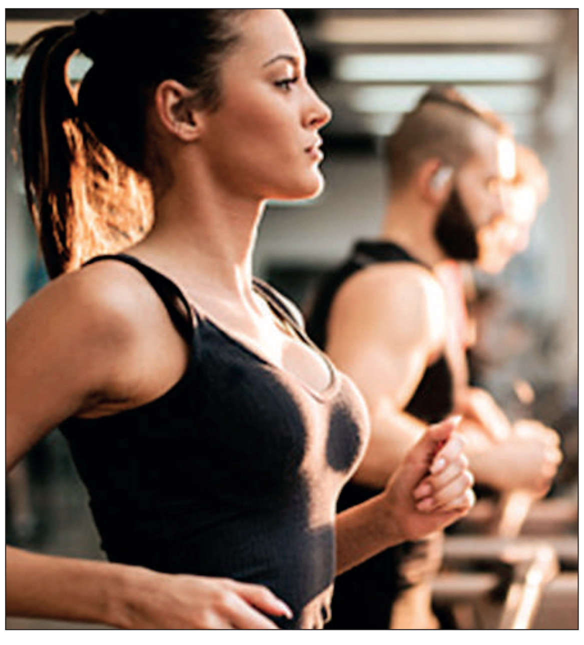

फिट रहने के लिए वर्कआउट के साथ-साथ अच्छी डाइट का होना बहुत जरूरी है। इसमें थोड़ी सी लापरवाही आपकी फिटनेस को और खराब कर सकती है, यहां तक कि आपको कई तरह की शारीरिक समस्या और कमजोरी का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि डाइट के पीछे कई तथ्यात्मक राज छिपे होते हैं। जो वर्कआउट करने वालों को फिट बनाते हैं। तो अगर आप भी जिम या किसी तरह का वर्कआउट करते हैं तो आज ही आप अपना डाइट प्लान तैयार कीजिए। इस लेख के माध्यम से हम आपको बताएंगे कि वर्कआउट से पहले और बाद में कैसा डाइट प्लान होना चाहिए।

वर्कआउट में क्यों जरूरी है डाइट

दरअसल, वर्कआउट से पहले और बाद की डाइट आपके दूसरे खानों की जगह ले लेता है, क्योंकि इसे खाने का एक विशेष कारण है। यह आपके वर्कआउट को प्रभावित करते हैं। वर्कआउट से पहले का खाना हमें यह भरोसा दिलाता है कि हमारे अंदर व्यायाम करने की पूरी एनर्जी है। साथ ही, परफॉर्मेंस बढ़ाने में भी मदद करता है। वहीं वर्कआउट के बाद का खाना सेहत के अनुकूल काम करता है। इन दोनों ही मील को सही तरीके से लिया जाए, तो स्वस्थ रहने का आधा खेल आप जीत जाएंगें। ' रोज ली जाने कैलोरी में ही काउंट होती है।

वर्कआउट से पहले

अगर आपके पास वर्कआउट से पहले एक घंटा और 30 मिनट हैं, तो आप कुछ प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और थोड़ा-सा फैट ले सकते हैं। सुबह के समय वर्कआउट कर रहे हैं, तो स्मूथी और कुछ हल्का ट्राई करें। आज सुबह में मैंने वर्कआउट से पहले एक कप दूध, थोड़े से बादाम, एक केला और एक सेब लिया। अगर मैं वर्कआउट से पहले सुस्ती महसूस कर रही हूं, तो इसमें एसप्रेसो मेरी मदद कर सकती है। जो कि रक्त में से वसा कोशिकाओं को निकालने में मदद करता है और ज़ोरदार वर्कआउट की क्षमता को बढ़ाता है। इसलिए वर्कआउट से पहले लेने के लिए बेस्ट है।

वर्कआउट के बाद

वर्कआउट के बाद प्रोटीन शेक ले सकते हैं। वर्कआउट के बाद खाने में बस पेय पदार्थ ही शामिल करते हैं। इनका लाभ यह होता है यह आसानी से पच जाते हैं। कि शेक को छोड़कर आप घर जाकर ही खा सकते हैं। कुछ लोग ऐसे में उच्च ग्लाइसमिक खाद्य पदार्थों को शामिल करते हैं, चिकन और चावल, भुनी फिश, आलू और हरी सब्जियां खाना पसंद करते हैं।

रेसिपी

भरवां बैगन

सामग्री

बैगन - 250 ग्राम, नमक - स्वादानुसार (3/4 छोटी चम्मच), हल्दी पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, लाल मिर्च पाउडर- एक चौथाई छोटी चम्मच, गरम मसाला पाउडर - एक चौथाई छोटी चम्मच, धनियां पाउडर - 1 1/2 छोटी चम्मच, सौंफ पाउडर-2 छोटे चम्मच, अमचूर पाउडर - आधा छोटा चम्मच, हरी मिच- 2 (बारीक कतरी हुई), अदरक-1 इंच लम्बा टुकड़ा (कद्दूकस किया हुआ), तेल-2 बड़े चम्मच, हींग -एक पिंच, जीरा एक चौथाई छोटी चम्मच, आल- 2 , हरा धनियां - एक बड़ा चम्मच

विधि

आलू छील कर पानी में डाल कर रख लीजिये. बैगन को अच्छी तरह पानी से धो लीजिये। एक प्लेट में नमक, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, गरम मसाला पाउडर, धनिया पाउडर, सौंफ पाउडर, अमचूर पाउडर, हरी मिर्च और अदरक सभी को अच्छी तरह मिला लीजिये. बैगन में मसाला भरने के लिये तैयार है। बैगन के डंठल निकाल कर, डंठल की ओर से 2 कट इस तरह लगाइये कि निचला भाग जुड़ा रहे. मसाला चम्मच की सहायता से कटे हुये बैगन में भर लीजिये। कढाई में तेल डालकर गरम कीजिये. गरम तेल में हींग और जीरा डाल दीजिये. जीरा भुनने के बाद, बैगन एक एक करके तेल में लगा दीजिये. ढककर धीमी गैस पर 8-10 मिनिट पकने दीजिये। अगर आप बैगन में आलू डाल रहे हैं, तो आलू को काट लीजिये. जीरा भुनने के बाद आलू और थोड़ा सा नमक (स्वादानुसार) कढ़ाई में डालिये. 3-4 मिनिट तक आलूओं को चमचे से चला कर भूनिये. चमचे की सहायता से आलू को किनारे से लगा दें और मसाले भरे बैगन बैगन एक एक करके बीच में लगा दीजिये। सब्जी को ढककर धीमी गैस पर 8-10 मिनिट तक पकने दीजिये. सब्जी को खोलें और चिमटे की सहायता से बैगन को पलट दीजिये। सब्जी को ढकिये और फिर से 5-6 मिनिट तक पकने दीजिये. अब सब्जी को खोलिये और देखिये कि यदि बीच में रखे बैगन सिक गये हैं, तो उन्हें किनारे से कर दीजिये, और किनारे रखे हुये बैगन कढ़ाई के बीच में लगा दीजिये। सब्जी को प्याले में निकाल लीजिये. हरा धनियां डाल कर सजाइये. भरवां बैगन, परांठे, चपाती या चावल किसी के साथ परोसिये और खाइये।

गुजराती चटपटी भाकरवड़ी

सामग्री

मैदा 1 कप, बेसन 1/4 कप
सूखा नारियल 1/4 कप
तिल 1/4 कप, लाल मिर्च पाऊडर 3 चम्मच
नमक स्वादनुसार, तेल

विधि

सबसे पहले मैदा में नमक और 1 चम्मच तेल डालकर गर्म पानी से आटा गूंथ लें और इसे तीन घंटे के लिए ढंक कर रख दें। अब एक अन्य कटोरे में सूखा नारियल, लाल मिर्च पाऊडर, तिल और नमक डाल लें। इन सारे मिश्रण को अच्छी तरह आपस में मिल ा लें। गूंथे हुए आटे की बड़ी और मोटी आकार में रोटी बेल लें। अब रोटी के ऊपर पहले से बनाया गया बेसन का मिश्रण डाल दें। रोटी को गोल करके रोल कर लें। रोटी को लपेट कर 10 मिनट के लिए साइड में रख दें। अब रोटी को तेल में डिप फ्राई कर लें। तलने के बाद इसे अपने मनपंसद आकार में काट लें। आपके गुजराती भाकरवड़ी तैयार है।

डायपर बदलते समय बरतें सावधानी

नवजात डायपर को जल्दी-जल्दी गीला करते हैं इसलिए इसको बार-बार बदलने की जरूरत पड़ती है। लेकिन छोटे बच्चों की त्वचा इतनी कोमल होती है कि उस पर किसी भी चीज से जल्द इंफेक्शन हो जाता है इसलिए डायपर बदलते समय बहुत सावधानी की जरूरत होती है। अगर छोटे बच्चे की त्वचा की देखभाल अच्छे ढंग से नहीं करेंगे तो उसकी त्वचा पर इंफेक्शन भी हो सकता हैं। नवजात के डायपर बदलते समय ध्यान इन बातों का ध्यान रखें।

- नवजात का डायपर बदलने के लिए सभी जरूरी चींजें और सामान अपने पास रख लीजिए जिससे आपको नवजात को छोड़कर बीच-बीच में कहीं जाना न पड़े।
- नवजात का डायपर बदलने के लिए सबसे पहले नवजात को प्लेन स्थान पर लिटाए। लेकिन ध्यान रखें कि जगह साफ हो।
- सफेद और हल्के कलर का डाइपर ही प्रयोग कीजिए, क्योंकि ज्यादा रंगीन डायपर नवजात के लिए नुकसानदायक हो सकता है।

- डायपर पहनाते समय इसे पास ही रखें लेकिन बच्चे की पहुंच से दूर हो।
- उसके बाद नवजात के दोनों पैर ऊपर करें और एक हाथ से उसके गंदे डायपर को बाहर निकालें।
- नवजात की सफाई करते वक्त यह ध्यान रखें कि उसका सिर आगे से पीछे की तरफ हो।
- गंदा डायपर निकालने के बाद नवजात को कम से कम 10 मिनट तक वैसे ही रहने दीजिए, जिससे उसका शरीर पूरी तरह से सूख जाए।
- नवजात को साफ कॉटन या रूई और गर्म पानी से नमी वाले भाग को अच्छी तरह से साफ करें और पानी को पूरी तरह से सूखने दीजिए।
- डायपर बदलते समय बच्चे का ध्यान दूसरी बातों में लगाने की कोशिश करें।
- डायपर बदलते समय हमेशा अपना एक हाथ नवजात के पेट पर रखें।
- जब आप बच्चे का डायपर बदल रहे हो तो उसे खेलने के लिए खिलौने दें।
- डाइपर को शरीर पर थोड़ा ढीला कर बांधें, ताकि उसकी त्वचा पर निशान न बनें।

इन उपायों को अपनाकर आप आसानी से बच्चे के डायपर को बदल सकते हैं।

हर दिन बस 15 सेकेंड बजाएं ताली...

किसी भी मौके पर ताली बजाना हम सब की जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन आपको यह जानकर हैरानी होगी कि ताली बजाने से शरीर के रोगों को भी दूर भगाया जा सकता है। दिन में सिर्फ 15 सेकेंड ताली बजाने व तलवों को नियमित रूप से पत्थर से रगड़ने से व्यक्ति खुद को रोगमुक्त रख सकता है।

ऐसे दूर होती हैं बीमारियां

व्यक्ति की हथेलियों व तलवों में शरीर के सभी अंगों के बिंदु होते हैं, जिन्हें दबाकर कई तरह के रोगों को दूर किया जा सकता है। जब हम ताली बजाते हैं तो हमारे शरीर का तापमान बढ़ने लगता है जिससे कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है। इसके अलावा अंगूठे के नीचे का स्थान दबने से रक्त की थैलियां खून को विपरीत दिशा में संचारित करती हैं जिससे धमनियों में किसी भी प्रकार की रुकावट दूर होती है। हृदय संबंधी परेशानियों में लाभ मिलता है। इससे पूरे शरीर में कंपन होता है व वात, पित्त और कफ का संतुलन बना रहता है। इसी तरह पैर के तलवों को पत्थर से थोड़ी देर रगड़ने पर एक्यूप्रेशर पॉइंट्स में दबाव बनता है जो कई रोगों से मुक्ति दिलाता है। इस उपचार में किसी प्रकार का कोई खर्च भी नहीं होता।

ऐसे बजाएं ताली

सीधे हाथ की पहली अंगुली यानी तर्जनी को दूसरे हाथ की हथेली पर चार बार जोर-जोर से चोट करें। उसके बाद तर्जनी व मध्यम दोनों को साथ में लेकर चार बार ऐसा करें। इसी प्रकार तीन अंगुलियों को साथ में लेकर फिर चारों अंगुलियों को मिलाकर ऐसा करें, अंत में दोनों हाथों से ताली बजाएं। इस दौरान आंखों को बंद रखें।

ताली बजाने के बाद दोनों हाथ गर्म व ऊर्जावान हो जाते हैं। ऐसे में ताली बजाने के बाद गहरी सांस भरते हुए मध्यम अंगुली से आंखों को छूते हुए हाथ धीरे-धीरे नीचे की ओर ले जाएं। ऐसा करने से आंखों व चेहरे पर चमक बढ़ती है।

इसलिए 15 सेकंड जरूरी

15 सेकंड की ताली की ऊर्जा रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत कर देती है जिससे शरीर को तमाम रोगों से लड़ने में मदद मिलती है।

ध्यान रहे

ताली बजाने के भी कुछ नियम होते हैं। हमेशा आसन पर खड़े होकर या पैरों में जूते पहनकर ही ताली बजाएं। जमीन पर नंगे पैर ऐसा करने से शरीर में उत्पन्न ऊर्जा जमीन में समाकर नष्ट हो जाती है। कई बार ताली बजाने से हाथों के फटने की समस्या होने लगती है इससे बचने के लिए हाथों में सरसों, नारियल या कोई अन्य तेल लगा सकते हैं।

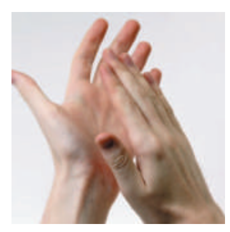

इस फल के फायदे एक से बढ़कर एक

नाशपाती से रोगों से दूर रहा जा सकता है। इसमें विटामिन्स, खनिज, एंजाइम और फाइबर खूब पाया जाता है। एंटीऑक्सीडेंट गुण खूब होते हैं। नाशपाती में मौजूद पैक्टिन नामक घुलनशील फाइबर कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करता है। आयुर्वेद के अनुसार नाशपाती पचने में हल्की, रोगी को जल्दी ऊर्जा देने वाली, प्यास बुझाने वाली और त्रिदोष नाशक है। इसमें हाइड्रोऑक्सीनॉमिक एसिड होता है जो पेट के कैंसर को रोकने में मदद करता है। फाइबर पेट के कैंसर को बढ़ने से रोकता है व बड़ी आंत को ठीक रखता है। इसमें मौजूद फोलिक एसिड (फोलेट) गर्भवती महिलाओं के शिशुओं में न्यूरल ट्यूब दोष से बचाता है।

यह आयरन का अच्छा स्रोत है, जो हीमोग्लोबिन के स्तर को बढ़ाता है। एक गिलास नाशपाती का रस पीने से बुखार में जल्द आराम मिलता है। यह झुर्रियां, मुहांसे और त्वचा संबंधी अन्य समस्याओं को रोकने में मदद करता है। नाशपाती के पत्रों को पीसकर त्वचा पर लगाने से त्वचा विकारों में लाभ होता है। नाशपाती में बोरोन तत्व होता है जो हड्डियों को मजबूत बनाता है। इसके सेवन से हार्ट स्ट्रोक का खतरा 50 फीसदी कम होता है व शरीर का ग्लूकोज ऊर्जा में बदल जाता है। इसमें विटामिन सी और तांबा पर्याप्त मात्रा में मिलता है जो शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली में सुधार करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैं। नाशपाती के नियमित सेवन से मोनोपॉज के बाद महिलाओं में होने वाले कैंसर का खतरा भी कम हो जाता है। मधुमेह रोगियों के लिए यह स्मार्ट नाश्ता है। इससे मीठा खाने की तलब में आराम मिलता है और पोषक तत्व भी मिल जाते हैं।

ध्यान रखें: नाशपाती को अच्छी तरह धो कर छिलके समेत चबा-चबा कर खाएं। जल्दबाजी में बिना चबाए इसे खाने से पेट में दर्द हो सकता है। देर से काट कर रखी नाशपाती नहीं खानी चाहिए।

ये फायदे जानने के बाद आप भी छिदवा लेंगे कान

आप कान केवल फैशन के लिए छिदवाते रहे होंगे, लेकिन सेहत के लिए यह कितना बढ़िया है, आप नहीं जानते होंगे। कान छिदवाने से पीरियड्स प्रॉब्लम खत्म हो जाती है। प्रजनन क्षमता भी अच्छी होती है। कान छिदवाने से इन्फेक्शन, हाइड्रोसील और हर्निया की समस्या दूर होती है। कान छिदवाने से दिमाग का विकास भी होता है। हैरानी होगी आपको यह जानकर कि कान के दोनों ओर एक पॉइंट होता है जिसका संबंध दिमाग से होता है। एक्यूप्रेशर के इलाज में भी इस तकनीक का इस्तेमाल किया जाता है। इससे न केवल दिमागी विकास होता है, बल्कि याददाश्त भी बढ़ती है। कान के बीच का हिस्से का संबंध आंखों की रोशनी से भी होता है। ऐसे में आंखों की रोशनी बढ़ानी है, तो कान छिदवा लें। सुनने की क्षमता भी बढ़ती है। कान छिदवाने वाली जगह पर दो एक्यूप्रेशर पॉइंट होते हैं। पहला मास्टर सेंसोरियल और दूसरा मास्टर सेरेब्रल। ये सुनने की क्षमता सही रखते हैं। एक्यूप्रेशर एक्सपर्ट्स की मानें तो टिटनस को दूर रखने के लिए भी कान छिदवाना बिल्कुल सही रहता है। हिस्टीरिया की समस्या को भी दूर रखता है। कान छिदवाने से तनाव, डिप्रेशन भी दूर होता है। डाइजेशन सिस्टम को ठीक रखना है, तो कान छिदवा लें। वजन घटाने का भी यह एक अच्छा विकल्प है। कान पर एक्यूप्रेशर पॉइंट होने के कारण दबाव पड़ता है, जिससे डाइजेस्टिव सिस्टम सही रहता है।

बरगद के दूध में छिपे हैं बड़े गुण

वट वृक्ष (बरगद) की तासीर ठंडी होती है जो कफ, पित्त की समस्या को दूर कर रोगों का नाश करती है। बुखार, स्त्री रोग संबंधी समस्याएं, उल्टी व त्वचा के रोगों में वट वृक्ष के पत्तों, जड़ों और दूध का प्रयोग फायदेमंद होता है।

पत्ते हैं उपयोगी

वट की कोपलें चेहरे की कांति बढ़ाने का काम करती हैं। बरगद की जड़ों में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसकी ताजी जड़ों को कुचल कर चेहरे पर लगाएं। झुर्रियां कम हो जाएंगी। इसके पत्तों को तवे पर सेककर सहने योग्य स्थिति में फोड़ों के ऊपर बांधने से लाभ मिलता है। इसके पत्तों की लुग्दी बनाकर शहद और शक्कर के साथ लेने से नकसीर की समस्या में आराम मिलता है। वट के बीजों को पीसकर पीने से उल्टी आने की समस्या दूर होती है।

दूध भी गुणकारी

जिस दांत में कीड़ा लग गया हो वहां इसके दूध में भीगा फोहा रखने से लाभ होता है। लगभग 10 ग्राम बरगद की छाल, कत्था और 2 ग्राम काली मिर्च बारीक पीसकर पाउडर बना लें। यह मंजन करने पर दांतों का हिलना, सड़न, बदबू दूर हो जाती है। वट का दूध, शक्कर के साथ लेने से बवासीर में लाभ होता है। वट का दूध लगाने से सूजन कम हो जाती है। वट के दूध का लेप कमर पर करने से दर्द में लाभ होता है। फटी पड़ी एड़ियों पर बरगद का दूध लगाया जाए, तो काफी राहत मिलती है। बरगद की ताजा कोमल पत्तियों का पाउडर बनाकर खाने से मेमोरी अच्छी होती है। इसके पत्तों की राख को अलसी के तेल में मिला कर लगाने से सिर के बाल उग आते हैं। इसके कोमल पत्तों को तेल में पकाकर लगाने से सभी केश के विकार दूर होते हैं। जले हुए स्थान पर इसके कोमल पत्तों को पीसकर दही में मिलाकर लगाने से शान्ति प्राप्त होती है।

वर्कआउट के लिए सही कपड़े

आप फिट रहने के लिए क्या कुछ नहीं करते। जिम में कई घंटों तक पसीना बहाते हैं, लेकिन सही एक्सरसाइज के साथ ही वर्कआउट के लिए सही कपड़ों का चुनाव भी बहुत जरूरी है। तभी आप आराम से एक्सरसाइज कर पाएंगे और दूसरों के सामने असहजता या शर्मिंदगी से भी बच सकेंगे।

कैसी हो फिटिंग

एक्सरसाइज टाइप के मुताबिक ही आपके कपड़ों की फिटिंग होनी चाहिए। जैसे हैवी एक्सरसाइज या उपकरणों के साथ कसरत करते वक्त थोड़े ढीले और कंफर्टेबल शॉर्ट/लोवर के साथ टी-शर्ट पहन सकते हैं, लेकिन योगा या पिलाटे जैसी वर्कआउट के लिए स्ट्रेचेबल और फिट आउटफिट पहनें। इनके लिए जिम पैंट्स या योगा पैंट्स पहनें। हर मौसम में एक्सरसाइज के लिए अलग तरह के कपड़े पहनें, ताकि मौसम की मार आपकी सेहत पर न पड़े।

बॉडी के हिसाब से

अकसर लोगों को जिम में पसीने की बदबू परेशान करती है, जिससे छुटकारा पाने के लिए वे सुगंधित परफ्यूम और लोशन का इस्तेमाल करते हैं। वर्कआउट करते समय जब आपकी बॉडी में गर्मी पैदा होने लगती है और पसीना आता है तो तेज सुगंध वाले परफ्यूम का अरोमा और बढ़ जाता है। जिम में लोशन का इस्तेमाल करने से बचें। लोशन लगाने से पसीना आने पर आपके हाथ चिपचिपे हो जाते हैं, जिससे कुछ समय बाद ही जिम में वर्कआउट करने में मुश्किल होती है और यह सिर्फ आपके लिए ही नहीं बल्कि दूसरों के लिए मुश्किल पैदा कर सकता है। कहने का मतलब है कि वर्कआउट करते समय आपके हाथ जगह जगह लगते हैं जिससे आपके द्वारा पकड़ी गई हर चीज चिपचिपी हो जाती है। आपके चेहरे पर लगा लोशन पसीने के साथ बहकर आंखों में जलन पैदा कर सकता है इसलिए यदि लोशन या परफ्यूम लगाना ही चाहते हैं तो उसकी गंध तीव्र न हो।

कैसा हो रंग

नियोन रंग के कपड़े सुंदर लगते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि यह आप पर फबे। हमेशा गाढ़े रंग के कपड़ों का ही चुनाव करें। ऐसे स्पोर्ट्स शूज चुनें जो वर्कआउट करते समय पैरों के लिए सुरक्षित हों। इसके अलावा रनर्स अपने लिए स्पेशल शूज चुन सकते हैं। जूतों का सोल घिसने से पहले उसे रिजेक्ट कर दें वरना आपके ज्वाइंट डेमेज हो सकते हैं। आप जिम जाने के लिए छोटी स्लिव्स वाले टॉप पहन सकते हैं जो टाइट न हो। कंधों को कवर करने वाले कपड़े पहने, जो ज्यादा टाइट न हों। ढीले-ढाले कपड़े पहनकर आप आसानी से न केवल अपने हाथों को मोड़ सकते हैं, आपको वेट-लिफ्टिंग में भी कोई परेशानी नहीं होती।

कॉटन के कपड़े

खुद को कूल रखने के लिए कॉटन के कपड़े चुनें। एक्सपर्ट आपको उन कॉटन के कपड़ों को चुनने की सलाह देते हैं जो लाइक्रा या पॉलिएस्टर से बने होते हैं। यदि आप स्पेंडेक्स को पहनकर कम्फर्टेबल फील करते हैं तो जिम वियर के लिए स्पेंडेक्स बहुत ही बढ़िया चुनाव है। अगर आपको ज्यादा पसीना नहीं आता तो आप कॉटन के कपड़े पहन सकते हैं क्योंकि गीले होने पर वह बदन में चिपकते नहीं हैं।

रेसिपी

पुदीना पूरी

सामग्री

1/2 कप बारीक कटे हुए पुदीने के पत्ते
1 कप गेहूं का आटा
1 टेबल-स्पून तेल
1/2 टी-स्पून

विधि

पुदीने की पत्तियों को धोकर बारीक काट लें। पुदीना की पूड़ी बनाने के लिए सबसे पहले गेंहू के आटे को एक बड़े बाउल में छानकर निकाल लें और छने हुए आटे में कटी हुई पुदीना की पत्तियां, अजवाइन, जीरा, बेकिंग सोड़ा, कटी हुई हरी मिर्च और नमक डालकर थोड़े-थोड़े पानी से कड़ा पूड़ी जैसा आटा गूंध लें और अब आटे को ढ़ककर करीब 10 मिनट के लिए रख दें। इसके बाद गैस पर कड़ाही में तेल डालकर गरम करने के लिए रख दें। आटे से छोटी-छोटी लोइयां बना लें और अब प्रत्येक लोई को गोल पूड़ी के आकार में बेल लें। जब तेल अच्छी तरह से गरम हो जाए तब एक- एक पूड़ी को गरम तेल में डालकर दोनों तरफ पलट कर डीप फ्राई करके नैपकीन पेपर पर निकाल लें, इसी तरह से सभी पुदीना पूडियों को तलकर तैयार कर लें। स्वादिष्ट पुदीना की पूड़ी बनकर तैयार हो गई है। अब आप इसे आलू की सब्जी या फिर दही और आचार के साथ खा सकते हैं।

पनीर पालक मेथी

सामग्री

पालक – 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), मेथी – 250 ग्राम (बारीक कटी हुई), पनीर – 250 ग्राम, तेल – 2-3 टेबल स्पून, हींग – 1 चुटकी, जीरा – आधा छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर – चौथाई छोटा चम्मच, धनियां पाउडर – 1 छोटा चम्मच, टमाटर – 1 (बारीक कटा हुआ), लाल मिर्च पाउडर – चौथाई छोटा चम्मच, हरी मिर्च – 2 (बारीक कटी हुई), नमक – 3/4 छोटी चम्मच या स्वादानुसार चीनी – आधा छोटा चम्मच (यदि आप चाहें)

विधि

पनीर को 1-1 इंच के चौकोर टुकड़ों में काट लीजिए। पैन में 2 टेबल स्पून तेल डालकर गरम कीजिए। तेल गरम होने पर पनीर के टुकड़े इसमें डाल दीजिए और दोनों और से हल्के ब्राउन होने तक सेक लीजिए। सिके हुए पनीर के टुकड़ों को प्लेट मे निकाल लीजिए। पैन में तेल बचा है, 1 टेबल स्पून तेल और डाल दीजिए, गरम तेल में जीरा डाल दीजिए। जीरा भूनने पर इसमें हींग, बारीक कटी हुई हरी मिर्च, हल्दी पाउडर, धनियां पाउडर, बारीक कटे हुए टमाटर डाल कर, मसाले को थोड़ा सा भून लीजिए। भुने मसाले में बारीक कटी हुई मेथी, बारीक कटी हुई पालक, नमक, लाल मिर्च पाउडर और चीनी डालकर सभी चीजों को अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को मीडियम आग पर ढ़ककर के 5 मिनट के लिए पकने दीजिए और उसके बाद चैक कीजिए। सब्जी पक चुकी है, इसमें पनीर के टुकड़े डालकर अच्छे से मिक्स कर लीजिए। सब्जी को एक बार फिर ढ़ककर के 2-3 मिनट के लिए धीमी आग पर पकने दीजिए। पनीर मेथी पालक सब्जी बनकर तैयार है, इसे प्याले में निकाल लीजिए। सब्जी को आप परांठे, चपाती, नॉन या चावल किसी के भी साथ भी खा सकते हैं।

इस आश्रम में आते हैं सबसे ज्यादा अमेरिकी

पिछले दिनों अमेरिका में पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात के दौरान फेसबुक के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने भारत में एक मंदिर का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि वे एप्पल के फाउंडर स्टीव जॉब्स की सलाह पर भारत के इस मंदिर में गए थे। जुकरबर्ग ने इस मंदिर का नाम नहीं बताया था लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह मंदिर नैनीताल के पास पंत नगर में बाबा नीम करौली के आश्रम में ही था। इसी आश्रम में 1974 में स्टीव जॉब्स आए थे। नीम करोली बाबा का कैंची धाम आश्रम नैनीताल से 20 किलोमीटर दूर नैनीताल-अलमोड़ा रोड़ पर समुद्र तल से 1400 मीटर ऊंचाई पर स्थित है। 10 सितम्बर 1973 में वृन्दावन की पावन भूमि पर नीम करौली बाबा का निधन हो गया लेकिन कैंची धाम आश्रम में अब भी विदेशी आते रहते हैं। बताया जाता है कि सबसे ज्यादा अमेरिकी ही इस आश्रम में आते हैं। आश्रम पहाड़ी इलाके में देवदार के पेड़ों के बीच है। नीम करौली बाबा के कैंची धाम आश्रम की भौगेलिक स्थिति पूर्णतः वास्तुनुकूल है, क्योंकि आश्रम की दक्षिण एवं पश्चिम दिशा में ऊंचे-ऊंचे पहाड़ है और जहां आश्रम बना है उसकी उत्तर एवं पूर्व दिशा में पहाड़ों के तीखे ढलान के कारण बहुत नीचाई है। पहाड़ की इस नीचाई के बाद उत्तर एवं पूर्व दिशा में ही क्षिप्रा नदी भी बह रही है। फेंगशुई का एक सिद्धांत है कि, यदि पहाड़ के मध्य में कोई भवन बना हो, जिसके पीछे पहाड़ की ऊंचाई हो, आगे की तरफ पहाड़ की ढलान हो, और ढलान के बाद पानी का झरना, कुण्ड, तालाब, नदी इत्यादि हो, ऐसा भवन प्रसिद्धि पाता है और सदियों तक बना रहता है।

संपादकीय

कमर तोड़ने का संकल्प

कमर तोड़ने का संकल्प मंगलवार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के निर्देशन में लश्कर-ए-तोयबा और हमास ने निदरेष पर्यटकों को मारकर मुल्ला जनरल आसिम मुनीर को तो खुश कर दिया किन्तु उसके एक दिन बाद ही भारत ने 5 बड़े पैसले लेकर पाकिस्तान को एहसास दिला दिया कि अब नईं दिल्ली उसके प्राति कोईं नरमी बरतने वाली नहीं है। वैबिनेट की सुरक्षा समिति यानि सीसीएस ने यह पैसला लिया कि 1960 में लागू सिधु जल संधि निरस्त होगी, अटारी वाघा बार्डर चेक पोस्ट बंद होगा, भारत में रह रहे दक्षेश वीजा पर सभी नागरिकों को भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत वायुसेना, नेवी और थल सेना के सलाहकार गैर जरूरी घोषित किए गए और उच्चायोग में पाकिस्तानी राजनयिकों की संख्या घटाईं गईं। बृहस्पतिवार यानि एक दिन बाद ही भारत की कार्रवाईं से बिलबिलाए पाकिस्तान ने कहा कि सिधु जल संधि के तहत उसके लिए निर्धारित जल को मोड़ने का कोईं कदम युद्ध की कार्रवाईं माना जाएगा। साथ ही उसने भारत द्वारा की गईं बुधवार की कार्रवाईं के जवाब में भारत के साथ व्यापार, शिमला समझौते सहित सभी द्विपक्षीय समझौतों और हवाईं क्षेत्रों को निलंबित करने की घोषणा की। मजे की बात तो यह है कि बुधवार को भारत के सीसीएस के पैसले के जवाब में पाकिस्तान के पैसले का भारत पर कोईं खास असर पड़ने वाला नहीं है। पाकिस्तान ने जिन समझौतो को निलंबित किया है उनको उसने कभी माना ही नहीं। वह इससे ज्यादा वुछ कर भी नहीं सकता था किन्तु भारत के एक सिधु जल समझौते का इतना महत्व है कि उसे तोड़ने को वह युद्ध मान रहा है। पाकिस्तान की हकीकत जान लेना बहुत जरूरी है क्योंकि उसने धमकी तो दे दी किन्तु वास्तविकता यह है कि उसकी फौज में न सिर्प मुल्ला मुनीर को लेकर जबरदस्त विरोध है बल्कि हमास आतंकियों के साथ आईंएसआईं का बारूदी खेल दुनिया को बहुत ही खराब लग रहा है। यही कारण है कि इजरायल और अमेरिकी पेंटागन के अधिकारी एक स्वर में बोल रहे हैं कि पाकिस्तान की आईंएसआईं भी हमास की तर्ज पर ही निदरेषों की जान लेती है, इसलिए इनको सबक सिखाना जरूरी है। 5 फरवरी को जब हमास और पाक आतंकी संगठन पीओके में भारत के खिलाफ आग उगल रहे थे तब दुनिया ने देखा था। पाकिस्तान कश्मीरियों के चेहरे पर पर्यटन बढ़ने और विकास के कारण खुशी को बर्दाश्त न कर पाने की वजह से बौखलाहट में ठीक उसी तरह पहलगाम में निदरेष पर्यटकों को मारा जिस तरह हमास ने 7 अक्टूबर 2023 में मौज मस्ती कर रहे निदरेष इजरायली नागरिकों को नाम पूछकर सिर में गोली मारी थी। पाकिस्तान को लगता है कि विश्व बैंक की मध्यस्थता में हुए सिधु जल समझौते को भारत नहीं तोड़ पाएगा, किन्तु वह इस बात को नहीं समझ पा रहा है कि भारत अब किसी की भी परवाह नहीं करता। किन्तु पाकिस्तान को विश्व बैंक ने बुधवार को ही एक द्विवषाय रिपोर्ट दी है कि पाकिस्तान में एक करोड़ लोक खाद्य संकट का सामना कर रहे हैं। वहां गरीबी दर में बढ़ोत्तरी और आर्थिक विकास की दर कम होकर 2.7 प्रातिशत हो गईं है। विश्व बैंक ही नहीं पाकिस्तानी चैनल ट्रिब्यून पीके के मुताबिक 62 प्रातिशत महिलाएं और 37 प्रातिशत युवा न तो पढ़ाईं कर रहे हैं और न रोजगार। यही नहीं पाकिस्तान के तीन राज्य ब्लूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वां पहले ही अलगाववाद की राह पर हैं और गुलाम कश्मीर में अशांति पैली है। पाकिस्तान के लिए इन तीनों क्षेत्रों को बचाकर रख पाना बहुत मुश्किल है। अब यदि पाकिस्तान एक पूर्व सैन्य अधिकारी आदिल राजा की बात मान लें कि तो मुल्ला मुनीर अपने कार्यंकाल को बढ़ाने के लिए भारत से तनाव बढ़ाने हेतु पहलगाम में नरसंहार करवाया है। यह तथ्य पुष्ट होता है कि पाक आमा युद्ध भले चिल्लाए किन्तु वह पिटने का रिकार्ड बना चुकी है। लब्बोलुआब यह है कि पाकिस्तान युद्ध की भाषा से चाहे जितना भारत को डरवाए किन्तु वास्तविकता तो यह है कि युद्ध से परेशानी तो सभी की होती है इस युद्ध का नुकसान भारत को भी होगा किन्तु पाकिस्तान के सामने अस्तित्व का संकट पैदा हो जाएगा।

आईंएसआईं के निर्देशन में लश्कर-ए-तोयबा और हमास ने निदरेष पर्यटकों को मारकर मुल्ला जनरल आसिम मुनीर को तो खुश कर दिया किन्तु उसके एक दिन बाद ही भारत ने 5 बड़े पैसले लेकर पाकिस्तान को एहसास दिला दिया कि अब नईं दिल्ली उसके प्राति कोईं नरमी बरतने वाली नहीं है। वैबिनेट की सुरक्षा समिति यानि सीसीएस ने यह पैसला लिया कि 1960 में लागू सिधु जल संधि निरस्त होगी, अटारी वाघा बार्डर चेक पोस्ट बंद होगा, भारत में रह रहे दक्षेश वीजा पर सभी नागरिकों को भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तान उच्चायोग में कार्यरत वायुसेना, नेवी और थल सेना के सलाहकार गैर जरूरी घोषित किए गए और उच्चायोग में पाकिस्तानी राजनयिकों की संख्या घटाईं गईं। बृहस्पतिवार यानि एक दिन बाद ही भारत की कार्रवाईं से बिलबिलाए पाकिस्तान ने कहा कि सिधु जल संधि के तहत उसके लिए निर्धारित जल को मोड़ने का कोईं कदम युद्ध की कार्रवाईं माना जाएगा। साथ ही उसने भारत द्वारा की गईं बुधवार की कार्रवाईं के जवाब में भारत के साथ व्यापार, शिमला समझौते सहित सभी द्विपक्षीय समझौतों और हवाईं क्षेत्रों को निलंबित करने की घोषणा की।

कुछ अलग

उठ जा वरना भाग जाएगा भाग्य

भारतीय घरों में अक्सर दादी-नानी सुबह जल्दी उठने, खासकर ब्रह्म मुहूर्त में जागने की सलाह देती हैं। ब्रह्म मुहूर्त में उठना सिर्फ परंपरा नहीं, बल्कि सेहत के लिहाज से भी बेहद फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद ही नहीं बल्कि विज्ञान में भी इस समय को शरीर और मन के लिए अच्छा माना जाता है। चलिए आपको बताते हैं कि ब्रह्म मुहूर्त में उठना क्यों फायदेमंद होता है... ब्रह्म मुहूर्त का समय सूर्योदय से लगभग 1.5 घंटे पहले का माना जाता है, जो आमतौर पर सुबह 4 बजे से 5:30 बजे के बीच होता है। इस समय को दिन का सबसे शुद्ध, शांत और ऊर्जा से भरपूर समय माना जाता है। पुराने समय में ऋषि-मुनि ध्यान और साधना के लिए इसी समय को चुनते थे क्योंकि इस दौरान वातावरण बेहद शांत होता है। आज के समय में भी अगर आप इस वक्त उठकर ध्यान, योग या प्रार्थना करते हैं, तो मानसिक तनाव कम होता है और दिनभर के लिए सकारात्मक ऊर्जा मिलती है। आयुर्वेद के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त के दौरान वातावरण में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक होती है, जो फेफड़ों और दिमाग के लिए लाभकारी है। सुबह की ताजी हवा शरीर को अंदर से शुद्ध करने का काम करती है। इसके अलावा, इस समय उठने से पाचन तंत्र भी बेहतर रहता है और शरीर का मेटाबॉलिज्म संतुलित होता है। भारतीय संस्कृति में ब्रह्म मुहूर्त को ईश्वर से जुड़ने का सबसे अच्छा समय माना गया है। इस समय किया गया जप, ध्यान या पूजा अधिक फलदायी मानी जाती है। माना जाता है कि इस समय सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अधिक होता है, जिससे व्यक्ति का मन और आत्मा दोनों शुद्ध होते हैं।

दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है

आज के दौर में भारत-दक्षिण कोरिया रिलेशन्स

-डॉ. प्रियंका सौरभ

एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं।

भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध आज के वैश्विक दौर में नई अहमियत प्राप्त कर रहे हैं। दोनों देश लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक विकास, तकनीकी प्रगति और क्षेत्रीय शांति के समर्थक हैं। एशिया के बदलते शक्ति संतुलन, चीन की बढ़ती आक्रामकता, आपूर्ति श्रृंखला संकट, यूक्रेन युद्ध, मध्य पूर्व तनाव और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ती प्रतिस्पर्धा ने भारत तथा दक्षिण कोरिया को एक-दूसरे के और करीब आने का अवसर दिया है। दोनों देशों के बीच वर्षों से मित्रतापूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अब समय की मांग है कि इन्हें नई ऊर्जा, नई दिशा और व्यावहारिक सहयोग के साथ आगे बढ़ाया जाए। भारत और दक्षिण कोरिया के संबंध केवल आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनके सांस्कृतिक और ऐतिहासिक आधार भी मजबूत हैं। प्राचीन समय से दोनों देशों के बीच सभ्यतागत संपर्क की चर्चा मिलती है। कोरिया में अयोध्या की राजकुमारी सुरिरत्ना, जिन्हें वहां रानी ह्यो ह्वांग-ओक के रूप में जाना जाता है, का उल्लेख दोनों देशों को सांस्कृतिक रूप से जोड़ता है। यह संबंध आज भी लोगों के बीच भावनात्मक जुड़ाव का आधार है। इसी कारण दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, पर्यटन और जनसंपर्क की संभावनाएँ बहुत अधिक हैं। राजनयिक स्तर पर भारत और दक्षिण कोरिया ने वर्ष 1973 में औपचारिक संबंध स्थापित किए थे। उसके बाद से दोनों देशों के रिश्तों में लगातार प्रगति हुई है। वर्ष 2010 में संबंधों को रणनीतिक साझेदारी का दर्जा दिया गया और बाद में इसे विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। इससे स्पष्ट होता है कि दोनों देश एक-दूसरे को दीर्घकालिक सहयोगी के रूप में देखते हैं। उच्च स्तरीय यात्राएँ, विदेश मंत्री स्तर की बैठकें, व्यापारिक संवाद और रक्षा वार्ताएँ इन संबंधों को लगातार मजबूत कर रही हैं। आर्थिक क्षेत्र में दक्षिण कोरिया भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण साझेदार है। दक्षिण कोरिया तकनीकी रूप से उन्नत, औद्योगिक रूप से मजबूत और निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था वाला देश है, जबकि भारत विशाल बाजार, युवा जनसंख्या और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में दुनिया का ध्यान आकर्षित कर रहा है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश की व्यापक संभावनाएँ मौजूद हैं। द्विपक्षीय व्यापार हाल के वर्षों में बढ़ा है और लगभग 27 अरब डॉलर तक पहुँच चुका है। हालांकि यह क्षमता की तुलना में अभी भी कम है। भारत का दक्षिण कोरिया के साथ व्यापार घाटा भी चिंता का विषय बना हुआ है। दक्षिण कोरिया की प्रमुख कंपनियाँ भारत में लंबे समय से निवेश कर रही हैं। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, मोबाइल निर्माण, स्टील, शिपबिल्डिंग और इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे क्षेत्रों में कोरियाई कंपनियों की मजबूत उपस्थिति है। भारत में विनिर्माण क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए दक्षिण कोरिया का निवेश अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है। "मेक इन इंडिया", "डिजिटल इंडिया", "स्टार्टअप इंडिया" और "ग्रीन एनर्जी" जैसे अभियानों में कोरियाई तकनीक तथा पूंजी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इसके

बावजूद कुछ चुनौतियाँ भी हैं। वर्ष 2010 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता यानी CEPA लागू किया गया था, जिसका उद्देश्य व्यापार को गति देना था। लेकिन अपेक्षित परिणाम पूरी तरह सामने नहीं आए। गैर-टैरिफ बाधाएँ, गुणवत्ता मानकों से जुड़े नियम, जटिल नियामक प्रक्रियाएँ, लॉजिस्टिक समस्याएँ और बाजार पहुँच की कठिनाइयाँ व्यापार वृद्धि में रुकावट बनती रही हैं। भारत को अपने निर्यात में विविधता लानी होगी, जबकि दक्षिण कोरिया को भारतीय उत्पादों और सेवाओं के लिए अधिक अवसर उपलब्ध कराने होंगे। आज वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़े बदलाव हो रहे हैं। कंपनियाँ केवल चीन पर निर्भरता कम करना चाहती हैं और नए उत्पादन केंद्र खोज रही हैं। यह स्थिति भारत और दक्षिण कोरिया दोनों के लिए अवसर लेकर आई है। दक्षिण कोरियाई कंपनियाँ यदि भारत में बड़े पैमाने पर उत्पादन केंद्र स्थापित करती हैं, तो उन्हें विशाल बाजार, सस्ती श्रमशक्ति और रणनीतिक स्थिति का लाभ मिलेगा। वहीं भारत को तकनीक, रोजगार और निर्यात क्षमता में वृद्धि प्राप्त होगी। इलेक्ट्रॉनिक्स, सेमीकंडक्टर, बैटरी निर्माण, ऑटोमोबाइल, रक्षा उत्पादन और जहाज निर्माण ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ सहयोग तेजी से बढ़ सकता है। रणनीतिक दृष्टि से भी दोनों देशों का सहयोग अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। भारत इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र, खुला और समावेशी व्यवस्था का समर्थन करता है। दक्षिण कोरिया भी क्षेत्रीय स्थिरता और समुद्री सुरक्षा का समर्थक है। चीन की आक्रामक नीतियाँ, समुद्री मार्गों पर दबाव और क्षेत्रीय तनाव ने कई देशों को नए साझेदार खोजने पर मजबूर किया है। भारत और दक्षिण कोरिया इस संदर्भ में स्वाभाविक सहयोगी बन सकते हैं। हालाँकि दक्षिण कोरिया की सुरक्षा प्राथमिकताएँ कुछ अलग हैं। उसका प्रमुख ध्यान उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे और अमेरिका के साथ सैन्य गठबंधन पर केंद्रित रहता है। दूसरी ओर भारत की चिंताएँ चीन, हिंद महासागर, सीमा सुरक्षा और क्षेत्रीय संतुलन से जुड़ी हैं। फिर भी दोनों देशों के हित कई क्षेत्रों में समान हैं। रक्षा उद्योग सहयोग, साइबर सुरक्षा, समुद्री निगरानी, आतंकवाद विरोधी प्रयास और नई सैन्य तकनीकों में संयुक्त कार्य किया जा सकता है। रक्षा क्षेत्र में दक्षिण कोरिया ने विश्व स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है। उसके पास आधुनिक रक्षा उत्पादन क्षमता है। भारत यदि संयुक्त उत्पादन, तकनीकी हस्तांतरण और अनुसंधान सहयोग पर जोर दे, तो दोनों देशों को लाभ हो सकता है। भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति और दक्षिण कोरिया की तकनीकी क्षमता मिलकर नई संभावनाएँ पैदा कर सकती हैं। तकनीक आज अंतरराष्ट्रीय संबंधों का सबसे महत्त्वपूर्ण आधार बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 5G, 6G, सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स, हरित ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल नवाचार भविष्य की अर्थव्यवस्था तय करेंगे। दक्षिण कोरिया इन क्षेत्रों में अग्रणी देशों में शामिल है, जबकि भारत डिजिटल प्रतिभा, सॉफ्टवेयर क्षमता और स्टार्टअप इकोसिस्टम के कारण तेजी से आगे बढ़ रहा है। यदि दोनों देश "डिजिटल ब्रिज" बनाकर साथ काम करें, तो एशिया में तकनीकी नेतृत्व का नया मॉडल सामने आ सकता है। शिक्षा और मानव संसाधन सहयोग भी संबंधों को मजबूत कर सकता है। भारतीय छात्र दक्षिण कोरिया में उच्च शिक्षा, अनुसंधान और तकनीकी प्रशिक्षण के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। वहीं कोरियाई छात्र भारत की संस्कृति, इतिहास, योग, आयुर्वेद, सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन शिक्षा से लाभ उठा सकते हैं। विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी, छात्रवृत्तियाँ और संयुक्त शोध कार्यक्रम भविष्य में मजबूत आधार बन सकते हैं। सांस्कृतिक स्तर पर दोनों देशों के बीच लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही है। भारत में कोरियाई संगीत, फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों की लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं दक्षिण कोरिया में भारतीय योग, भोजन, नृत्य और आध्यात्मिक परंपराओं के प्रति रुचि देखी जा रही है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि लोगों के बीच विश्वास और समझ को बढ़ाने का माध्यम है। पर्यटन, सांस्कृतिक उत्सव, भाषा शिक्षा और मीडिया सहयोग से यह रिश्ता और गहरा हो सकता है। भविष्य की दृष्टि से भारत और दक्षिण कोरिया को केवल औपचारिक बैठकों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। व्यापार लक्ष्य स्पष्ट हों, निवेश प्रक्रियाएँ सरल हों, नई तकनीकों पर संयुक्त मिशन बनें, रक्षा उद्योग सहयोग बढ़े और युवाओं के बीच सीधा संपर्क मजबूत किया जाए। 2030 तक व्यापार को 50 अरब डॉलर से अधिक ले जाने का लक्ष्य व्यावहारिक रूप से संभव है, यदि राजनीतिक इच्छाशक्ति और नीतिगत स्पष्टता दिखाई जाए। भारत के लिए दक्षिण कोरिया केवल एक व्यापारिक साझेदार नहीं, बल्कि तकनीकी और रणनीतिक सहयोगी है। वहीं दक्षिण कोरिया के लिए भारत एक विशाल बाजार, विश्वसनीय लोकतांत्रिक मित्र और भविष्य की आर्थिक शक्ति है। बदलती विश्व व्यवस्था में ऐसे साझेदारों का महत्व और बढ़ जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि भारत-दक्षिण कोरिया संबंध आज के दौर में नई संभावनाओं के मोड़ पर खड़े हैं। यदि दोनों देश व्यावहारिक सहयोग, पारस्परिक विश्वास और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ आगे बढ़ते हैं, तो यह साझेदारी केवल द्विपक्षीय संबंधों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि एशिया और विश्व में स्थिरता, समृद्धि और संतुलन की नई मिसाल बन सकती है।

देश दुनीया से

वैश्विक धरोहर बनती प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां

दुनिया ने मान लिया है कि ऋग्वेद के सूक्त और मंत्र सबसे प्राचीन मौखिक और भोजपत्रों पर लिखित आख्यान हैं। तथापि 'भृगुसंहिता' भी एक प्राचीन पांडुलिपि है, जिसकी मूल प्रति होशियारपुर में आज भी सुरक्षित है। महाभारत में भगवान श्रीवृष्ण के उपदेश पर आधारित श्रीमद्भगवद्गीता और भारत की ललित कलाओं का मूल ग्रन्थ मने जाने वाले भरत मुनि द्वारा रचित नाटाशास्त्र को यूनेस्को ने अपने स्मृतिकोश विश्व पंजीयन अभिलेख में शामिल किया है। यह कदम विश्व धरोहर दिवस 21 अप्रैल को उठाया गया है। यह पहल हमारे सनातन शाश्वत ज्ञान और समृद्ध विज्ञान सम्मत संस्वृति को वैश्विक मान्यता देती है। इन दोनों ग्रंथों में मानवता का संदेश देने के साथ जीवन को बेहतर बनाने के मार्ग दिखाए गए हैं। गीता दुनिया का एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जिसके सांस्वृतिक ज्ञान में विश्व कल्याण और सम्पूर्ण जीव-जगत की रक्षा की कामना की गईं है। अतएव इन प्राचीन पांडुलिपियों को न केवल सहेजने की जरूरत है, बल्कि इनमें उल्लेखित ज्ञान विज्ञान को खंगालने की भी जरूरत है। भारत में प्राचीन पांडुलिपियां कितनी हैं, इनका सुसंगत अनुमान कठिन है। अनेक पांडुलिपि संग्रह व संरक्षण संस्थान ज्ञान-विज्ञान की पांडुलिपियों में भरे पड़े हैं। वुरुक्षेत्र विष्वविदृालय के संस्वृत विभाग के निदेषक डॉ सुरेंद्रमोहन मिश्र कहते हैं कि लगभग डेढ़ करोड़ पांडुलिपियां उपलब्ध हैं। राज्यसभा सांसद राकेष सिन्हा द्वारा संसद में पूछे गए एक प्रष्न के उत्तर में कहा गया था कि ब्रिटेन के संग्रहालय में मुख्य रूप से चार लाख पांडुलिपियां आज भी सुरक्षित हैं। यद्धपि वहां से अब तक 50 हजार पांडुलिपियां मंगाईं जा चुकी हैं। इन पांडुलिपियों में खगोल गणित, ज्योतिश, प्रौदृोगिकी, चिकित्सा, रसायन, धातु विज्ञान, खेती-किसानी, अस्त्र-षस्त्र और आवागमन के साधनों से लेकर ईंधन की खोज और मानव मनोविज्ञान तक के धरातल की पड़ताल की गईं है। पांडुलिपियों में सामाजिक जीवन के विविध पहलू संरक्षित हैं। प्राचीन भारतीय पांडुलिपियां कितनी महत्वपूर्ण हैं, इस सिलसिले में एक प्रसंग यहां उद्घाटित है। संस्वृत के भोपाल के बड़े विद्वान और संस्वृत विष्वविदृालय दिल्ली के वुलपति रहे डॉ राधावल्लभ त्रिपाठी को लंदन की इंडिया हाउस लायब्रेरी में उपलब्ध सुंदरकवि द्वारा रचित 'नाटा-प्रदीप' पांडुलिपि की आवष्यकता थी। उत्त पुस्तकालय में उपलब्ध सूची की पुस्तकों में इस पांडुलिपि का नाम अंकित है। त्रिपाठी जी के मित्र पाठक जी लंदन जाते-आते रहते थे। अतएव उन्होंने पांडुलिपि के लाने का दायित्व पाठक जी को सौंप दिया। पाठक जी ने लंदन से लौट आने पर त्रिपाठी जी को नाटा प्रदीप ग्रंथ की पांडुलिपि एक गोल डिब्बी में दी। त्रिपाठी जी अचंभित हुए तब पाठक जी ने बताया कि इस डिब्बी में एक माक्षो चिप है। इसे माक्षो फिल्म रीडर के माध्यम से वंप्युटर पर खोलकर प्रिंट आउट निकल आएंगे। भोपाल में तो यह काम संभव नहीं हुआ, तब उन्होंने दिल्ली के राष्ट्रीय कला वेंद्र में जाकर प्रिंट निकलवाए। चार-पांच सौ पृष्ठ की नागरी लिपि में हस्तलिखित पांडुलिपि उनके हाथों में थी। उन्हें संदेह हुआ कि नाटा-प्रदीप तो इतने पृष्ठों की नहीं है, फिर यह क्या ? परंतु भोपाल आने पर जब उन्होंने पांडुलिपि पढ़ना आरंभ की तो उनका संदेह सच निकला। वह नाटा-प्रदीप की पांडुलिपि नहीं थी। हालांकि पांडुलिपि के प्रथम पृष्ठ पर शीर्षक व अन्य जानकारियां सूची के अनुरूप ही थीं। दरअसल वह महाकवि दंडी के 'दशवुमारचरित' के तीसरे खंड की अधूरी प्रति थी। त्रिपाठी जी ने इसे ऊंचे पेड़ पर लगा एक फल माना और अध्ययन-मनन में लग गए। अंत में त्रिपाठी जी ने पूरी पांडुलिपि पढ़ने के बाद निष्कर्ष निकाला कि यह पांडुलिपि उज्जैन के राजा विमादित्य की कथा है। कालांतर में उन्होने इस विमादित्य कथा का गदृानुवाद करते हुए उपन्यास का रूप दिया। इस उपन्यास को भारतीय ज्ञानपीठ ने छापा है। उपन्यास में खगोलीय घटनाओं और विम संवत के प्रारंभ होने के विज्ञान सम्मत, आख्यान तो हैं ही, विमादित्य के इतिहास नायक होने के तथ्य भी हैं। सच्चाईं यह है कि इस औपन्यासिक कथा में ईंसा के पहले की शताब्दी के भारत की एक व्यापक प्रस्तुति है। इस पांडुलिपि का प्राप्ती रोचक गाथा उपन्यास की भूमिका में दी है। पांडुलिपि के उपन्यास के रूप में प्रकाशन से यह स्पश्ट होता है कि पुरातन ग्रंथों में इतिहास, भूगोल, युद्ध, विज्ञान, समयमान के चित्रण तो हैं ही, भारतीय इतिहास-नायकों की गाथाएं भी हैं। यही संयुत्त वर्णन कहानियों-किस्सों के रूप में किसी राष्ट्र के विकसित श्रेष्ठतम रूप को सामने लाते हैं। पांडुलिपियों के रूप में सुरक्षित ग्रंथों के शोध और संग्रह निरंतर होते रहे हैं। 1803 में इन ग्रंथों का सूची-पत्र तैयार करने की पहली शुरुआत एशियाटिक सोसायटी ने की थी। इस सोसायटी के चौथे अध्यक्ष एचटी कोलब्रुक ने सूची-पत्र तैयार करने के लिए प्रति वर्ष 5-6 रुपए का अतिरित्त अनुदान का प्रबंध भी कराया। इसी म में गवर्नर एलफिस्टन ने जब संस्वृत ग्रंथों का अनुसंधान कराया, तब ज्ञात हुआ कि 1840 में जितने ग्रंथ भारत में पाए गए, उनकी संख्या ग्रीक और लेटिन भाषा के समस्त पामिी और कतिपय एशियाईं ग्रंथों से कहीं ज्यादा थी। इसके पूर्व 1830 में प्रेडरिक ने 350 संस्वृत ग्रंथों की सूची बनाईं थी। 1859 में बेल के शोधानुसार इन ग्रंथों की संख्या 1300 हो गईं। कालांतर में 1891 आते-आते शियोगेर अलप्रेस्ट ने जो सूची-पत्र बनाया, उसमें इन संस्वृत पांडुलिपियों की संख्या 32 हजार से ऊपर निकल गईं। तदुपरांत भारतीय विद्वान हरप्रसाद शास्त्री ने 40 हजार पांडुलिपियों और 1916 में राहुल सांवृत्यायन ने 50 हजार ग्रंथों की खोज कर सूची-पत्र बना लिया। इन सूची-पत्रों की तैयारी के बाद पांडुलिपि शास्त्र के जर्मन ज्ञाता शिलगल ने इन ग्रंथों का विषयवार वगाकरण किया। इसी वगावृत अध्ययन से ज्ञात हुआ कि ये ग्रंथ केवल एक विषय , एक धर्म या अध्यात्म मात्र पर वेंद्रित नहीं हैं, अपितु इस वगाकरण से ग्रंथों के प्रकार और उनमें अंतर्निहित दर्शन का प्रादुर्भाव हुआ, जिसे तेरह वर्गो में विभाजित किया गया। वैदिक साहित्य अर्थात चार वेद, वेदांग अर्थात शिक्षा, कल्प, निरूत्त, व्याकरण, ज्योतिष और छंद। वेदांगों से आगे पुराण, इतिहास, धर्मशास्त्र, अर्थशास्त्र और काव्यशास्त्र लिखे गए। उपनिषदों के माध्यम से अध्यात्म खगोल और नैतिकता के दर्शन की स्थापना हुईं। इसी म में जैन और बौद्ध दर्शन से लेकर, चार्वाक दर्शन तक सामने आए। इनमें प्रवृति से लेकर मानव वृत्तियों के उल्लेखों के मनोवैज्ञानिक दृष्टान्त हैं, परंतु आडंबरों पर प्रहार है। 1981 में भारत की प्राचीनतम बख्शाली पांडुलिपि को प्राचीनतम गणित की पांडुलिपि माना गया है। यह पांडुलिपि खैबर पख्तूनख्वा, पेशावर (पाकिस्तान) के एक किसान को मिली थी। भोजपत्रों पर यह संस्वृत में लिखी गईं है। इसके केवल सत्तर पृष्ठ मिले हैं, शेष नष्ट हो गए। इसे नौवीं शताब्दी का लिखा माना जाता है। परंतु जब इसकी लिखावट की ऑक्सफोर्ड विश्वविदृालय और बोडालियन पुस्तकालय के शोधकत्र्ताओं ने रेडियो कार्बन डेटिंग से परीक्षण किया तो इसे तीसरी-चौथी शताब्दी का होना पाया गया।

आप का नजरीया

जीवनशैली के रोग

निस्संदेह राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय यानी एनएसओ की वह रिपोर्ट राष्ट्रीय चिंता बढ़ाने वाली है कि देश की पचास फीसदी आबादी जीवनशैली से जुड़े रोगों से ग्रस्त-त्रस्त है। यह भी फिक्र बढ़ाने वाला है कि एक दशक पहले देश में खान-पान, जीवन व्यवहार व तनाव से उपजे रोगों का प्रतिशत जहां 31 था, वो अब पचास फीसदी तक जा पहुंचा है। वहीं एक अच्छी बात यह है कि चिकित्सा सुविधाओं के विस्तार व नये शोध अनुसंधान के चलते संक्रामक रोगों का प्रतिशत घटा है। लेकिन हमारे खानपान व जीवन व्यवहार में तेजी से आ रहे बदलावों के चलते लोग मोटापे, मधुमेह, तनाव व उच्च रक्तचाप जैसे रोगों के शिकार हो रहे हैं, जिसके चलते जानलेवा संकट भी बढ़ रहा है। हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है। यही वजह है कि देश में स्वास्थ्य बीमा कारोबार में तेजी आई है, यह तेजी ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक है। लेकिन ये बीमा कंपनियां रोग से बचाव में मदद करने के बजाय व्यक्ति के रोगों के इलाज को प्राथमिकता देती हैं। हालांकि, देश में जीवनशैली से जुड़े रोगों से बचाव के लिये जागरूकता जरूर आई है। जिसके लिये राजग सरकार को श्रेय देना होगा। प्रधानमंत्री के प्रयासों से योग का दुनिया में व्यापक प्रचार-प्रसार हुआ है। यह जागरूकता भारत में भी है। लेकिन बड़ी आबादी अब भी इससे दूर है। प्रधानमंत्री 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम व अन्य मंचों से मोटापे से बचाव और खानपान में मिलेट अपनाने पर अक्सर बल देते नजर आते हैं। लेकिन इस पर सकारात्मक प्रतिसाद अपेक्षित अनुपात में नहीं मिल पाया है। यही वजह है कि लोगों को महंगा इलाज कराने को बाध्य होना पड़ता है। विडंबना है कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसे रोगों से राहत के लिये डॉक्टर जीवनभर दवा खाने को कहते हैं। तमाम लोग निजी अस्पतालों में हृदयरोग आदि के महंगे इलाज से गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। कोरोना संकट के सबक हमें याद रखने चाहिए, जब लोगों ने जेवर, जमीन व मकान तक गिरवी रखकर अपना उपचार कराया। लेकिन यदि लोग शारीरिक सक्रियता बढ़ाएं, योग, ध्यान और व्यायाम को जीवन का हिस्सा बनाएं तो इन रोगों से बच सकते हैं। विडंबना यह है कि हमने परंपरागत भारतीय खाद्य पदार्थों की अनदेखी करके पश्चिमी व चीनी खाद्य विकल्पों को चुनना शुरू कर दिया है। जो हमारी जलवायु व शारीरिक प्रकृति के अनुरूप नहीं हैं। जंक फूड में रासायनिक पदार्थ नुकसानदायक हैं वहीं तले-भुने खाने ने मोटापे को बढ़ाया है। फिर हम शारीरिक श्रम करने से बचते हैं और आरामतलबी का जीवन जीते हैं। जिसके फलस्वरूप बढ़ा मोटापा कई रोगों का वाहक बन जाता है। देर रात तक मोबाइल व इंटरनेट पर सोशल मीडिया में सक्रिय रहने से हमारी नींद में खलल पड़ा है। नींद पूरी न होने से तनाव व अवसाद बढ़ा है। हमारा देर से भोजन करना, देर से सोना और सुबह देर से उठना भी रोगों का कारक बना है। हमने जबसे खाने में पारंपरिक पौष्टिकता के बजाय स्वाद को प्राथमिकता देनी शुरू की है, तभी से शरीर में जरूरी विटामिनों की कमी बढ़ी है। प्रदूषित खान-पान की भी इस संकट में भूमिका है।

हमें स्वीकार करना होगा कि आजादी के बाद देश में आम आदमी के जीवन स्तर में किसी न किसी तरह सकारात्मक बदलाव आया है, जिसके चलते जीवनशैली भी बदली है। लेकिन पौष्टिक व शरीर की जरूरतों के अनुकूल भोजन न करने, शारीरिक निष्क्रियता, स्क्रीन टाइम बढ़ने से नींद की कमी आदि अनेक ऐसे कारण हैं जो इन रोगों के वाहक बनते हैं। इसमें आनुवंशिक रोगों की भी भूमिका है। धीरे-धीरे शरीर को खोखला करने वाले ये रोग कालांतर जानलेवा बन जाते हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययन भी चिंता जता रहे हैं कि भारत में विभिन्न रोगों से मरने वाले ज्यादातर लोगों की मौत की वजह संक्रामक रोग के बजाय जीवनशैली से जुड़े रोग हैं। जो हमारी गभीर चिंता का विषय होना चाहिए। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि चिकित्सा विज्ञान की आशातीत प्रगति के चलते आम भारतीय की जीवन प्रत्याशा में इजाफा हुआ है, लेकिन जीवनशैली से जुड़े रोगों का बढ़ना इस कामयाबी पर पानी फेरने जैसा है।

दृष्टि कोण

'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की पहल

बदलते दौर ने दवाओं की उपलब्धता को 'जरूरत' से 'सुविधा' में बदल दिया है। सामाजिक भरोसा अब स्मार्टफोन की एक 'क्लिक' में सिमट गया है। डिजिटल इंडिया की इस सुनहरी तस्वीर में दवाएं महज आधे घंटे में आपके दरवाजे पर पहुंच रही हैं। लेकिन कानून की कसौटी पर सवाल यह है कि क्या दवाओं की होम-डिलीवरी को पिज्जा ऑर्डर करने जितना ही सरल मान लेना चाहिए? 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' की जटिल कड़ियां और 'शेड्यूल-एच' दवाओं के जोखिम संकेत देते हैं कि ई-फार्मेसी की यह डगर जितनी चिकनी दिखती है, कानूनी और चिकित्सकीय सुरक्षा के लिहाज से उतनी ही पथरीली है। ई-फार्मेसी कंपनियों का तर्क है कि वे तकनीक के जरिए दवाओं की उपलब्धता आसान बना रही हैं। वहीं, केमिस्ट का कहना है कि यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। असली संकट तब शुरू होता है जब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी वैध पर्चे के या पुराने, धुंधले पर्चों के आधार पर दवाएं बेची जाने लगती हैं। एक आम आदमी के लिए यह केवल 'सुविधा' है, लेकिन कानून की किताब में यह 'अपराध' की श्रेणी में आता है। जब आप बिना डॉक्टर की सलाह के खुद अपना डॉक्टर बनकर दवाएं मंगवाते हैं, तो आप अनजाने में एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस रहे होते हैं, जहां से निकलना मुश्किल है। भारत में औषधियों का व्यापार 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' के अधीन है। चूंकि यह कानून इंटरनेट युग से पूर्व का है, इसलिए ई-फार्मेसी फिलहाल एक 'ग्रे एरिया' में सक्रिय हैं। कानून की स्पष्ट मर्यादा है कि 'शेड्यूल एच' और 'एच-1' श्रेणी की दवाएं बिना पंजीकृत डॉक्टर के वैध पर्चे के नहीं बेची जा सकतीं; ऐसा करना सीधे तौर पर विधिक उल्लंघन है। इस विसंगति को दूर करने के लिए सरकार ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास पंजीकरण अनिवार्य होगा। इन प्रावधानों का उद्देश्य जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा को तकनीक के माध्यम से सुदृढ़ करना है। इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक 'लत' पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी प्रतिबंधित दवाओं का अवैध व्यापार आपको गंभीर कानूनी पचड़ों और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। वहीं, बिना पर्चे के एंटीबायोटिक्स का सेवन 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' को जन्म दे रहा है, जिससे भविष्य में सामान्य संक्रमणों पर भी दवाएं बेअसर हो जाएंगी। पारंपरिक स्टोर एक 'मानवीय स्पर्श' और तत्काल जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं, जहां फार्मासिस्ट पर्चे की भौतिक जांच कर उसके दुरुपयोग को रोकता है और मरीज को दवाओं के 'साइड इफेक्ट्स' के प्रति सचेत कर एक व्यक्तिगत विश्वास की कड़ी बनाता है। इसके विपरीत, ई-फार्मेसी की दुनिया एल्गोरिदम पर टिकी है, जहां 'सुविधा' के साथ 'जोखिम' भी गहरे हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता 'कोल्ड चेन मेंटेनेंस' (दवाओं के रखरखाव का तापमान) को लेकर है। यदि इंसुलिन जैसी जीवन-रक्षक दवाएं गोदाम से ग्राहक तक पहुंचने के दौरान निर्धारित तापमान पर न रखी जाएं, तो वे बेअसर होकर जानलेवा साबित हो सकती हैं। सुरक्षा की पहली शर्त यह है कि उपभोक्ता केवल उन्हीं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करें जो सरकार द्वारा पंजीकृत हों।

गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद बोला साई सुदर्शन का बल्ला, गुजरात ने सीएसके को घर में रौंदा

चेन्नई: गुजरात टाइटंस ने चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ आईपीएल 2026 के 37वें मुकाबले में आसान जीत हासिल की। चेपॉक स्टेडियम में सीएसके की बैटिंग नहीं चली। टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन बनाए। गुजरात को लक्ष्य हासिल करने में कोई दिक्कत नहीं हुई और उसने मुकाबले को 17वें ओवर में 8 विकेट से अपने नाम कर लिया। 8 मैचों में सीएसके की यह 5वीं हार है। वहीं गुजरात ने 8 मैचों में 4 जीत हासिल कर ली है।

गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर सीएसके को बैटिंग के लिए बुलाया। संजू सैमसन ने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के साथ संभली हुई शुरुआत की। दोनों खिलाड़ियों ने 3.3 ओवरों में 21 रन की साझेदारी की। संजू सैमसन 15 गेंदों में 11 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद टीम बिखरती नजर आई। मेजबान टीम ने इसी ओवर की अंतिम गेंद पर उर्विल पटेल का विकेट भी गंवा दिया, जो इस सीजन में अपना पहला मैच खेल रहे थे। अगले ओवर में मोहम्मद सिराज की गेंद पर सरफराज खान गोल्डन डक हो गए। डेवाल्ड ब्रेविस भी सिर्फ दो रन ही बना सके।

चेन्नई सुपर किंग्स ने 37 के स्कोर तक अपने 4 विकेट खो दिए थे। यहां से शिवम दुबे ने ऋतुराज गायकवाड़ के साथ पांचवें विकेट के लिए 43 गेंदों में 59 रन की साझेदारी करते हुए टीम को संभाला। दुबे 17 गेंदों में 22 रन बनाकर पवेलियन लौटे। गायकवाड़ ने कार्तिक शर्मा के साथ छठे विकेट के लिए 26 रन जोड़ते हुए टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। कार्तिक ने 9 गेंदों में 15 रन की पारी खेली। गायकवाड़ 60 गेंदों में 4 छक्कों और 6 चौकों के साथ 74 रन बनाकर नाबाद रहे। कागिसो रबाडा ने 3 विकेट निकाले, जबकि अरशद खान को 2 विकेट हाथ लगे।

गुजरात टाइटंस को शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने विस्फोटक शुरुआत दी।

पहले ही ओवर में अकील हुसैन के खिलाफ गिल ने छक्का और चौका लगा दिया। तीसरे ओवर में दोनों ने जेमी ओ-वरटन के खिलाफ 17 रन बटोरे। पावरप्ले में गुजरात का स्कोर 55 रन हो गया था। 23 गेंदों पर 33 रनों की पारी खेलकर शुभमन गिल नूर अहमद की गेंद पर स्टंप हो गए।इसके बाद साई सुदर्शन को जोस बटलर का साथ मिला। आरसीबी के खिलाफ शतक लगाने वाले सुदर्शन ने 32 गेंद पर अर्धशतक पूरा किया। 11वें ओवर में गुजरात का स्कोर 100 के पार हो गया।

न्यूज ब्रीफ

विदेशी खिलाड़ी आईपीएल को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से बड़ा मानते हैं: मैथ्यू हेडन

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग और दुनिया की

दूसरी सबसे बड़ी स्पोर्ट्स लीग माना जाता है, जिसमें हर क्रिकेटर खेलना चाहता है। कई विदेशी खिलाड़ी तो आईपीएल में खेलने के लिए अपने अंतरराष्ट्रीय करियर से संन्यास तक ले लेते हैं, क्योंकि अक्सर राष्ट्रीय बोर्ड उन्हें एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) देने में आनाकानी करते हैं। इस बीच, आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के बल्लेबाजी कोच मैथ्यू हेडन ने आईपीएल को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि विदेशी खिलाड़ी आईपीएल को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से भी ज्यादा महत्वपूर्ण समझते हैं। मैथ्यू हेडन ने एक पाडकास्ट पर बात करते हुए बताया, अलग-अलग टीमों से बात करने पर मुझे लगता है कि विदेशी खिलाड़ी, खासकर दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ी, हम (आस्ट्रेलियाई) कुछ हद तक, न्यूज़ीलैंड के खिलाड़ी, इस काम्पिटिशन को ऐसे दिखाते हैं जैसे यह इंटरनेशनल क्रिकेट से भी बड़ा हो। हेडन ने इस सोच के पीछे के कारणों को भी समझाया। उनका कहना है कि आईसीसी ने अपने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट कैलेंडर में आईपीएल के लिए एक विशेष विंडो दी हुई है, जिस दौरान बहुत कम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेली जाती है। हेडन ने बताया कि आईपीएल के बारे में बहुत अधिक प्रचार और हाइप है, और यह लगभग दो महीने तक पूरे देश पर हावी रहता है। उन्होंने कहा, आप देख सकते हैं कि वे ऐसा क्यों करते हैं क्योंकि इसके बारे में बहुत हाइप है। जब आप यहां आईपीएल में होते हैं, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप ब्राडकास्टिंग कर रहे हैं, या सिर्फ सड़कों पर एक आम व्यक्ति हैं, या हम अभी दूसरी तरफ हैं। यह पूरे आईपीएल के समय पर हावी हो जाता है। यह हर दिन सिर्फ क्रिकेट है। कभी-कभी तो दिन में दो बार भी। खुद मैथ्यू हेडन भी आईपीएल के शुरुआती सीज़न का हिस्सा रहे थे। उन्होंने 2009 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 12 मैचों में 572 रन बनाए थे, जो उनके आईपीएल करियर की बेहतरीन पारियों में से एक थी।

महाराष्ट्र के मास्टर्स का दबदबा, दूसरे दिन जीते दो स्वर्ण पदक

पुणे/इंदौर। बालेवाड़ी इंडोर स्टेडियम, पुणे में खेली जा रही 32वीं मास्टर्स नेशनल टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दिन महाराष्ट्र के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दोहरे स्वर्ण पर कब्जा जमाया। पुरुष 75+ और 70+ आयु वर्ग में महाराष्ट्र की टीम चैंपियन बनी, वहीं 80+ वर्ग के रोमांचक फाइनल में गुजरात ने बाजी मारी। महिलाओं के 60+ वर्ग में मध्य प्रदेश की टीम शीर्ष पर रही। पुरुषों के 75+ वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र ने चंडीगढ़ को 3-0 से करारी शिकस्त दी। पिनाकिन संपत ने शुरुआती मुकाबले में चंडीगढ़ के बलबीर सिंह विर्दी को संघर्षपूर्ण मैच में हराया। इसके बाद सतीश कुलकर्णी ने पतंजलि कुमार को सीधे गेमों में मात देकर बढ़त 2-0 कर दी। अंत में संपत और कुलकर्णी की जोड़ी ने डबल्स मुकाबला जीतकर स्वर्ण पदक महाराष्ट्र की झोली में डाल दिया। 70+ आयु वर्ग में भी महाराष्ट्र का दबदबा कायम रहा। फाइनल मुकाबले में महाराष्ट्र ने दिल्ली को 3-0 से पराजित किया। योगेश देसाई और शिवानंद कुंडाजे ने अपने-अपने एकल मैच आसानी से जीते।

पूर्व कोच ने किया खुलासा : केकेआर ने क्यों छोड़ा कप्तान श्रेयस अय्यर को

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) द्वारा खिताब जीतने वाले कप्तान श्रेयस अय्यर को रिलीज

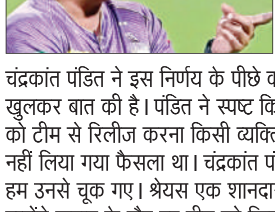

करने का फैसला लंबे समय से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। अब टीम के पूर्व कोच चंद्रकांत पंडित ने इस निर्णय के पीछे की वजहों पर खुलकर बात की है। पंडित ने स्पष्ट किया है कि अय्यर को टीम से रिलीज करना किसी व्यक्तिगत कारण से नहीं लिया गया फैसला था। चंद्रकांत पंडित ने बताया, हम उनसे चूक गए। श्रेयस एक शानदार खिलाड़ी हैं और उन्होंने कप्तान के तौर पर टीम को खिताब जिताया। लेकिन कई बार परिस्थितियां और टीम की रणनीति ऐसे फैसले लेने पर मजबूर कर देती हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह कोई जानबूझकर किया गया फैसला नहीं था, बल्कि चीजें टीम की उम्मीदों के मुताबिक नहीं चलीं। पंडित ने आगे कहा कि टीम चयन में कई पहलुओं को ध्यान में रखना पड़ता है, और कभी-कभी बड़े और कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं, जो बाहर से देखने पर अलग लगते हैं। उन्होंने फिल साल्ट जैसे अन्य खिलाड़ियों का भी उदाहरण दिया, जिन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई, जबकि वे भी बेहतरीन खिलाड़ी हैं। पंडित ने कहा कि टीम सभी खिलाड़ियों की सराहना करती है। केकेआर से रिलीज होने के बाद, पंजाब किंग्स ने श्रेयस अय्यर को 26.75 करोड़ रुपये में खरीदा। उनकी कप्तानी में टीम ने आईपीएल 2025 का फाइनल खेला और आईपीएल 2026 में लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है।

सुपर ओवर में सुनील नरेन छाए, रोमांचक मुकाबले में केकेआर ने लखनऊ को हराया

लखनऊ: आईपीएल 2026 के 38वें मुकाबले में केकेआर ने लखनऊ सुपर जायंट्स को सुपर ओवर में हरा दिया। पहले बैटिंग करते हुए मुश्किल विकेट पर लखनऊ ने 7 विकेट पर 155 रन बनाए। लखनऊ को आखिरी ओवर में जीत के लिए 17 रन चाहिए थे। कार्तिक त्यागी ने दो नो बॉल डाले। आखिरी गेंद पर मोहम्मद शमी ने छक्का मारकर मैच टाई करवा दिया।

सुपर ओवर में लखनऊ सुपर जायंट्स ने पहले बैटिंग की। सुनील नरेन ने पहली ही गेंद पर निकोलस पूरन को बोल्ड कर दिया। दूसरी गेंद पर ऋषभ पंत ने एक रन लिया। तीसरी गेंद पर एडेन मार्करम बाउंड्री लाइन पर कैच आउट हो गए। रोवमैन पॉवेल ने कैच लेकर गेंद को रिंकू सिंह की तरफ फेंक तिया। उन्होंने आसानी से कैच लपका लिया। लखनऊ सुपर जायंट्स ने सिर्फ एक रन बनाया। रिंकू सिंह ने केकेआर की पहली ही गेंद पर चौका मारकर अपनी टीम को जीत दिला दी।

रिंकू ने केकेआर को 155 तक पहुंचाया

केकेआर की शुरुआत एक बार फिर खराब रही। टिम सिफर्ट बिना खाता खोले मोहसिन खान का शिकार बने। इसके बाद अंगकृष रघुवंशी 9 रन बनाकर आउट हुए, तो कप्तान अजिंक्य रहाणे 10 रन ही बना सके। रोवमैन पॉवेल के बैट से एक रन निकला। कैमरून ग्रीन ने टीम की लड़खड़ाती हुई पारी को कुछ हद तक संभालने का प्रयास किया, लेकिन वह 21 गेंदों में 34 रन बनाने के बाद अपना विकेट गंवा बैठे।

अनुकूल रॉय को मोहसिन खान ने बिना खाता खोले पवेलियन भेजा। वहीं, रमनदीप सिंह 11 गेंदों में 6 रन बनाकर आउट हुए। 93 के स्कोर पर केकेआर के 7 विकेट गिर गए थे। यहां से रिंकू ने जिम्मेदारी संभाली। 30 गेंदों पर सुनील नरेन के साथ 8वें विकेट के लिए उन्होंने 62 रन जोड़े। इसमें रिंकू का योगदान 24 गेंद पर 56 रनों का था। उन्होंने आखिरी ओवर में दिग्वेश राठी के खिलाफ चार छक्के मारे। इससे केकेआर का स्कोर 155 तक पहुंच पाया। रिंकू सिंह ने 7 चौके और 5 छक्कों की मदद से 50 गेंदों में 83 रनों की नाबाद पारी खेली।

गेंदबाजी में एलएसजी की ओर से मोहसिन खान ने 4 ओवर में सिर्फ 23 रन देकर 5 विकेट निकाले। वह आईपीएल में बेस्ट स्पेल डालने वाले बाएं हाथ के भारतीय पेसर बन गए हैं। उन्होंने टिम सिफर्ट, अजिंक्य रहाणे, रोवमैन पॉवेल, कैमरून ग्रीन और अनुकूल रॉय को आउट किया।

156 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी लखनऊ सुपर जायंट्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। मिचेल मार्श सिर्फ 2 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद दूसरे विकेट के लिए एडेन मार्करम और कप्तान ऋषभ पंत ने 57 रनों की अहम साझेदारी निभाई। मार्करम ने 27 गेंदों में 31 रन बनाए, जबकि पंत ने 38 गेंदों में 42 रनों का योगदान दिया। पंत ने अपनी पारी में 4 चौके और एक छक्का लगाया। निकोलस पूरन की खराब फॉर्म इस मुकाबले में भी जारी रही और वह 9 रन ही बना सके। मुकुल चौधरी महज एक रन बनाकर अनुकूल रॉय का शिकार बने।

आयुष बदोनी ने 19 गेंदों में 2 छक्कों की मदद से 24 रन बनाए। वहीं, जॉर्ज लिंडे 8 रन बनाकर वैभव अरोड़ा का शिकार बने। आखिरी ओवर में जीत के लिए एलएसजी को 17 रनों की दरकार थी और क्रीज पर हिम्मत सिंह और मोहम्मद शमी मौजूद थे। ओवर की पहली गेंद पर शमी ने एक रन लिया। इसके बाद केकेआर के तेज गेंदबाज कार्तिक त्यागी ने अगली दो गेंदें नो-बॉल फेंकी, जिस पर हिम्मत 6 रन बटोरने में सफल रहे।

कार्लोस अल्काराज़ को बड़ा झटका : चोट के चलते फ्रेंच ओपन से बाहर

नई दिल्ली

स्पेन के स्टार टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज़ को एक बड़ा झटका लगा है। कलाई की चोट के कारण वे अगले महीने होने वाले फ्रेंच ओपन से बाहर हो गए हैं, जिससे उनका लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूट गया है। यह चोट उन्हें पिछले हफ्ते बार्सिलोना ओपन के दौरान दाहिने हाथ की कलाई में लगी थी। प्रारंभिक जांच के बाद डाक्टरों ने उन्हें आराम की सलाह दी, जिसके बाद उन्होंने न केवल फ्रेंच ओपन, बल्कि इटालियन ओपन से भी हटने का मुश्किल फैसला लिया है। दोनों ही टूर्नामेंट क्ले कोर्ट पर खेले जाते हैं, जो अल्काराज़ का पसंदीदा सर्फेस माना जाता है और जहां वे आमतौर पर शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अल्काराज़ ने इस दुखद खबर की पुष्टि की। उन्होंने लिखा, टेस्ट के बाद हमने सावधानी बरतने का फैसला किया है। इसलिए, जब तक हम मेरी स्थिति का पूरी तरह से आकलन नहीं कर लेते, मैं रोम और रोलां गैरोस में हिस्सा नहीं लूंगा। उन्होंने आगे कहा, यह मेरे लिए बेहद मुश्किल समय है, लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि मैं और अधिक मजबूती के साथ वापसी करूंगा। यह बयान उनकी निराशा और दृढ़ संकल्प दोनों को दर्शाता है, लेकिन प्रशंसकों के लिए यह खबर किसी झटके से कम नहीं है। 22 वर्षीय अल्काराज़ इस साल शानदार फार्म में थे। उन्होंने साल की शुरुआत आस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की थी, जिससे वे करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए थे। उनकी इस चोट ने उनके बेहतरीन प्रदर्शन पर अस्थायी रूप से विराम लगा दिया है। हाल ही में उन्होंने विश्व नंबर-1 की रैंकिंग जैनिक सिनर से गंवा दी थी। अब लंबे समय तक कोर्ट से दूर रहने से उनकी रैंकिंग पर और असर पड़ने की आशंका है। जैनिक सिनर ने अल्काराज़ की चोट पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा, यह बहुत दुखद खबर है। इतनी कम उम्र में हमें अपने शरीर का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। उम्मीद है कि वे जल्द वापसी करेंगे और हम एक बार फिर शानदार मुकाबले देख पाएंगे। इस चोट से फ्रेंच ओपन की रौनक कुछ फीकी जरूर पड़ गई है, लेकिन टेनिस जगत को उनके शीघ्र स्वस्थ होने की उम्मीद है।

बांग्लादेश की नाहिदा और शर्मिन पर आईसीसी आचार संहिता उल्लंघन का जुर्माना

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने श्रीलंका के खिलाफ बुधवार को राजशाही में खेले गए दूसरे एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैच के दौरान आईसीसी आचार संहिता के अलग-अलग स्तर 1 के उल्लंघनों के लिए बांग्लादेश की नाहिदा अख्तर और शर्मिन सुल्ताना पर उनकी मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। दोनों खिलाड़ियों को एक-एक डिमेरिट पाइंट भी मिला है, जो पिछले 24 महीनों में उनका पहला ऐसा अपराध है। यह घटनाएँ खेल भावना और क्रिकेट के सम्मान को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करती हैं। स्पिनर नाहिदा को श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू को 17वें ओवर में आउट करने के बाद एक एनिमेटेड सेंड-आफ देने के लिए दंडित किया गया था। इस तरह का व्यवहार अक्सर विपक्षी खिलाड़ी के प्रति असम्मानजनक माना जाता है और खेल की गरिमा के विरुद्ध होता है। दूसरी ओर, बल्लेबाज शर्मिन को बांग्लादेश की पारी के 16वें ओवर में एलबीडब्ल्यू आउट दिए जाने के बाद अपना असंतोष व्यक्त करने के लिए दंडित किया गया।

केएल का ऐतिहासिक शतक : आईपीएल में सबसे बड़ी भारतीय पारी का रिकार्ड

नई दिल्ली

आईपीएल 2026 के 35वें मुकाबले में शनिवार को अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम एक ऐतिहासिक पल का गवाह बना, जब दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने पंजाब किंग्स के खिलाफ विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए कई रिकार्ड ध्वस्त कर दिए। राहुल ने मात्र 67 गेंदों पर 16 चौकों और 9 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 152 रनों की अविश्वसनीय पारी खेली, जिससे वह आईपीएल इतिहास में सबसे बड़ी व्यक्तिगत पारी खेलने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

उन्होंने यह उपलब्धि हासिल करते हुए अभिषेक शर्मा के पिछले साल के 141 रनों के रिकार्ड को तोड़ दिया। इतना ही नहीं, राहुल अब दिल्ली कैपिटल्स की ओर से भी आईपीएल में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने ऋषभ पंत के 2018 में बनाए गए 128 रनों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। राहुल की यह पारी आईपीएल इतिहास की तीसरी सबसे बड़ी पारी है। उनसे पहले केवल वेस्टइंडीज के क्रिस गेल (नाबाद 175) और न्यूजीलैंड के ब्रैंडन मैक्कुलम (नाबाद 158) ही 150 से अधिक रनों की पारी खेल पाए हैं, जिससे राहुल इस विशिष्ट सूची में शामिल होने वाले महज तीसरे बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने अपनी इस शानदार पारी में नीतीश राणा के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए मात्र 95 गेंदों में 220 रनों की एक यादगार साझेदारी निभाई। यह साझेदारी आईपीएल इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी साझेदारी भी है, जिसने पंजाब किंग्स के गेंदबाजों को बेबस कर दिया और उन्हें कोई मौका नहीं दिया। नीतीश राणा भी बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने 44 गेंदों में 11 चौकों और 4 छक्कों की मदद से ताबड़तोड़ 91 रनों की पारी खेलकर राहुल का बखूबी साथ दिया। राहुल और राणा के इस आक्रामक प्रदर्शन की बदौलत दिल्ली कैपिटल्स ने निर्धारित 20 ओवरों में केवल 2 विकेट खोकर 264 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। यह आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स का अब तक का सर्वोच्च स्कोर भी है, जिसने साल 2024 में मुंबई इंडियंस के खिलाफ बनाए गए 4 विकेट पर 257 रनों के अपने ही पुराने रिकार्ड को तोड़ दिया। इस धमाकेदार प्रदर्शन ने दिल्ली को एक मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है और आईपीएल के इतिहास में एक और शानदार रिकार्ड दर्ज हो गया है, जिसे लंबे समय तक याद रखा जाएगा।

ओलंपिक कोच रौनक पंडित की मेंटरशिप में इंदौर के छात्र सीखेंगे सटीक निशाना

इंदौर

इंदौर के युवाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर का निशानेबाज बनाने के उद्देश्य से ओलंपिक कोच और कामनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट रौनक पंडित अब शहर में अपनी नई पारी की शुरुआत कर रहे हैं। चत्रभुज नरसी स्कूल (सीएनएस) इंदौर ने रौनक पंडित की प्रतिष्ठित मेंटरशिप में अपनी स्टेट-आफ-द-आर्ट पिस्टल शूटिंग एकेडमी का शुभारंभ किया है।

चत्रभुज नरसी स्कूल में अत्याधुनिक शूटिंग एकेडमी शुरू; कामनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट से गुरुमंत्र पाकर खिले युवा खिलाड़ी

शनिवार को इस एकेडमी की शुरुआत दो दिवसीय पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता के साथ हुई, जहाँ शहर के उभरते निशानेबाजों को सीधे विश्व स्तरीय अनुभव से जुड़ने का मौका मिला।

एकेडमी के मेंटर रौनक पंडित ने शुभारंभ के अवसर पर विद्यार्थियों और पालकों के लिए आयोजित ओपन हाउस सेशन में मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने

इस बात पर जोर दिया कि शूटिंग केवल प्रतियोगिता जीतने के बारे में नहीं है, बल्कि यह युवाओं में फोकस, धैर्य और आत्मविश्वास विकसित करने का एक सशक्त जरिया है। श्री पंडित ने कहा, इस शुरुआती उम्र में बच्चों को निशानेबाजी से जोड़ना उनके भीतर अनुशासन की नींव रखने जैसा है। मुझे खुशी है कि इंदौर में हम उन मूल्यों को साझा कर पा रहे हैं जो खेल के मैदान के साथ-साथ जीवन में भी काम आते हैं।

ओलंपिक स्टैंडर्ड की सुविधाएं

स्कूल परिसर में स्थापित यह एकेडमी ओलंपिक-स्टैंडर्ड की 10-मीटर शूटिंग रेंज से लैस है। बीसीएम ग्रुप के सहयोग से शुरू हुई इस पहल के बारे में स्कूल के चेयरपर्सन सुजय जयराज और प्रिंसिपल डा. जेरिन जैकब ने बताया कि रौनक पंडित जैसे दिग्गज एथलीट का मार्गदर्शन मिलना विद्यार्थियों के लिए एक ऐतिहासिक अवसर है।

मुंबई और पुणे के बाद अब इंदौर में भी स्कूल एक ऐसा फ्यूचर-रेडी इकोसिस्टम तैयार कर रहा है, जहाँ शिक्षा और खेल के समन्वय से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। यह एकेडमी न केवल बेहतरीन शूटर तैयार करने का लक्ष्य रखती है, बल्कि छात्रों को मानसिक रूप से सुदृढ़ और नैतिक इंसान बनाने की दिशा में भी कार्य करेगी।

जेपी मॉर्गन ने भारतीय शेयर बाजार की रेटिंग घटाई, ओवरवेट से घटाकर न्यूट्रल की

महंगे वैल्यूएशन और कमाई पर दबाव बनी मुख्य चिंता

नई दिल्ली

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म जेपी मॉर्गन ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर अपना नजरिया बदलते हुए रेटिंग को ओवरवेट से घटाकर न्यूट्रल कर दिया है। यह फैसला महंगे वैल्यूएशन और आने वाले समय में कंपनियों की कमाई पर संभावित दबाव की आशंका को देखते हुए लिया गया है, जो विदेशी निवेशकों के लिए भारत को पहले जितना आकर्षक नहीं बना रहा है। जेपी मॉर्गन के अनुसार भारतीय बाजार अभी भी अन्य उभरते बाजारों जैसे ब्राजील, चीन या मैक्सिको के मुकाबले काफी प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है। यह प्रीमियम पहले 109 फीसदी था, जो अब घटकर 65 फीसदी रह गया है, फिर भी काफी अधिक है। इसका सीधा अर्थ है कि निवेशकों को समान ग्रोथ अन्य देशों में कम कीमत पर मिल सकती है। ब्रोकरेज फर्म ने बढ़ती महंगाई और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के चलते कंपनियों की कमाई पर पड़ने वाले संभावित दबाव को भी एक बड़ी चिंता बताया है। इसी कारण एचएसबीसी जैसी अन्य बड़ी ग्लोबल संस्था भी भारत को लेकर अंडरवेट हो गई है, जिससे भारतीय बाजार पर सावधानी बरतने की सलाह और पुष्ट होती है। ब्रोकरेज का अनुमान है कि साल 2025 बाजार के लिए पहले ही कमजोर रहा है और 2026 भी चुनौतीपूर्ण दिख रहा है। हालांकि, फर्म ने निफ्टी 50 के लिए 27,000 का लक्ष्य दिया है।

डालर के मुकाबले रूपया की कमजोर स्थिति ने बिगाड़ा खेल

नई दिल्ली। 2026 में अब तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय इक्विटी बाजार से कुल 1.75 लाख करोड़ रुपए निकाल लिए हैं। अकेले अप्रैल के महीने में निकासी का आंकड़ा 43,967 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है, जो काफी चिंताजनक है। हफ्ते का अंत विदेशी संस्थागत निवेशकों (विदेशी निवेशकों) की भारी बिकवाली के साथ हुआ। उन्होंने शुक्रवार को समाप्त हुए पांच सत्रों में 17,140 करोड़ रुपए के घरेलू शेयर बेच दिए। अप्रैल में अब तक विदेशी निवेश का आउटफ्लो बढ़कर 43,967 करोड़ रुपए हो गया है, जिससे 2026 में अब तक विदेशी निवेशक शेयर बाजार से 1,75,089 करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। शुक्रवार को, विदेशी निवेशकों ने 8,827.87 करोड़ रुपए के घरेलू शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक 4,700.71 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार रहे। इस भारी बिकवाली के चलते घरेलू प्रमुख सूचकांकों में तेज गिरावट दर्ज की गई। सबसे ज्यादा नुकसान आईटी सेक्टर को हुआ, जो इंडेक्स लेवल पर 5 फीसदी से ज्यादा गिर गया। फार्मा, हेल्थ और एनर्जी सेक्टर के शेयर भी भारी नुकसान उठाने वालों में शामिल रहे। जहां 50 शेयरों वाला निफ्टी 4 275.10 अंक या 1.14 फीसदी गिरकर 23,897.95 पर बंद हुआ। वहीं सेंसेक्स विनोद उपाध्याय / 25 अप्रैल, 2026.79 अंक या 1.29 प्रतिशत गिरकर 76,664.21 पर स्थिर हुआ।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय ऑटो सेक्टर का वैश्विक जलवा, 8 ब्रांड दुनिया के टॉप 100 में शामिल

मुंबई। भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग वैश्विक मंच पर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है। एक नई रिपोर्ट के मुताबिक देश के आठ ऑटो ब्रांड दुनिया के शीर्ष 100 में शामिल हो गए हैं, जो सेक्टर की बढ़ती ताकत और वैश्विक प्रतिस्पर्धा में उसकी बढ़ती स्वीकार्यता का प्रमाण है। यह उपलब्धि भारत को केवल लागत प्रभावी उत्पादों के बजाय मजबूत ब्रांड वैल्यू वाले उत्पादों के निर्माता के रूप में स्थापित कर रही है। इस प्रतिष्ठित सूची में महिंद्रा एंड महिंद्रा ने सबसे आगे रहकर भारतीय कंपनियों की अगुवाई की। कंपनी 17 फीसदी की प्रभावशाली बढ़त के साथ 25वें स्थान पर पहुंच गई है, और इसकी ब्रांड वैल्यू बढ़कर 3.8 अरब डॉलर हो गई है। कंपनी की सफल एसयूवी रेंज, बेहतर मुनाफा और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स पर केंद्रित रणनीति इस शानदार वृद्धि की मुख्य वजहें रहीं। वहीं रॉयल एनफील्ड ने भी जबरदस्त छाप छोड़ी है। यह दुनिया का तीसरा सबसे मजबूत ऑटो ब्रांड बना है, जिसकी ब्रांड वैल्यू 30 फीसदी बढ़कर 1.2 अरब डॉलर तक पहुंच गई है। इसके प्रीमियम मोटरसाइकिल्स की वैश्विक स्तर पर लगातार बढ़ती मांग ने इसे मजबूती प्रदान की है। टाटा मोटर्स और मारुति सुजुकी भी इस वैश्विक सूची में प्रमुखता से शामिल रहे। टाटा मोटर्स की ब्रांड वैल्यू 3.3 अरब डॉलर आंकी गई, जिसे इलेक्ट्रिक व्हीकल सेगमेंट में उसकी बढ़त का फायदा मिला। दूसरी ओर, मारुति सुजुकी ने घरेलू बाजार में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखते हुए 2.7 अरब डॉलर की ब्रांड वैल्यू हासिल की। ब्रांड फाइनेंस इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर अजिमोन फ्रांसिस ने इस प्रगति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि भारतीय कंपनियां अब सिर्फ सस्ते उत्पादों के लिए नहीं जानी जातीं, बल्कि वे अपनी अलग पहचान बना रही हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी ताकत साबित कर रही हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि दुनिया के 10 सबसे मजबूत ऑटोमोबाइल ब्रांड्स में अब भारत के चार ब्रांड शामिल हैं, जो ग्राहकों के बढ़ते भरोसे और भारतीय कंपनियों की मजबूत होती ब्रांड वैल्यू का स्पष्ट संकेत है।

टोयोटा इनोवा कुल 1,12,188 यूनिट्स की बिक्री के साथ शीर्ष स्थान

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2026 में टोयोटा इनोवा ने अपनी बिक्री से पुनः अपनी लोकप्रियता को साबित किया है। इस दौरान कार के बिक्री के यह आंकड़े भारतीय बाजार में टोयोटा के विविध पोर्टफोलियो और ग्राहकों के बीच उसकी मजबूत स्वीकार्यता को दर्शाते हैं। टोयोटा इनोवा, जिसमें इनोवा हाइक्रॉस और क्रिस्टा दोनों शामिल हैं, ने कुल 1,12,188 यूनिट्स की बिक्री के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में 5 प्रतिशत की शानदार वृद्धि को दर्शाता है, जब 1,07,204 नए ग्राहकों ने इसे खरीदा था। यह बिक्री आंकड़े भारतीय बाजार में 7-सीटर सेगमेंट में इनोवा की मजबूत पकड़ और लोकप्रियता को दर्शाते हैं। इनोवा के अलावा, टोयोटा के अन्य मॉडलों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। बिक्री की इस सूची में दूसरे नंबर पर टोयोटा हाइराइडर रही, जिसने 65 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 99,890 यूनिट्स की बिक्री की। टोयोटा ग्लैंजा तीसरे नंबर पर रही, जिसकी 52,548 यूनिट्स बिकीं और इसने 8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वहीं, टोयोटा फॉर्च्यूनर ने 35,216 यूनिट्स की बिक्री के साथ चौथा स्थान हासिल किया, जिसमें 7 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी देखी गई।

भारत में टीम कुक के बाद जॉन टर्नस संभालेंगे एप्पल की बागडोर

नई दिल्ली

भारत में दिग्गज टेक कंपनी एप्पल के सीईओ टीम कुक ने कंपनी की एक बेहद मजबूत और नई पहचान स्थापित की है। टिम कुक सितंबर में एप्पल के सीईओ का पद छोड़ने वाले है। उनके उत्तराधिकारी जॉन टर्नस से उम्मीद की जा रही है कि वे इस वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गज के सफर को भारत में और भी अधिक गति प्रदान करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि टर्नस के नेतृत्व में भारत में एप्पल की विस्तार रणनीति और तेज हो सकती है, क्योंकि यह देश अब कंपनी के लिए सिर्फ एक महत्वपूर्ण मैन्युफैक्चरिंग हब नहीं, बल्कि एक विशाल और अहम उपभोक्ता बाजार भी बन चुका है। विशेषज्ञों के अनुसार, टिम कुक के कार्यकाल के दौरान भारत एप्पल के लिए दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण बाजारों में से एक के रूप में उभरा है। इसमें स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देना, रिटेल नेटवर्क का अभूतपूर्व विस्तार करना और एक तेजी से बढ़ते यूजर बेस का निर्माण शामिल है, जिसने एप्पल की वैश्विक रणनीति में भारत की स्थिति को केंद्रीय बना दिया है। उनका कहना है कि आने वाले समय में भी भारत एक बड़े उत्पादन केंद्र और एक तेजी से विकसित होते उपभोक्ता बाजार के रूप में एप्पल के लिए दोहरी भूमिका निभाएगा, जो कंपनी के वैश्विक विस्तार के अगले चरण को परिभाषित करने में निर्णायक साबित होगा।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक ने इस विषय पर अपने विचार साझा करते हुए कहा कि टिम कुक ने भारत की अंतर्निहित क्षमता को पहचानने और उसे एप्पल की दीर्घकालिक रणनीति के बिल्कुल केंद्र में लाने में अहम भूमिका निभाई है। उन्होंने बताया कि कुक ने न सिर्फ भारत में स्थानीय मैन्युफैक्चरिंग और रिटेल उपस्थिति को बढ़ावा दिया, बल्कि भारतीय डेवलपर्स और यूजर्स के साथ भी मजबूत जुड़ाव स्थापित किया, जिससे स्थानीय बाजार में एप्पल की पकड़ बेमिसाल रूप से मजबूत हुई। पाठक ने आगे कहा कि जॉन टर्नस को अब इस मजबूत नींव पर आगे काम करना होगा, खासकर भारत की लंबी अवधि की विकास संभावनाओं को देखते हुए। उनका इंजीनियरिंग बैकग्राउंड और नेतृत्व शैली भारत के युवा और महत्वाकांक्षी यूजर्स को विशेष रूप से पसंद आ सकती है, जिससे ब्रांड को और अधिक मजबूती मिलेगी। साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के वाइस प्रेसिडेंट प्रभु राम ने भी इस बात पर जोर दिया कि भारत अब एप्पल की वैश्विक सप्लाई चेन रणनीति में एक अपरिहार्य भूमिका निभा रहा है। उन्होंने खुलासा किया कि एप्पल अब अपने लगभग एक-चौथाई आईफोन भारत में असेंबल करता है, जिससे भविष्य में कंपनी की वृद्धि में भारत की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाएगी, ठीक वैसे ही जैसे अतीत में चीन की रही थी। राम ने कुक के कार्यकाल की विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी मजबूत कार्यशैली और बदलती वैश्विक परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता बेजोड़ रही है। उन्होंने विशेष रूप से चीन पर निर्भरता कम करने और भारत व वियतनाम जैसे देशों में मैन्युफैक्चरिंग का विस्तार करने पर रणनीतिक रूप से ध्यान केंद्रित किया। 2011 से एप्पल का नेतृत्व कर रहे टिम कुक ने पद छोड़ने की घोषणा करते हुए कहा था, एप्पल का सीईओ होना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, कुक के कार्यकाल में एप्पल का मार्केट कैप करीब 350 अरब डॉलर से बढ़कर लगभग 4 ट्रिलियन डॉलर हो गया, जबकि कंपनी की सालाना आय लगभग चार गुना बढ़कर 416 अरब डॉलर से भी अधिक हो गई।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का मुनाफा बढ़कर 300 करोड़ के पार

मुंबई

प्राइवेट सेक्टर के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने वित्त वर्ष 2024 की चौथी तिमाही के नतीजे घोषित किए हैं, जिसमें बैंक ने उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस तिमाही में बैंक का मुनाफा 4.9 फीसदी बढ़कर 319 करोड़ हो गया। बैंक ने यह भी बताया कि कुछ विशिष्ट (एकमुश्त) घटनाओं को छोड़कर, उसकी वास्तविक या सामान्यीकृत शुद्ध आय 746 करोड़ के करीब रही, जो बैंक की मजबूत अंतर्निहित वित्तीय स्थिति को दर्शाती है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के लिए चौथी तिमाही का मुख्य आकर्षण उसकी मजबूत परिचालन आय और बेहतर संपत्ति गुणवत्ता रही।

बैंक की ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई

बैंक की शुद्ध ब्याज आय में 15.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो 4,907 करोड़ रुपए से बढ़कर 5,677 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। यह दर्शाता है कि बैंक ने कर्ज देने और उससे ब्याज कमाने में शानदार प्रदर्शन किया है। हालांकि, नेट इंटरेस्ट मार्जिन मामूली गिरावट के साथ 5.95 फीसदी से 5.93 फीसदी रहा, जिसे लगभग स्थिर माना जा सकता है।

बैंक की संपत्ति गुणवत्ता में भी सराहनीय सुधार हुआ है। सकल गैर-निष्पादित आस्तियां 1.69 फीसदी से घटकर 1.61 फीसदी रह गईं, जबकि शुद्ध गैर-निष्पादित आस्तियां 0.53 फीसदी से कम होकर 0.48 फीसदी पर आ गईं। फंसे कर्ज में कमी और भविष्य के घाटे के लिए किए जाने वाले प्रावधान में भारी कटौती ने भी बैंक के मुनाफे को सीधे तौर पर प्रभावित किया है। इसके अतिरिक्त, बैंक को 130 करोड़ का टैक्स रिफंड भी मिला, जिसने बैंक की बैलेंस शीट को और मजबूती प्रदान की। यह तिमाही बैंक के लिए व्यापक तौर पर सकारात्मक संकेत लेकर आई है।

एलपीजी सिलेंडर संकट गहराया: देशभर में डिलीवरी में भारी देरी

नई दिल्ली। देशभर में रसोई गैस सिलेंडर की किल्लत और डिलीवरी में देरी ने उपभोक्ताओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई राज्यों में लोग समय पर गैस न मिलने से परेशान हैं, जबकि बुकिंग नियमों की अस्पष्टता और शादी के सीजन की बढ़ती मांग ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। सरकार की कोशिशों के बावजूद सोशल मीडिया पर भी उपभोक्ताओं की नाराजगी साफ दिख रही है। सरकार ने शहरी क्षेत्रों में सिलेंडर बुकिंग के लिए 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की समय-सीमा तय की है। हालांकि, गैस कंपनियां अगली बुकिंग की तारीख को सप्लाई की तारीख से जोड़ रही हैं, जिससे उपभोक्ताओं को 7-10 दिन का अतिरिक्त इंतजार करना पड़ रहा है। इस प्रक्रिया ने डिलीवरी को और धीमा कर दिया है। उत्तर प्रदेश के रायबरेली, बस्ती, कानपुर और प्रयागराज जैसे जिलों में सिलेंडर की भारी किल्लत और डिलीवरी में देरी की शिकायतें आम हैं। शादी के सीजन के कारण कामर्शियल सिलेंडरों की मांग तेजी से बढ़ी है, लेकिन आपूर्ति सीमित है।

सप्ताहभर में चांदी 10,000 और सोना 1,300 प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ

सोने की कीमत 1,52,700 प्रति 10 ग्राम, चांदी 2,44,321 प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली

बीते सप्ताह कीमती धातुओं, खासकर सोने और चांदी, की चमक कुछ फीकी पड़ गई। प्रॉफ़िट बुकिंग और अमेरिका-ईरान के बीच संभावित बातचीत की उम्मीदों के चलते दोनों धातुओं की कीमतों में भारी गिरावट दर्ज की गई, हालांकि शुक्रवार को बाजार में कुछ सुधार देखा गया। बाजार की गति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है, क्योंकि भू-राजनीतिक तनाव और डॉलर की स्थिति में बदलाव का डर कायम है। इस सप्ताह कीमती धातुओं के बाजार में प्रॉफ़िट बुकिंग का दबाव स्पष्ट रूप से देखा गया, जिसके कारण सोने की कीमतों में 0.34 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। चांदी ने भी बड़ी गिरावट दर्ज की, एक हफ्ते से भी कम समय में इसकी कीमतों में करीब 10,000 प्रति किलोग्राम की भारी कमी आई है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, सोने की कीमत अब 1,52,700 प्रति 10 ग्राम पर आ गई है, जबकि चांदी की कीमत :2,44,321 प्रति किलोग्राम है। पांच दिन पहले, यानी 20 अप्रैल को एमसीएक्स पर सोना 1,54,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को पार कर गया था, जबकि चांदी 2,54,000 रुपए प्रति किलोग्राम के पार निकल गई थी। इस प्रकार, सोने में प्रति 10 ग्राम पर लगभग 1,300 रुपए की और चांदी में लगभग 9,679 रुपए प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई है। हालांकि सप्ताह के अंत में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में थोड़ी तेज़ी देखी गई। एमसीएक्स पर सोने के जून फ़्यूचर्स में 0.61 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि चांदी के मई फ़्यूचर्स में 1.39% की मामूली बढ़त दर्ज की गई। इस तेज़ी का मुख्य कारण अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत में प्रगति को लेकर बढ़ती उम्मीदें मानी जा रही हैं। विश्लेषकों का कहना है कि निचले स्तरों पर चुनिंदा खरीदारी देखने को मिली है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

व्हाइट हाउस...

उसकी लिंक्डइन प्रोफाइल के अनुसार वो मैकेनिकल इंजीनियर और कंप्यूटर साइंस पढ़ा है। वो गेम डेवलपर और टीचर भी है। आरोपी एलन ने साल 2017 में मैकेनिकल इंजीनियरिंग किया था। साल 2025 में कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी, डोमिंगुएज़ हिल्स से कंप्यूटर साइंस में पोस्ट ग्रेजुएट किया था। इतना ही नहीं वो एक निजी संस्था में पढ़ाने का भी काम करता है। उसे दिसंबर 2024 में टीचर ऑफ द मंथ भी चुना गया था। इस मामले की जांच के दौरान पता चला है कि एलन ने अकेले हमले को अंजाम दिया।

डिस्ट्रिक्ट ऑफ कोलंबिया के पुलिस चीफ और राष्ट्रपति ट्रंप ने उसे एक लोन वुल्फ (अकेला हमलावर) करार दिया है। हालांकि, उसने पूछताछ में दावा किया है कि उसके निशाने पर प्रशासन के अधिकारी थे, लेकिन पुलिस का कहना है कि हमले के पीछे का सटीक मकसद अभी भी स्पष्ट नहीं है। इसकी बारीकी से जांच की जा रही है। एलन को जल्द ही फेडरल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मन की बात...

उन्होंने कहा, मैं मतुआ-नामशूद्र और अन्य सभी शरणार्थी परिवारों से कहूंगा कि आपको नागरिकता भी मिलेगी, आपको पक्का एड्रेस मिलेगा, आपको हर वो कागज मिलेगा, हर वो हक मिलेगा, जो किसी भी भारतवासी को मिलता है। पीएम मोदी ने कहा, आज बॉनगांव से मैं डंके की चोट पर घुसपैठियों को भी चेतावनी देना चाहता हूं। जो भी अवैध तरीके से बंगाल में घुस आया है, जो फर्जी डॉक्यूमेंट लेकर यहां रह रहा है, वो 29 अप्रैल से पहले बंगाल और हिंदुस्तान छोड़ दे। वरना, 4 मई के बाद हर घुसपैठिए को खदेड़ा जाएगा। टीएमसी, किसी भी घुसपैठिए को अब बचा नहीं पाएगी।जनसभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, बंगाल का ये चुनाव अब अंतिम चरण में है, लेकिन आपने एक बात नोटिस की होगी, 15 साल पहले टीएमसी मां-माटी-मानुष की बातें करके सत्ता में आई थी, लेकिन अब इनके मुंह से मां-माटी-मानुष ये शब्द तक नहीं निकलते। ये टीएमसी वाले अगर मां-माटी-मानुष की याद दिलाएंगे तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। क्योंकि टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुला दिया, माटी को सिंडिकेट और घुसपैठियों के हवाले कर दिया और बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर कर दिया।

मतुआ ठाकुर मंदिर...

उन्होंने बताया कि जिन राज्यों में लोग खुद से अपनी जानकारी भर चुके हैं, वहां अब जनगणना कर्मचारियों द्वारा घर-घर जाकर सूची बनाने का काम भी शुरू हो गया है। अभी तक करीब 1.2 करोड़ परिवारों का यह काम पूरा किया जा चुका है। पीएम मोदी ने कहा कि जनगणना सिर्फ सरकार का काम नहीं है, बल्कि यह पूरे देश की साझा जिम्मेदारी है। इसमें हर नागरिक की भागीदारी बेहद जरूरी है। इसके साथ ही उन्होंने यह भी भरोसा दिलाया कि जो जानकारी लोग देंगे, वह पूरी तरह सुरक्षित और गोपनीय रखी जाएगी। इसे मजबूत डिजिटल सुरक्षा व्यवस्था के तहत संरक्षित किया जा रहा है, ताकि किसी भी तरह की जानकारी लीक न हो। पीएम मोदी ने देशवासियों से अपील की कि सभी लोग इस प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लें और मिलकर जनगणना 2027 को सफल बनाएं।

ईरान के...

ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने पाकिस्तान के बहाने अमेरिका से साफ कह दिया था कि नाकेबंदी और डर के साए में बातचीत नहीं हो सकती। ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका के साथ सीधी बातचीत के लिए साफ ना कह दिया है। प्रेस टीवी के अनुसार, शनिवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के साथ फोन पर हुई एक महत्वपूर्ण बातचीत में, पेजेशकियन ने जोर देकर कहा कि ईरान को दबाव या धमकियों के जरिए किसी समझौते के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता। अमेरिका ने भी बातचीत का कोई मतलब न निकलता देख अपने राजदूतों का दौरा भी रद्द कर दिया है। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने इस बात पर जोर दिया कि शांति की राह में असली बाधा बातचीत की कमी नहीं, बल्कि अमेरिका की ओर से की जा रही शत्रुतापूर्ण कार्रवाई है। बातचीत के दौरान, उन्होंने स्पष्ट किया कि ईरान दबाव, धमकी या घेराबंदी के साये में बातचीत नहीं करेगा। जब तक अमेरिका की शत्रुतापूर्ण हरकतें और दबाव बंद नहीं होते, तब तक विश्वास बहाल करना और बातचीत की दिशा में आगे बढ़ना मुश्किल होगा। उन्होंने अमेरिका से अपील की कि वह हालिया तनाव के दौरान खड़ी की गई सैन्य और आर्थिक बाधाओं को हटाकर अपनी गंभीरता दिखाए। उन्होंने आगे कहा, अमेरिका को हमारी सलाह है कि बातचीत फिर से शुरू करने और मुद्दों को सुलझाने के लिए एक मंच तैयार करने के लिए वह सबसे पहले समुद्री घेराबंदी सहित अन्य बाधाओं को हटाए।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 27 अप्रैल, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 166वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर सम्पन्न

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्रीनिवास नगर रेसिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन लिंगोजीगुडा के सहयोग से 166 वां निशुल्क निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर करमनघाट चौराहा स्थित मास्टरमाइंड स्कूल लिंगोजीगुडा में आयोजित किया गया।

यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट द्वारा कार्डियलजी, हड्डी रोग विशेषज्ञ, ईसीजी, 2 डी इको. बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सुविधा उपलब्ध करवाई और डॉ दिव्या, डॉ मबरूर सहित नर्सिंग स्टाफ संगीता, निकिता, मल्लेश्वरी, अनुषा, भानु, संजना, विपणन जगदीश कुमार ने सहयोग दिया। अवसर पर लायंस क्लब ऑफ हैदराबाद साधुराम आई अस्पताल दोमलगुडा द्वारा 117 लोगों के नेत्रों की स्क्रीनिंग गई जिसमें 58 लोगों को चश्मे तथा 5 लोगों के लिए निशुल्क मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की गई। अवसर पर ऑप्टोमेट्रिस्टभगवान , वारफन,प्रतीक्षा. कैंप कोऑर्डिनेटरनार्सिंग एवं कैंप प्रभारीभास्कर ने अपना सहयोग प्रदान किया।

डॉ अखिल क्लिनिक (पुरनदास रणछोड़दास) जनरल फिजिशियन डॉ. अखिल सुगंधी, डॉ. मीनल सुगंधी ने सामान्य जांच की।फिजियोथेरेपी की सेवा

बजाज फिजियो केयर की डॉ. सुनीता ने तथा दांतों की जांच एसएनआर डेंटल के डॉ. एस. निखिल राज ने अपनी सेवा प्रदान की। शिविर का 213 से अधिक मरीजों ने लाभ लिया। अवसर पर शिविर के संयोजक एवं अग्रवाल सेवा दल के प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेंद्र गोयल, निखिल राणासरिया सहित मुख्य अतिथि लिंगोजीगुडा के पूर्व पार्षद धरपल्ली राजशेखर रेड्डी, स्थानीय भागीदार,श्रीनिवासनगर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन लिंगोजिगुडाके अध्यक्ष के. जानकी रामा राव, उपाध्यक्ष सुरेश राज, कार्यकारी अध्यक्ष एम. नागेश्वर राव, सलाहकार मोहन रेड्डी. गोपाल रेड्डी ,ब्रह्मचारी,कार्यकारी समिति के सदस्य . येसुदास, जी. प्रभाकर. द मास्टरमाइंड स्कूल के जी. विजय रेड्डी, प्रधानाध्यापिका सरिता रेड्डी, निदेशक श्रीनिवास रेड्डी, स्वयंसेवक जितेन्द्र गोयल, पवन भुवानिया, योगेश अग्रवाल, सुमन भुवानिया, सुनयना नरसरिया, पद्मजा, प्रयाग चित्याल, समाजसेवी गोपाल सिंह पित्ती लैमिनेशंस के सदस्यों ने सहयोग प्रदान किया।

बंडारू दत्तात्रेय ने किया स्व-गणना नागरिकों से सहयोग की अपील

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
पूर्व राज्यपालबंडारू दत्तात्रेय ने रविवार को हैदराबाद के रामनगर स्थित अपने निवास पर 'जनगणना 2027' के स्व-गणना चरण के उद्घाटन के अवसर पर अपना विवरण दर्ज कराया। इस दौरान उन्होंने निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं जीएचएमसी के उपायुक्तप्रवीण रेड्डी, सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों और अन्य प्रगणक अधिकारियों की उपस्थिति में अपनी जानकारी आधिकारिक रूप से साझा की।

इस अवसर पर बोलते हुए बंडारू दत्तात्रेय ने तेलंगाना के सभी नागरिकों से इस राष्ट्रीय कवायद में सक्रिय रूप से भाग लेने का आग्रह किया। उन्होंने जनता से अपील की कि वे जनगणना प्रगणकों को सटीक डेटा प्रदान कर पूर्ण सहयोग दें। उन्होंने जोर देकर कहा कि जनगणना केवल एक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभ्यास है जो जनसंख्या और उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की व्यापक तस्वीर पेश करता है।

श्री दत्तात्रेय ने जनगणना के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यह भविष्य की योजना, सुशासन और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण की नींव बनाता है। उन्होंने विश्वास जताया कि सटीक आंकड़ों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि विकास का लाभ समाज के हर वर्ग तक प्रभावी ढंग से पहुंचे। यह डेटा सरकार को शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में बेहतर नीतियां बनाने में मदद करेगा।

बीएमजेआरएफटी ने दानदाताओं के सहयोग से बदलीं 12 करोड़ की 129 डायलिसिस मशीनें

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):
भगवान महावीर जैन रिलीफ फाउंडेशन ट्रस्ट (बीएमजेआरएफटी) ने किफायती स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में एक नया मानदंड स्थापित किया है। ट्रस्ट ने दानदाताओं के सहयोग से 12 करोड़ रुपये मूल्य की 129 डायलिसिस मशीनों को बदला है, जिससे कम लागत वाली डायलिसिस सेवाओं के अपने मिशन को और मजबूती मिली है। बीएमजेआरएफटी मात्र 300 प्रति सत्र में डायलिसिस की सुविधा प्रदान कर रहा है, जबकि कॉर्पोरेट अस्पतालों में इसका शुल्क 2,500 से 5,000 के बीच होता है। आमतौर पर, एक डायलिसिस मशीन का जीवनकाल लगभग 20,000 सत्र या 5-7 वर्ष होता है। हालांकि, बीएमजेआरएफटी ने अपने कुशल प्रबंधन और रखरखाव के माध्यम से इन मशीनों के जीवन को 30,000 से 35,000 सत्रों तक बढ़ाया। जब ट्रस्ट ने मशीनों को बदलने का निर्णय लिया, तो दानदाताओं का इतना अटूट विश्वास था कि मात्र एक सप्ताह के भीतर संसाधनों की व्यवस्था हो गई। इस उदारता को सम्मानित करने के लिए शनिवार रात सिकंदराबाद के मार्वल इंपीरियल गार्डन में एक सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में एनएमडीसी लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक प्रवीण कुमार और सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्रीमती कसरनेनी दमयंती अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रमुख योगदानकर्ताओं में शामिल हैं: एनएमडीसी: अपनी सीएसआर पहल के तहत 3.5 करोड़ मूल्य की 40 मशीनें दान कीं। शिवप्रकाश बंसल (उद्योगपति): 16 मशीनें प्रदान कीं और वार्षिक 50 लाख के दान का संकल्प लिया। कैलाश चरण और पी. नरेंद्र: इन्हें भी उनके विशेष सहयोग के लिए सम्मानित किया गया।

चंदनवाड़ी बस्ती में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का भव्य हिन्दू सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना शताब्दी उत्सव के उपलक्ष्य में गोशामहल स्थित चंदनवाड़ी बस्ती के गंडी मैस्सम्मा मंदिर परिसर में हिन्दू सम्मेलन का भव्य आयोजन उत्सव के रूप में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया, जिससे पूरे क्षेत्र में उत्साह एवं धार्मिक भावना का माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री राधा मनोहर दास स्वामी जी उपस्थित रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को बचपन से ही भगवद्गीता, रामायण और सनातन धर्म की शिक्षा दी जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जैसे माता-पिता होते हैं, वैसे ही बच्चे बनते हैं, इसलिए बच्चों में अच्छे संस्कारों का होना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर डॉ. जमालपुरकर गंगाधर जी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्षों की यात्रा, उसके कार्यों और समाज के प्रति उसके योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ का उद्देश्य भारत को उसके पूर्व वैभवशाली स्थान तक पहुंचाना है।

महिला वक्ता के रूप में डॉ. नडिमपल्ली यमुना पाठक जी ने महिला सशक्तिकरण पर जोर देते हुए कहा कि महिलाओं को आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर और सशक्त बनना चाहिए। उन्होंने महिलाओं को अपने भीतर की शक्ति को पहचानने और दुर्गा स्वरूप में आगे बढ़ने का संदेश दिया।कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आकर्षण का केंद्र रहीं, जिनमें कुचिपुड़ी नृत्य, दंडी प्रदर्शन तथा सामूहिक गौ पूजा विशेष रूप से शामिल थे।इस कार्यक्रम का सफल आयोजन अध्यक्ष मावूरी दयानंद जी के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। साथ ही समिति के सक्रिय सदस्यों में ओमप्रकाश, दरगा अनिल, चित्तम शैलेन्द्र, राजेश कोयलकर, आला पुरषोत्तम, चिल्लमपल्ली सुरेश, गोपाल, अभिजीत, महेश, रामू, श्रीकांत, प्रशांत, मनीष, गजानंद सहित अन्य सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सेवा करके मन भावविभोर हो जाता है : विशाल अग्रवाल

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास रविवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी विशाल अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि निस्वार्थ भाव से की गई सेवा न केवल जरूरतमंदों के जीवन में आशा की किरण जगाती है, बल्कि सेवा करने वाले के मन को भी अद्भुत संतोष और भावविभोर कर देने वाली अनुभूति प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का सच्चा उद्देश्य दूसरों के दुःख को कम करना और समाज के प्रति अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। कार्यक्रम के दौरान जरूरतमंदों को भोजन वितरण किया गया और सभी ने मिलकर सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, मनीष चिंडालिया, जगन एलाकुर्थी, महेश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, प्रीतिका अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, विशाल अग्रवाल, शिवानी अग्रवाल, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा की कार्यकारिणी बैठक संपन्न

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
प्रेस विज्ञप्ति में संस्थापिका एवं केंद्रीय समिति सदस्य पूजा गुप्ता ने बताया कि अग्रवाल समाज अशोक नगर शाखा की कार्यकारिणी समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सचिव श्री सत्यनारायण गुप्ता ने पिछली बैठक की कार्यवाही का वाचन किया तथा वर्तमान बैठक का एजेंडा प्रस्तुत किया।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल ने सदस्यता अभियान को तेज करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने बताया कि शाखा द्वारा आयोजित निःशुल्क इंडक्शन स्टोव वितरण कार्यक्रम को अत्यंत उत्साहजनक प्रतिसाद प्राप्त हुआ है। प्राप्त आवेदनों की विधिवत जांच के उपरांत चयनित लाभार्थियों को आगे की प्रक्रिया हेतु आमंत्रित किया जाएगा तथा पात्रता के आधार पर इंडक्शन स्टोव वितरित किए जाएंगे।

इंडक्शन स्टोव वितरण कार्यक्रम दिनांक 3 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा। इस कार्यक्रम के सफल संचालन हेतु उपाध्यक्ष श्री फकीरचंद बंसल एवं कार्यकारिणी सदस्य श्री महेश अग्रवाल को संयोजक नियुक्त किया गया है।

बैठक के दौरान मानद सचिव श्री सत्यनारायण गुप्ता ने अग्रवाल समाज की वर्तमान परिस्थितियों पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी सदस्यों से एकजुट होकर समाजहित में कार्य करने का आह्वान किया।

इस बैठक में अध्यक्ष श्री संजीव कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष श्री फकीरचंद बंसल, सचिव श्री सत्यनारायण गुप्ता, केंद्रीय समिति सदस्य श्रीमती पूजा गुप्ता तथा कार्यकारिणी सदस्य श्री अशोक अग्रवाल एवं श्री महेश अग्रवाल उपस्थित रहे।

वीणा वादिनी साहित्यिक समिति द्वारा साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।
वीणा वादिनी साहित्यिक समिति ने हिन्दी के महान साहित्यकारोंअयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध', पंडित माखन लाल चतुर्वेदी, सच्चिदानंद हीरानन्द वात्सायायन 'अज्ञेय', फणीश्वर नाथ रेणु एवं मलयजकी स्मृति में आर्य कन्या विद्यालय में एक साहित्यिक कार्यक्रम का आयोजन किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजेन्द्र कुमार (उप प्राचार्य एवं अध्यक्ष, हिन्दी विभाग, सी.टी. कॉलेज हैदराबाद) रहे। समिति के अध्यक्ष श्री श्रुतिकान्त भारती तथा परामर्शदाता प्रदीप जाजू और भक्त राम ने शॉल एवं पुस्तक भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। इसके पश्चात समिति के अध्यक्ष ने मुख्य अतिथि का परिचय प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती वंदना के साथ हुआ, जिसे पुरुषोत्तम कडेल ने प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उपस्थित विद्वानों ने महान साहित्यकारों के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनकी रचनाओं का पठन किया।

कार्यक्रम में श्री पुरुषोत्तम कडेल, सत्यनारायण काकड़ा, ठाकुर दिनेश सिंह, सुचित्रा चन्द्र, सीमा, हर्षलता, विद्या दवे, उमा तिवारी, डॉ. मुमताज सुलताना, सतीश जाजू, राजू जाजू सहित अन्य साहित्य प्रेमियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और कार्यक्रम को सफल बनाया। मुख्य अतिथि ने भी इन साहित्यकारों पर अपने विचार व्यक्त किए।

इस सम्पूर्ण कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सुधा ठाकुर ने किया। अंत में समिति के अध्यक्ष द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

चारमीनार स्थित भाग्यलक्ष्मी मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए सुप्रीम कोर्ट के कानूनविद् अश्विनी उपाध्याय। साथ में हैं डॉ. मोहन गुप्ता, मंदिर की ट्रस्टी सुश्री शशिकला एवं अन्य।

गौ सम्मान आह्वान अभियान में भागीदारी के लिए जनप्रतिनिधियों से अपील

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गौमाता को राष्ट्र माता बनाने के संकल्प के साथ गौभक्तों द्वारा सोमवार, 27 अप्रैल को आयोजित होने वाले गौ सम्मान आह्वान अभियान में भाग लेने एवं सहयोग करने के लिए विभिन्न जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य व्यक्तियों से अपील की गई है। इस अभियान में भागीदारी के लिए केंद्रीय मंत्री बंडी संजय एवं जी. किशन रेड्डी, एमएलसी सत्यम, विख्यात सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय, कांग्रेस नेता रमणा गौड़, पार्षद महालक्ष्मी गौड़, पार्षद दीपिका सहित अन्य जनप्रतिनिधियों से सहयोग का आग्रह किया गया है। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के जसमत पटेल, रिद्धीश जागीरदार, तरुण मेहता तथा अग्रवाल समाज तेलंगाना गोसेवा समिति की मोनिका अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, शिल्पा अग्रवाल एवं अन्य सदस्यों ने इस अभियान को सफल बनाने के लिए व्यापक जनसहभागिता की अपील की है।आयोजकों ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य गौसंरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और समाज के विभिन्न वर्गों को एक मंच पर लाना है, ताकि इस दिशा में सामूहिक प्रयास किए जा सकें।

के टी आर गार्डन में आयोजित रीया संकलेचा एवं दीक्षित विनायकिया के शुभ विवाह प्रसंग पर परिव-रजनों एवं स्नेहीजनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर दादाजी मांगीलाल विनायकिया, समधी जसराज देवड़ा धोका एवं भवरलाल देवड़ा धोका विशेष रूप से उपस्थित रहे और नवविवाहित दंपति को आशीर्वाद प्रदान किया। कार्यक्रम में परिवारजनों और अतिथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और इस पावन अवसर को यादगार बनाया।

झुंझुनूं प्रगति संघ की हैदराबाद इकाई की मासिक सभा में उपस्थित- संघ के अध्यक्ष उमेश गुप्ता, सचिव डॉ. दिलीप पंसारी, सह-सचिव नितिन तुलस्यान, कोषाध्यक्ष शंकर लाल तुलस्यान, निवर्तमान अध्यक्ष राजकुमार पसारी और आनंद तुलस्यान। इस अवसर पर संघ की आर्थिक स्थिति, सदस्यता विस्तार, भविष्य के कार्यक्रम और अन्य विषयों पर चर्चा की गई।

आरजीए द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के विशिष्ट कानूनविद् श्री अश्विनी उपाध्याय को सम्मानित करते हुए अग्रवाल समाज तेलंगाना मैरिज डाटा कमेटी के चेयरमैन अजय अग्रवाल, वाइस चेयरमैन सुनील मित्तल, लायंस क्लब के चेयरमैन प्रेमचंद मुणोत।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा अन्नदान सेवा का आयोजन

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को भोजन वितरित कर मानवता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सदस्यों ने बताया कि राधे-राधे ग्रुप निरंतर समाज सेवा के कार्यों में सक्रिय रहकर जरूरतमंदों की सहायता कर रहा है। अन्नदान को सबसे श्रेष्ठ सेवा मानते हुए ग्रुप के सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ यह कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, महेश गोयल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा, कृष्णपाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे और सेवा कार्य में अपना योगदान दिया।

सहारा सेवा समिति द्वारा बालिका छात्रावास में सेवा कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पंजाबी समाज के संरक्षण में सहारा सेवा समिति द्वारा 26 अप्रैल 2026 को एक सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समिति के सदस्यों ने यात्रा कर पार्क स्थित बालिकाओं के प्राथमिक विद्यालय के छात्रावास में पहुंचकर सेवा कार्य संपन्न किए।

कार्यक्रम के दौरान छात्रावास में रह रही बालिकाओं के लिए भोजन एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं का वितरण किया गया। बालिकाओं की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए उन्हें उपयोगी सामग्री उपलब्ध कराई गई। इस सेवा कार्यक्रम में रमेश पासी (संरक्षक) सहित कई समाजसेवियों ने अपना योगदान दिया।

कार्यक्रम में योगेश सर्पल (संस्थापक सदस्य), मुकेश अरोरा (फाउंडर मेंबर), राजपाल अरोरा (इवेंट अध्यक्ष), दीपक जयराथ (पीएसएस अध्यक्ष), संजय अग्रवाल, पार्थ गोयल, श्याम खुराना, अशोक कुमार सोबती सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के लिए दो नेताओं को कारण बताओ नोटिस किया जारी

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति के अध्यक्ष मल्लु रवि ने रविवार को कहा कि हाल ही में हुए नगर निगम चुनावों के दौरान पलकुर्थी निर्वाचन क्षेत्र में पार्टी विरोधी गतिविधियों की शिकायतों के बाद पार्टी नेताओं हरि प्रसाद और कृष्णा किशोर को नोटिस जारी किया गया है।

गांधी भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह शिकायत पलकुर्थी विधायक यशस्विनी और पार्टी प्रभारी झांसी रेड्डी ने दर्ज कराई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि दोनों नेता कांग्रेस पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं। अब उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी कर दस दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने के लिए कहा गया है।

श्री रवि ने कहा कि कृष्णा किशोर ने समिति को सूचित किया कि वह वर्तमान में अमेरिका में हैं जबकि हरि प्रसाद ने पारिवारिक समारोह के कारण पूछताछ में शामिल न होने का हवाला दिया।

पार्टी नेताओं द्वारा संगठन को शर्मिंदा करने वाले बयानों पर चिंता व्यक्त करते हुए श्री रवि ने चेतावनी दी कि अनुशासनहीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि समिति ने ऐसे मामलों का स्वतः संज्ञान लिया है।

उन्होंने पार्टी सदस्यों को सलाह दी कि वे पार्टी प्रभारी मीनाक्षी नटराजन सहित पीसीसी नेतृत्व के समक्ष अपनी शिकायतें उठाएं और सरकार से संबंधित मुद्दों को मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के संज्ञान में लाएं। आरटीसी कर्मचारियों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए श्री रवि ने कहा कि उनकी मांगों पर ध्यान दिया गया है और उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार कर्मचारियों के साथ अन्याय नहीं होने देगी और किसी भी कर्मचारी की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया।

जीएसीई में शिक्षा प्रवृत्तियों पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक संपन्न

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गुलाम अहमद कॉलेज ऑफ एजुकेशन (जीएसीई), बंजारा हिल्स, हैदराबाद द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन इनोवेशन एंड इमर्जिंग ट्रेंड्स इन एजुकेशन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में भारत सहित विभिन्न देशों के शिक्षाविदों, विशेषज्ञों एवं शोधकर्ताओं ने भाग लिया।

प्रेस विज्ञप्ति में सम्मेलन संयोजक एवं निदेशक प्रो. विभा अस्थाना ने जानकारी दी कि सम्मेलन के दौरान आयोजित मुख्य वक्तव्य एवं प्लेनरी सत्रों में शिक्षा क्षेत्र से जुड़े अनेक महत्व-पूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। इनमें शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, उच्च शिक्षा में नेतृत्व, अंतर्विषयक अनुसंधान तथा नई शिक्षा नीति (एनईपी-2020) प्रमुख रहे।

इस अवसर पर प्रोफेसर बी. राजशेखर (कुलपति, योगी वेमन्ना यूनिवर्सिटी) तथा कीम आर. मैकोनकी ने अपने विचार साझा किए। सम्मेलन का एक विशेष आकर्षण वॉइसेज़ फ्रॉम अक्रॉस द ग्लोब सत्र रहा, जिसमें अमेरिका, स्वीडन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा सहित विभिन्न देशों के विशेषज्ञों ने वैश्विक शिक्षा परिदृश्य और नई प्रवृत्तियों पर अपने अनुभव साझा किए।

समापन सत्र में प्रोफेसर अनुर-ाधा जोन्नालागड्डा (प्रभारी कुलपति, यूनिवर्सिटी ऑफ हैदराबाद), पीटर केवीटोक (आगा खान अकादमी), मोहम्मद वैहवुल्लाह, जफर जाविद आमेर जाविद तथा एस.ए. वहाब सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

यदाद्री में श्री नरसिंह जयंती उत्सव का भव्य शुभारंभ

यदागिरिगुट्टा, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

यदाद्री स्थित श्री लक्ष्मी नरसिंह स्वामी के पवित्र मंदिर में रविवार को श्री नरसिंह जयंती उत्सव का भव्य शुभारंभ हुआ। 30 अप्रैल तक चलने वाले इस पांच दिवसीय उत्सव का उद्घाटन मंदिर के पुजारियों की टीम ने वैदिक रीति-रिवाजों के अनुसार किया।

त्योहार की शुरुआत विश्वकसेन पूजा, पुण्यवाचन और पंचरागमा पद्धति से यज्ञशाला प्रवेश जैसे कार्यक्रमों के साथ हुई। इस अवसर पर भगवान और देवी के लिए की गई सहस्रनाम अर्चना एवं अलंकार सेवाओं ने श्रद्धाल-ुओं को भावविभोर कर दिया।

शाम के समय भगवान श्री तिरुमला वेंकटेश्वर स्वामी के वेश में विग्रह को सजाकर माडा सड़कों पर शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। साथ ही विभिन्न समूहों द्वारा प्रस्तुत कुचिपुड़ी और भरतनाट्यम जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने उत्सव में रंग भर दिए। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी (ईओ) जे. भवानी शंकर, ट्रस्टी बी. नरसिंह मूर्ति सहित अन्य अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने कार्यक्रम में भाग लेकर भगवान के दर्शन किए। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे पांच दिवसीय इस पावन उत्सव में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त करें।

बागरा की प्यास और प्रशासन की जिम्मेदारी

जालौर (राजस्थान), 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गर्मी के मौसम में जब हर बूंद की कीमत बढ़ जाती है, ऐसे समय में बागरा गाँव के घाचीयों की कॉलोनी क्षेत्र में पानी की सप्लाई ठप होना प्रशासन की गंभीर विफलता को उजागर करता है। ग्रामीणों की रोज़मर्रा की ज़िंदगी प्रभावित हो रही है। महिलाएँ और बच्चे दूर-दूर से पानी लाने को मजबूर हैं, पशुओं की देखभाल ठप है और घरेलू कामकाज बाधित हो रहा है।

यह केवल एक तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि जीवन और स्वास्थ्य से जुड़ा सवाल है। प्रशासन को चाहिए कि तुरंत वैकल्पिक व्यवस्था जैसे टैंकर या हैंडपंप उपलब्ध कराए और स्थायी समाधान के लिए पाइपलाइन व मोटर की मरम्मत सुनिश्चित करे।

ग्रामीणों की आवाज़ साफ है – पानी ही जीवन है। यह आवाज़ केवल बागरा की नहीं, बल्कि हर उस गाँव की है जहाँ पानी की किल्लत प्रशासनिक लापरवाही से पैदा होती है।

समस्या का समाधान केवल तात्कालिक राहत से नहीं होगा। दीर्घकालिक योजना, नियमित निगरानी और जवाबदेही ही इस संकट को रोक सकती है। प्रशासन को अब जागना होगा, क्योंकि प्यासे गाँव की पुकार को अनसुना करना किसी भी शासन के लिए सबसे बड़ी नाकामी होगी।

कोठापल्ली गांव में एंट्रेंस आर्च का उद्घाटन, सांसद गड्डम वामसीकृष्णा ने किया लोकार्पण

पेद्दापल्ली, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

पेद्दापल्ली के सांसद गड्डम वामसीकृष्णा ने पालकुर्थी मंडल के कोठापल्ली गांव में बने गांव के एंट्रेंस (आर्च) का रिबन काटकर उद्घाटन किया।

इस अवसर पर सांसद गड्डम वामसीकृष्णा ने कहा कि गांव के एंट्रेंस आर्च गांव के विकास की निशानी होंगे। उन्होंने कहा कि यह आर्च गांव की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ स्थानीय लोगों के लिए गर्व का कारण भी बनेगा।

सांसद ने भरोसा दिलाया कि गांवों में इन्फ्रास्ट्रक्चर, सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में और अधिक विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि वह पेद्दापल्ली क्षेत्र के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं और जनता की समस्याओं का समाधान करना अपनी प्राथमिक जिम्मेदारी मानते हैं।

सांसद ने विशेष रूप से राम अखिल को बधाई दी, जिन्होंने अपने निजी खर्च से गांव का यह एंट्रेंस आर्च बनवाया है। उनके इस योगदान को सराहनीय बताते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयास समाज के लिए प्रेरणादायक होते हैं।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय जनप्रतिनिधि, गांव के बुजुर्ग, युवा और महिलाएं उपस्थित रहे। गांव के लोगों ने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत किया और उनका आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एंकर रवि सहित अन्य अतिथि भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

जनता के विश्वास का प्रतीक – नंदिवेलुगु क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी बैंक : सतीश बाबू

तेनाली, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। जनता की जरूरतों के अनुरूप सेवाएं प्रदान करते हुए विश्वसनीयता बनाए रखे हुए नंदिवेलुगु क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी बैंक भविष्य में और अधिक विस्तार करते हुए कई शाखाओं का उद्घाटन करे, यह राज्यसभा सदस्य साना सतीश बाबू ने कामना की।

रविवार को तेनाली में नवीन रूप से स्थापित नंदिवेलुगु क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी बैंक की सातवीं शाखा का उद्घाटन समारोह धूमधाम से संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित साना सतीश बाबू का बैंक प्रतिनिधियों लक्ष्मी कोटेश्वर राव और रामकृष्ण ने भव्य स्वागत किया। इसके पश्चात उन्होंने दीप प्रज्वलित कर एवं रिबन काटकर शाखा का औपचारिक उद्घाटन किया।

इस अवसर पर साना सतीश बाबू ने कहा कि तेनाली जैसे प्रमुख कस्बे में सातवीं शाखा का उद्घाटन संस्था के विकास का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि स्थानीय जनता को सुलभ वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराना ही संस्था का मुख्य उद्देश्य है। जनता का विश्वास अर्जित करना किसी भी संस्था के लिए महत्वपूर्ण होता है और यह बैंक उस विश्वास को बनाए रखते हुए निरंतर आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने आशा व्यक्त की कि बैंक भविष्य में और अधिक शाखाओं का विस्तार करेगा। इस अवसर पर संस्था के प्रशासकों लक्ष्मी कोटेश्वर राव और रामकृष्ण को विशेष रूप से बधाई दी गई। कार्यक्रम में चेयरमैन तोटा लक्ष्मी कोटेश्वर राव, भाष्यम शिक्षण संस्थानों के चेयरमैन भाष्यम

रामकृष्ण, स्थानीय गणमान्य व्यक्ति, व्यवसायी, बैंक कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में खाताधारक उपस्थित रहे।

भावेश मिश्रा ने निर्मल के नए जिला कलेक्टर के रूप में पदभार संभाला

निर्मल, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

भावेश मिशा ने रविवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने चैंबर में निर्मल जिले के नए जिला कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर जिले में पहुंचे नए कलेक्टर का स्वागत पूर्व जिला कलेक्टर अभिलाषा अभिनव, अतिरिक्त कलेक्टर बी. वेंकटेश्वरलू, किशोर कुमार तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया।

कार्यक्रम में आरडीओ रत्नकल्याणी, जिला अधिकारी जीवरत्नम, डॉ. राजेंद्र, श्रीनिवास, नरसिम्हा रेड्डी, दयानंद, भोजन्ना, सुधाकर, विजयलक्ष्मी, रमना, श्रीकांत रेड्डी, श्रीनिवास सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पदभार ग्रहण के साथ ही भावेश मिशा ने जिले के समग्र विकास, प्रशासनिक पारदर्शिता और जनहित के कार्यों को प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने अधिकारियों के साथ समन्वय बनाकर जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर दिया।

बांसवाड़ा सब-कलेक्टर किरणमयी का ट्रांसफर

बांसवाड़ा, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा सब-कलेक्टर किरणमयी कोप्पिसेट्टी (आईएएस) का शनिवार को ट्रांसफर कर दिया गया। राज्य के चीफ सेक्रेटरी रामकृष्ण राव ने शनिवार को आदेश जारी किए। उनका ट्रांसफर रंगा रेड्डी में एडिशनल कलेक्टर (लोकल बॉडीज) के तौर पर किया गया है।

उन्होंने बांसवाड़ा डिवीजन में सब-कलेक्टर के रूप में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यों में सुधार देखने को मिला।

उन्होंने बांसवाड़ा डिवीजन के लोगों को समय पर पब्लिक सर्विस दीं, जिससे आमजन को राहत मिली और प्रशासन के प्रति विश्वास मजबूत हुआ।

अयप्पा मंदिर में टीआरएस की देखरेख में अन्नदान कार्यक्रम आयोजित

बांसवाड़ा, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राष्ट्र सेना पार्टी के गठन के अवसर पर रविवार को कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा मंडल केंद्र स्थित श्री श्री श्री अयप्पा स्वामी मंदिर में अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। टीआरएस बांसवाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के नेता ममिंडला राजू ने अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरुआत विशेष पूजा-अर्चना के साथ की गई। इसके बाद गरीबों और ज़रूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया। इस मौके पर ममिंडला राजू ने कहा कि पार्टी टीआरएस प्रमुख कलवकुंतला कविथक्का के नेतृत्व में अच्छे इरादों के साथ बनाई गई है। उन्होंने कहा कि उनके उद्देश्य को पूरा करने के लिए इस प्रकार के सेवा कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि कविथक्का बडुगु वर्गों के प्रति समर्पित हैं और गरीब परिवारों व कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए कार्य करेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि पार्टी का गठन पूरे राज्य में सकारात्मक संदेश लेकर आया है।

नए कलेक्टर ने परिवार सहित बासर में श्री ज्ञान सरस्वती देवी मंदिर के दर्शन किए

निर्मल जिले के नए कलेक्टर भावेश मिशा एवं उनकी पत्नी इला मिशा ने रविवार को बासर स्थित श्री ज्ञान सरस्वती देवी मंदिर का दर्शन किया। कलेक्टर एवं उनकी पत्नी का मंदिर के अधिकारियों और पुजारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। मंदिर परिसर में पारंपरिक विधि-विधान के साथ उनका अभिनंदन किया गया।इसके पश्चात कलेक्टर दंपति ने देवी सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की और प्रदेश एवं जिले की सुख-समृद्धि की कामना की। पूजा के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मंदिर के पुजारियों ने कलेक्टर और उनकी पत्नी को तीर्थ प्रसाद भेंट कर उनके मंगलमय जीवन की कामना करते हुए आशीर्वाद प्रदान किया।

संस्कृत व्याकरण विशेषज्ञ ऋषभ पारेख 'सिद्धहेमव्याकरण रत्न' विभूषण से सम्मानित

जयपुर, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

संस्कृत व्याकरण विशेषज्ञ एवं शिक्षक ऋषभ पारेख को 'सिद्धहेमव्याकरण रत्न' विभूषण से सम्मानित किया गया। शिवगंज (सिरोही) निवासी ऋषभ पारेख को यह सम्मान गुजरात के शंखेश्वर जैनतीर्थ में प्रदान किया गया।

यह सम्मान जैनाचार्य सिद्धहस्त लेखक विजय पूर्णचन्द्र सूरीश्वरजी महाराज एवं श्रुतरक्षा प्रेरक विजय युगचन्द्र सूरीश्वरजी के सान्निध्य में प्रदान किया गया। श्रुततीर्थ के ट्रस्टी गौतमभाई सांखला एवं शिवगंज जैन संघ अध्यक्ष प्रवीण ने उन्हें सुवर्ण मुद्रिका, स्मृति चिह्न और 1 लाख रुपए भेंट कर सम्मानित किया।

बीकानेर के अभय जैन ग्रन्थालय के निदेशक ऋषभ नाहटा ने पारेख को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इसके अलावा जीरावला पार्श्वनाथ तीर्थ के महामंत्री प्रकाश सीरोडीवाले, नाकोड़ा तीर्थ जैन ज्ञानशाला के प्राचार्य नरेन्द्र कोरडिया, ऐन्टी टेररिस्ट फ्रंट के चेयरमैन मनिंदरजीत सिंह बिट्टा, जयनारायण मीणा तथा सुविख्यात रमेशभाई ओझा सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने शुभकामना संदेश प्रेषित किए।

संस्कृत भारती गुजरात, हेमचन्द्राचार्य संस्कृत पाठशाला गुरुकुलम् साबरमती के डायरेक्टर जितेन्द्र शाह तथा ललित नाहटा (नई दिल्ली) ने स्वहस्ताक्षर सहित अभिनंदन पत्र भेंट कर पारेख का सम्मान किया। इस अवसर पर जैनाचार्य युगचन्द्र सूरिजी महाराज एवं ज्ञानदाता मूलशंकर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन कुणाल भाई ने किया।

सेवा का सच्चा आनंद अन्नदान में है : मनीष अग्रवाल

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में रविवार को केबीआर पार्क, इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ग्रुप के सदस्यों ने जरूरतमंद एवं निराश्रित लोगों को प्रेम, करुणा और सम्मान के साथ भोजन वितरित किया। सेवा के इस कार्य ने वहां उपस्थित सभी लोगों के मन को भावविभोर कर दिया।

कार्यक्रम के दौरान मनीष अग्रवाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अन्नदान केवल भूख मिटाने का माध्यम नहीं है, बल्कि यह मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को भी दर्शाता है। जब हम किसी भूखे व्यक्ति को भोजन कराते हैं, तो केवल उसका पेट ही नहीं भरता, बल्कि हमारे भीतर भी एक अद्भुत आत्मिक संतोष और शांति का अनुभव होता है।

इस सेवा कार्य में जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, उमाकांत गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर सेवा को एक उत्सव का रूप दिया और यह संदेश दिया कि समाज में जब तक एक भी व्यक्ति भूखा है, तब तक हमारी जिम्मेदारी समाप्त नहीं होती।

जनगणना-2027 के लिए जिले में स्व-गणना प्रक्रिया शुरू, लोगों से सहयोग की अपील

मंचेरियाल, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

26 अप्रैल 2026 को जनगणना-2027 के तहत जिले में स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) प्रक्रिया की शुरुआत हो गई। जिला कलेक्टर कुमार दीपक ने नस्पूर स्थित समेकित जिला कार्यालय में अधिकारियों के साथ बैठक कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

कलेक्टर ने बताया कि जनगणना दो चरणों में संपन्न होगी। पहले चरण में 11 मई से 9 जून तक मकानों की गणना की जाएगी, जबकि दूसरे चरण में जनगणना का कार्य किया जाएगा। 26 अप्रैल से 10 मई तक नागरिक ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्व-गणना कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक के जरिए सटीक और स्पष्ट डेटा तैयार किया जाएगा। इसके लिए कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अब तक जिले में लगभग 1,000 लोगों ने अपने विवरण ऑनलाइन दर्ज कराए हैं।

कलेक्टर कुमार दीपक ने जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और युवाओं से इस अभियान को सफल बनाने के लिए जागरूकता बढ़ाने की अपील की। साथ ही नागरिकों से सही और वास्तविक जानकारी देने तथा प्रक्रिया में सहयोग करने का आग्रह किया, ताकि सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। इस बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्राप्त किए।

हमें दूसरा दिल्ली नहीं चाहिए : केबीआर पार्क बचाने के लिए सड़कों पर उतरे सैकड़ों नागरिक

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

केबीआर नेशनल पार्क के मुख्य द्वार पर रविवार सुबह सैकड़ों नागरिकों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने चल रही एच-सिटी परियोजना और पार्क के आसपास बढ़ते कंक्रीटीकरण के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन किया। सुबह 7:00 बजे से 8:00 बजे तक चले इस प्रदर्शन में प्रदर्शनकारियों ने शहर के पर्यावरणीय भविष्य और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के कारण इस महत्वपूर्ण हरित क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव पर गहरी चिंता व्यक्त की। यह विरोध मुख्य रूप से एच-सिटी परियोजना के तहत निर्माणाधीन फ्लाईओवर और अंडरपास के विरोध में था। प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में पार्क क्षेत्र के आसपास किए गए वृक्षारोपण और पेड़ों की कटाई के खिलाफ भी आवाज उठाई। एसएवीईकेबीआर बैनर के तले इकट्ठा हुए प्रतिभागियों ने तख्तियां थामी हुई थीं और नारे लगाए, जो शहरी विकास के दबाव से हैदराबाद के इस सबसे महत्वपूर्ण पारिस्थितिक क्षेत्र को बचाने के उनके संकल्प को दर्शाते थे। प्रदर्शन के दौरान नागरिकों ने हैदराबाद में बढ़ते पर्यावरणीय क्षरण पर कड़ी चिंता जताई। प्रदर्शन में शामिल एक नागरिक ने कहा, हम नहीं चाहते कि हैदराबाद दूसरा दिल्ली बने। यह भावना निवासियों के बीच वायु गुणवत्ता, हरित क्षेत्र की कमी और शहर की जीवनक्षमता को लेकर बढ़ती बेचैनी को उजागर करती है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार पर आरोप लगाया कि वह सार्वजनिक परामर्श और उचित मानदंडों का पालन किए बिना निर्माण कार्य को आगे बढ़ा रही है। कार्यकर्ताओं ने जोर देकर कहा कि केबीआर नेशनल पार्क हैदराबाद के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण सामाजिक और पारिस्थितिक स्थान है। यह पार्क परिवारों, सुबह की सैर करने वालों और प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वास्थ्य और मनोरंजन का मुख्य केंद्र है।

तेलंगाना राष्ट्र सेना के नेताओं ने बीआरएस पर निशाना साधते हुए कविता का किया बचाव

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राष्ट्र सेना (टीआरएस) के नेताओं ने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर तीखा हमला बोलते हुए तेलंगाना आंदोलन में अहम भूमिका निभाने का श्रेय के. कविता को दिया है।

टीआरएस नेताओं ने बंजारा हिल्स स्थित पार्टी कार्यालय में रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए दावा किया कि उनके संगठन के गठन से बीआरएस खेमे में खलबली मच गई है और आरोप लगाया कि उसने तेलंगाना के आदर्शों के साथ विश्वासघात किया है और उसका नेतृत्व गलत सूचना फैलाने वाले अभियानों में लिप्त है।

टीआरएस नेता रूप सिंह ने आरोप लगाया कि बीआरएस नेता खुद को असली बताकर सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार का सहारा ले रहे हैं, जबकि उनका दावा है कि टीआरएस से बीआरएस में बदलाव के बाद जनता ने उन्हें नकार दिया है। उन्होंने लगातार ट्रोलिंग और गलत सूचना फैलाने के खिलाफ चेतावनी दी।

श्री गोंगल्ला रंजीत कुमार ने कहा कि टीआरएस के उदय से बीआरएस खेमे में बेचैनी पैदा हो गई है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

तेलंगाना के राज्यपाल ने राज्य में स्व-गणना 2027 का किया शुभारंभ

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने रविवार को लोक भवन में जनगणना 2027 के स्व-गणना चरण का उद्घाटन किया और लोगों से राष्ट्रव्यापी अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने ऑनलाइन स्व-गणना सुविधा के माध्यम से अपने विवरण दर्ज कराकर औपचारिक रूप से इस प्रक्रिया का शुभारंभ किया। राज्यपाल ने लोगों को संबोधित करते हुए स्व-गणना को एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय अभ्यास करार दिया जो जनसंख्या एवं सामाजिक-आर्थिक स्थितियों की एक व्यापक तस्वीर प्रदान करता है, जो नीति निर्माण, शासन और संसाधनों के न्यायसंगत वितरण का आधार बनता है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा, रोजगार, आवास और अवसंरचना जैसे प्रमुख क्षेत्रों में योजना बनाने के लिए सटीक जनगणना डेटा अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि तेलंगाना राज्य के गठन के बाद यह पहली जनगणना है और राज्य के भविष्य के विकास के लिए इसका महत्व का उल्लेख किया।

स्व-गणना का चरण 26 अप्रैल से 10 मई तक चलेगा, जिसके बाद 11 मई से नौ जून तक घरों की सूची बनाने का कार्य किया जाएगा। राज्यपाल ने कहा कि यह भारत की पहली पूरी तरह से डिजिटल जनगणना होगी जिसका उद्देश्य पारदर्शिता, दक्षता और सटीकता सुनिश्चित करना है।

उन्होंने कहा, मैंने स्वयं स्व-गणना प्रक्रिया पूरी कर ली है। यह आसान और कारगर है। मैं सभी नागरिकों से इसमें भाग लेने और सटीक जानकारी प्रदान करने का आग्रह करता हूं। उन्होंने कहा कि समावेशी और सुनियोजित राज्य के निर्माण के लिए जन सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

लोक भवन द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, जनगणना निदेशक भारती होलिकेरी, जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन और अन्य अधिकारी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने किया स्व-गणना, जनता से सहयोग की अपील

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो): तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को जुबली हिल्स में जनगणना 2027 के तहत स्व-गणना (Self-Enumeration) कार्यक्रम में हिस्सा लिया और नागरिकों से इस कवायद में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। जनगणना अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को इस प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी, जिसके बाद उन्होंने आधिकारिक पोर्टल के माध्यम से अपना व्यक्तिगत विवरण दर्ज किया। उन्होंने प्रभावी शासन और विकास योजना के लिए सटीक डेटा संग्रह सुनिश्चित करने हेतु जनभागीदारी के महत्व पर जोर दिया।

इस कार्यक्रम में जनगणना संचालन निदेशक भारती होलिकेरी, जीएचएमसी आयुक्त आर. वी. कर्णन, संयुक्त मुख्य जनगणना अधिकारी प्रियंका आला, सूचना एवं जनसंपर्क (खझठ) आयुक्त च. प्रियंका और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनगणना के माध्यम से प्राप्त सटीक आंकड़े ही राज्य के भविष्य की नीतियों का आधार बनेंगे, इसलिए हर नागरिक को अपनी जानकारी सही-सही दर्ज करानी चाहिए।

दूसरी ओर, पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोंनम प्रभाकर ने भी हैदराबाद स्थित मंत्री आवास (मिनिस्टर्स क्वार्टर) में स्व-प्रगणन प्रक्रिया का शुभारंभ किया। उन्होंने नागरिकों से अपना प्रगणन शीघ्र पूरा करने का आग्रह करते हुए कहा कि सटीक जनसंख्या डेटा नीति निर्माण और कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। जनगणना 2027 के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने कहा कि स्व-गणना प्रक्रिया सटीक जनसांख्यिकीय विवरण प्राप्त करने में मदद करेगी। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे डिजिटल जनगणना को लागू करने में तेलंगाना को एक मॉडल राज्य बनाने के लिए अधिकारियों के साथ सहयोग करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया पारदर्शी है और इससे सरकार को समाज के हर वर्ग तक विकास पहुँचाने में मदद मिलेगी।

शादी का झांसा देकर सॉफ्टवेयर इंजीनियर से 9.35 करोड़ की ठगी

अभिनेत्री आशु रेड्डी के खिलाफ गैर-जमानती मामला दर्ज

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो):

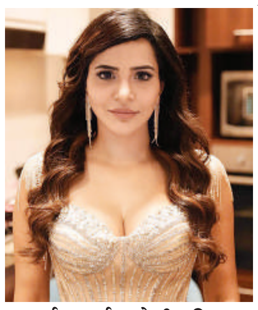

लंदन में कार्यरत एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर से शादी के बहाने 9.35 करोड़ रुपये, 5 किलो सोना, प्लॉट और महंगी गाड़ियाँ ठगने के आरोप में अभिनेत्री आशु रेड्डी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ गैर-जमानती मामला दर्ज किया गया है। यह शिकायत शेखपेट क्षेत्र के येनुमुला सत्यनारायण के पुत्र वाई.वी. धर्मेंद्र द्वारा दर्ज कराई गई है। शिकायत के अनुसार, धर्मेंद्र की मुलाकात 2018 में भारत यात्रा के दौरान आशु रेड्डी से हुई थी। आरोप है कि जान-पहचान के कुछ ही दिनों के भीतर आशु रेड्डी ने धर्मेंद्र के प्रति अपने प्यार का इजहार किया और शादी का प्रस्ताव रखा। मामला तब और गंभीर हो गया जब आशु रेड्डी के परिवार ने कथित तौर पर एक पुजारी को बुलाकर जल्दबाजी में धर्मेंद्र के साथ शादी का रिश्ता पक्का कर दिया, जिससे पीड़ित को उनकी प्रतिबद्धता पर गहरा विश्वास हो गया। शादी के वादे के बाद, आशु रेड्डी और उनके परिवार ने कथित तौर पर धर्मेंद्र और उनके परिवार से भारी मात्रा में धन और कीमती सामान लेना शुरू कर दिया। शिकायत के विवरण के अनुसार, आरोपियों ने लगभग 9.35 करोड़ रुपये नकद, 5 किलोग्राम सोना, फ्लैट और महंगी गाड़ियाँ प्राप्त कीं। इसके अलावा, यह भी आरोप लगाया गया है कि आशु रेड्डी की बहन ने पीड़ित परिवार से 50 लाख रुपये लिए थे।पीड़ित के पिता सत्यनारायण ने अपनी शिकायत में कहा कि इतनी बड़ी रकम और संपत्ति लेने के बावजूद, बाद में आशु रेड्डी ने उनके बेटे से शादी करने से इनकार कर दिया। जब पैसे और कीमती सामान वापस करने या शादी करने के बार-बार किए गए अनुरोधों को अनसुना कर दिया गया, तब परिवार ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने शिकायत के आधार पर आशु रेड्डी और उनके परिजनों के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रजावाणी को जमीनी स्तर तक ले जाने का दिया आदेश

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को राज्य में सार्वजनिक शिकायत निवारण प्रणाली को मजबूत करने और याचिकाओं के तेजी से निपटारे के लिए 'प्रजावाणी' कार्यक्रम को जमीनी स्तर तक विस्तारित करने का निर्देश दिया है।मुख्यमंत्री ने रविवार को एमसीएचआरडी में आयोजित एक समीक्षा बैठक में, मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव और वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिया कि नागरिकों को लंबी दूरी की यात्रा करने से बचाने के लिए प्रजावाणी सेवाओं का विस्तार जिला मुख्यालयों से आगे बढ़ाकर राजस्व मंडल स्तर और बाद में मंडलों तक किया जाये।आठ दिसंबर 2023 को शुरू किया गया प्रजावाणी कार्यक्रम वर्तमान में हैदराबाद के प्रजा भवन में सप्ताह में दो बार आयोजित किया जाता है, जहां विभिन्न विभागों के अधिकारी सार्वजनिक शिकायतों को प्राप्त करते हैं और उनका समाधान करते हैं। इसी तरह के सत्र जिला स्तर पर कलेक्टरों की देखरेख में भी आयोजित किये जा रहे हैं।

श्री रेवंत रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि सभी शिकायतों को पंजीकृत, ट्रैक और एक निश्चित समय सीमा के भीतर हल किया जाना चाहिए, साथ ही याचिकाकर्ताओं को नियमित अपडेट भी दिया जाना चाहिए। उन्होंने शिकायत पंजीकरण और निगरानी के लिए एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाने के साथ-साथ जिला और राज्य स्तर पर रियल-टाइम ट्रैकिंग सिस्टम विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने हर प्रशासनिक स्तर पर नोडल अधिकारियों की नियुक्ति और विभागों में समर्पित प्रजावाणी विंग स्थापित करने का भी निर्देश दिया। अनसुलझे मुद्दों को उच्च अधिकारियों के पास भेजने के लिए एक ऑटो-एस्केलेशन तंत्र और आवश्यकतानुसार अपीलीय प्रणाली शुरू की जानी चाहिए।

जवाबदेही पर जोर देते हुए मुख्यमंत्री ने डैशबोर्ड के माध्यम से नियमित समीक्षा बैठकें और निगरानी करने का आदेश दिया और चेतावनी दी कि देरी बर्दाश्त नहीं की जायेगी।

उन्होंने कहा कि प्रजावाणी के विकेंद्रीकरण से लंबित मामलों को कम करने में मदद मिलेगी और स्थानीय स्तर पर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर जनता का विश्वास बढ़ेगा।

मोदी दस मई को तेलंगाना दौरे पर आएंगे

हैदराबाद, 26 अप्रैल (शुभ लाभ ब्यूरो)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 10 मई को तेलंगाना के दौरे पर आयेंगे।

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. रेड्डी ने रविवार को बताया कि तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद श्री मोदी का राज्य का यह पहला दौरा होगा।

उन्होंने कहा कि इस दौरे के दौरान प्रधानमंत्री कई अहम विकास पहलों की शुरुआत कर सकते हैं जिसमें रेलवे स्टेशनों को राष्ट्र को समर्पित करना और कई राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की आधारशिला रखना शामिल है।

श्री रेड्डी ने सोमाजीगुडा में प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम में शामिल होने के बाद कहा कि यह दौरा राज्य में केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे विकास कार्यों को काफी बढ़ावा देगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी हैदराबाद के परेड ग्राउंड्स में एक विशाल जनसभा को भी संबोधित करेंगे। श्री रेड्डी ने नागरिकों से बड़ी संख्या में शामिल होने और इस कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने की अपील की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.